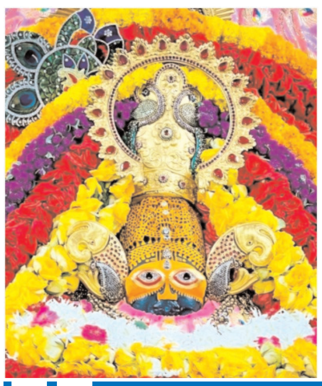

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:357। पेज:।12 mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 18 अगस्त 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान

वंसुधरा राजे, स्मृति ईरानी सहित कई चेहरों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

● भाजपा आईटी सेल के इंचार्ज अमित मालवीय हटाए गए । बीएल संतोष संगठन महामंत्री बने रहेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सोमवार को अपनी नई टीम का ऐलान किया गया है। इस टीम में पार्टी को मजबूती प्रदान करने के मकसद से कई अहम चेहरों को जगह दी गई है। पार्टी की ओर से इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई। पार्टी की ओर से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी पीयूष गोयल, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी राजेश मंगल को दी गई है। वहीं, राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी बी.एल संतोष को दी गई है। उधर, सहायक मंत्री पद की जिम्मेदारी शिप्रकाश और सौदान सिंह को दी गई है। वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव और वंसुधरा राजे को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत पांडा, डी पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्र भाई दोशी, भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाला सिंह आर्य, एम नागराज, तारिक मंसूर, मधुचंद्र कर को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है।

उपाध्यक्ष पद के लिए पार्टी की ओर से 13 नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, पार्टी की ओर से महामंत्री पद के लिए आठ नेताओं के नाम पर मुहर लगाई गई। इसमें प्रमुख रूप से विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बिप्लव कुमार देव, स्मृति ईरानी, सतीश पुनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया का नाम शामिल है। साथ ही, राष्ट्रीय मंत्री पद पर प्रमुख रूप से कविता पाटीदार, के सुरेंद्रन, भोला सिंह, प्रदीप यादव , जगदीश ईश्वर भाई पटेल, संदीप पाठक, फांग्नोन कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन, मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभु, स्वदेश सिंह, मृगांका देव बर्मन, रोहन गुप्ता और जय प्रकाश का नाम शामिल है। वहीं, नितिन नवीन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

> अनुभव और ऊर्जा से समृद्ध यह टीम प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में संगठन को नई गति प्रदान करेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि टीम के सभी सदस्य कार्यकर्ता भाव से संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हुए 'विकसित भारत' के संकल्प और राष्ट्रसेवा के ध्येय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।''

प्रधानमंत्री ने भाजपा की नई टीम को दी बधाई, कहा- संगठन को मजबूत करने और जनसेवा पर रहेगा ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों और पार्टी में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालने वाले नेताओं को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि नई टीम संगठन को मजबूत करने के साथ जनसेवा पर विशेष ध्यान देगी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को बधाई। उन्होंने कहा कि नई टीम में संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी स्तर से जुड़ाव का समावेश है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि नई टीम पार्टी को मजबूत करने और जनसेवा पर ध्यान केंद्रित करने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देगी। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों और नेताओं को अपनी शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने आज अपनी नई टीम की घोषणा की। इसमें वसुंधरा राजे सिंधिया और राम माधव समेत 13 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि स्मृति ईरानी और हरीश द्विवेदी समेत आठ नेताओं को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। देश भर में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा तटों पर बने कम दबाव के क्षेत्र ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार अगले कुछ दिनों तक देश के कई राज्यों में बादलों की आवाजाही देखने को मिलेगा, तो वहीं कुछ इलाकों में हल्की राहत भरी फुहारें भी गिरेंगी। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में मौसम सुहाना रहने का अनुमान है।

प्रयागराज में बाढ़, घरों में 3 फीट पानी

कारें-बाइकें डूबीं, गलियों में नावें । ओडिशा के स्कूल में 312 छात्र दो दिन से फंसे

नई दिल्ली(एजेंसी)। यूपी के कई शहरों में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। प्रयागराज की कॉलोनियों में 3 से 4 फीट तक पानी भरने से कारें-बाइकें डूब गई हैं। कई घरों के ग्राउंड फ्लोर डूब गए हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। पुलिस और NDRF की टीमें नावों से लोगों का रेस्क्यू कर रही है। वहीं, ओडिशा के केंद्रापाड़ा में 312 छात्र और 10 शिक्षक दो दिन से स्कूल में फंसे हैं। कुलसाही गांव के सरकारी SC/ST आवासीय आश्रम स्कूल का ग्राउंड फ्लोर ब्राह्मणी नदी के पानी में डूब गया है। स्कूल चारों तरफ से करीब 10 फीट पानी से घिरा है और तेज बहाव के कारण अब तक रेस्क्यू टीम वहां नहीं पहुंच सकी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में इस मानसून 187 लोगों की मौत हो चुकी है। 30 जून से 16 अगस्त के बीच 79 मौतें बाढ़, लैंडस्लाइड, डूबने और करंट जैसी प्राकृतिक आपदाओं में हुईं, जबकि 107 लोगों की जान सड़क हादसों में गई। राज्य में 294 लोग घायल और 31 अब भी लापता हैं।

ओडिशा में बारिश से दीवार गिरी, दादी-पोते की मौत

ओडिशा के बालासोर जिले में लगातार बारिश के बीच पड़ोसी के घर की दीवार गिरने से दादी और पोते की मौत हो गई।

बिहार के लखीसराय मंदिर भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत पर उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के लखीसराय जिले में स्थित अशोकधाम शिव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को हुई भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान,

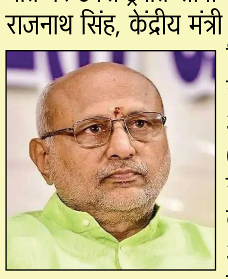

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत कई अन्य राजनेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृत श्रद्धालुओं के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में भगदड़

सात श्रद्धालुओं की मौत-कई घायल

एजेंसी

पटना। बिहार में लखीसराय जिले के अशोकधाम शिव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर हुई भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत की सूचना है। प्रशासन ने अभी तक निश्चित आंकड़ा जारी नहीं किया है। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार ने खबर लिखे जाते समय तक मीडिया से लगभग सात श्रद्धालुओं की मौत हो जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कई श्रद्धालु घायल हैं। बताया गया कि मृतकों में सभी महिलाएं हैं। बताया गया है कि करीब 55 हजार श्रद्धालु जलाभिषेक करने के लिए यहां पहुंचे थे। इसी दौरान भगदड़ मच गई। श्रद्धालु इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान कई श्रद्धालु एक-दूसरे के नीचे दब गए। प्रशासन की टीम रेस्क्यू अभियान चला रही है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी तक जिन मृतकों की पहचान हुई है उनमें (पति निरंजन कुमार, बडहिया), रिंकू देवी (पति नीरज यादव, सफिया सराय मुंगेर), हेमलता देवी

> मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि लखीसराय के अशोकधाम की घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। श्रद्धालुओं की मृत्यु की खबर से मन व्यथित है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि घायलों के समुचित एवं त्वरित इलाज के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

मधुबाला देवी (पति निरंजन कुमार सिंह, बडाहिया), मनमाला देवी (पति सुरेंद्र यादव प्रतापपुर हलसी लखीसराय) हैं।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने बिहार के अशोकधाम मंदिर में भगदड़ से श्रद्धालुओं की मौत पर जताया दुख

नई दिल्ली। बिहार में लखीसराय जिले के अशोकधाम शिव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर हुई भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुख जताया। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट पर हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार के लखीसराय जिले में भगदड़ की दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने शोक-संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी लखीसराय में हुई इस दर्दनाक घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार के लखीसराय में भगदड़ से हुई मौतों से वह बेहद दुखी हैं। दुख की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। प्रधानमंत्री ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद कर रहा है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत

हाईकोर्ट की सुनवाई पर रोक

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति के आरोपों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में 20 अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर शिकायतकर्ता, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) समेत संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें अदालत ने उनके खिलाफ लगाए गए आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच के लिए सीबीआई और ईडी को कानून के तहत उचित कार्रवाई करने की छूट दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों जांच एजेंसियों और अन्य अधिकारियों से कहा है कि वे फिलहाल इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष कोई रिपोर्ट दाखिल न करें।

वंदे मातरम विवाद: मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ मुंबई पुलिस में की शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम के गायन में कथित तौर पर बाधा डालने के आरोप को लेकर कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ मुंबई के दिंडोशी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है।

शिकायत में पुलिस से वंदे मातरम अधिनियम की प्रयोज्यता और कानूनी स्थिति का पता लगाने और तीनों कांग्रेस नेताओं के कथित आचरण की निष्पक्ष, तटस्थ और समयबद्ध जांच करने के बाद एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। मुंबई भाजपा के सचिव अखिलेश चौबे (एडवोकेट) ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, दिंडोशी पुलिस स्टेशन, मलाड ईस्ट, मुंबई को एक पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 15 अगस्त को एआईसीसी मुख्यालय स्थित इंदिरा भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सोनिया गांधी ने ऐसे इशारे किए, जिनसे वंदे मातरम के गायन को लेकर आपत्ति का संकेत मिलता था। विवाद उस समय बढ़ा जब गायकों ने वंदे मातरम के उन बाद के छंदों का गायन शुरू किया, जिनमें हिंदू धार्मिक प्रतीकों का उल्लेख है। कांग्रेस के नेताओं का तर्क है कि इन छंदों से अन्य धर्मों के अनुयायियों की भावनाएं आहत हो सकती हैं।

बड़ी आपदा की आहट?

नासिक में फिर कांपी धरती

महाराष्ट्र में एक महीने में 25 से ज्यादा बार लगे भूकंप के झटके

एजेंसी

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में सोमवार को कुछ हिस्सों में भूकंप के दो हल्के झटके महसूस किए गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। उन्होंने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें किसी की जान नहीं गई और न ही कोई संपत्ति का नुकसान हुआ।

कब झटके महसूस किए गए?

बता दें कि नासिक राज्य की राजधानी मुंबई से 180 किलोमीटर दूर है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, सुबह 5.06 बजे और दोपहर 12.40 बजे 2.5 और 3 तीव्रता के झटके महसूस किए गए। इसकी गहराई पांच किलोमीटर नीचे दर्ज किए गए है। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले के पेठ, सुरगाणा और डिंडोरी तालुका के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए। इससे पहले, नासिक में 25 से 28 जुलाई के साथ-साथ 6, 8, 10 और 14 अगस्त को भी भूकंप के झटके दर्ज किए गए थे। उस समय सुरगाणा तालुका के भादर और डिंडोरी तालुका के नानाशी में घरों की दीवारों में दरारें आ गई थीं। बता दें कि महाराष्ट्र में पिछले दो हफ्तें से लगातार छोटे-छोटे भूकंप आ रहे हैं। सबसे तेज झटके नासिक और पालघर में महसूस किए गए हैं। एक्सपर्ट्स इसे अर्थक्वेक स्वार्म (भूकंपों का झुंड) कहते हैं। आसान शब्दों में कहें तो, यह भूकंपों का एक झुंड हो सकता है।

कितनी बार भूकंप आए?

पिछले एक महीना में महाराष्ट्र में भूकंप के 25 से ज्यादा झटके महसूस किए गए। इनकी तीव्रता 2 से 4.3 के बीच थी। ये भूकंप जमीन के नीचे लगभग 5 से 8 किलोमीटर की गहराई पर आए।

ईरान में भारतीय नागरिक की गिरफ्तारी का दावा फर्जी

एमईए फैक्टचेक ने सोशल मीडिया पोस्ट को बताया भ्रामक

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेश मंत्रालय के आधिकारिक फैक्ट चेक प्लेटफॉर्म 'एमईए फैक्टचेक' ने उस खबर को फर्जी बताया है जिसमें भारतीय नागरिक को तेहरान में गिरफ्तार किए जाने का दावा किया जा रहा था। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने अपील की है कि ऐसे फर्जी दावों पर लोग यकीन न करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स की पोस्ट्स में दावा किया गया था कि ईरानी अधिकारियों ने एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है, जिस पर तेहरान के पास संवेदनशील सैन्य स्थलों के जीपीएस निर्देशांक एकत्र करने का आरोप है। पोस्ट के साथ एक व्यक्ति की तस्वीर और कथित सैन्य क्षेत्र की सैटेलाइट तस्वीर भी साझा की गई थी। एमईए फैक्टचेक ने इस दावे को खारिज करते हुए सोशल मीडिया यूजर्स को आगाह किया कि ऐसे दुर्भावनापूर्ण और भ्रामक पोस्ट पर भरोसा न करें और उन्हें आगे साझा करने से बचें। इस पोस्ट के साथ ही एमईए फैक्टचेक ने 4 पोस्ट्स साझा किए हैं। इन सभी पोस्ट में एक बात कॉमन है। वो ये कि टेक्स्ट लगभग एक सा है और इसमें कोई खास बदलाव नहीं किया गया है। यानी ये कट-पेस्ट जैसी पोस्ट है। लिखा है कि संवेदनशील ठिकानों के जीपीएस निर्देशांक एकत्रित कर रहे भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से किया इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली । अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी की स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिकाओं में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से स्वतंत्र जांच कराने, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन का सीएजी, फॉरेंसिक ऑडिट करने, ट्रस्ट के सभी वित्तीय रिकॉर्ड सुरक्षित रखने, जांच पूरी होने तक उस पर बड़े वित्तीय फैसले लेने से रोक लगाए जाने की मांग की गई है। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की रिपोर्ट तैयार है। अब तक के जांच की स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में जमा कर दी है। जांच के लिए बनी एसआईटी के चेयरमैन भी

कोर्ट में मौजूद हैं। इस पर याचिकाकर्ताओं की ओर से एसआईटी के जांच की स्टेटस रिपोर्ट की कॉपी दिए जाने की मांग की। इस पर सीजेआई ने कहा कि हम चाहते हैं कि इस मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच हो। याचिकाकर्ताओं के वकील ने यहां तक कहा कि हमें इस मामले में दर्ज एफआईआर का कंटेंट तक नहीं दिया गया है। एक और याचिकाकर्ता सुधाकर सिंह के वकील सत्यम सिंह राजपूत ने कहा कि अब तक जितना डोनेशन हुआ, उसको सार्वजनिक रूप से पब्लिश किया जाए। इसके अलावा हमने एक स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट से कुछ रिपोर्ट तैयार कराई है, जो हम कोर्ट के सामने जमा कराएंगे। एक याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया कि राम मंदिर ट्रस्ट के मौजूदा स्वरूप के चलते एसआईटी की जांच निष्पक्ष नहीं हो सकती है। जिस पर सीजेआई ने कहा कि एसआईटी पर ट्रस्ट का कोई नियंत्रण नहीं है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सभी निर्देशों का पालन किया जा रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा-

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी का गठन सुप्रीम कोर्ट ने किया है। ऐसे में ये एसआईटी सुप्रीम कोर्ट के प्रति जवाबदेह है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी पक्षकार एसआईटी जांच को लेकर अपने सुझाव तुषार मेहता को दे सकते हैं। सरकार उन पर गंभीरता से विचार करे।

'वसुधैव कुटुंबकम' से ही संभव है विश्व का एकीकरण: स्वामी चक्रपाणि महाराज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लंदन। संत संसद से विश्व शांति और एकीकरण का एक बड़ा और मानवतावादी संदेश सामने आया है। जगद्गुरु सनातन सम्राट स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने अंतरराष्ट्रीय मंच से वैश्विक बिरादरी को 'वसुधैव कुटुंबकम' के विचार को अपनाने की अपील की है। महानगर मेट्रो न्यूज़ की इस विशेष रिपोर्ट में जानिए स्वामी जी के इस संबोधन की मुख्य बातें। लंदन में आयोजित संत संसद के दौरान अपने संबोधन में स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि आज पूरी दुनिया को युद्ध और संघर्ष की नहीं, बल्कि आपसी सहयोग और भाईचारे की सबसे ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर आज के दौर में लड़ना ही है, तो हथियारों के साथ नहीं, बल्कि गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा, अन्याय, अत्याचार और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने दुनिया के सभी देशों से एकजुट होकर एक ऐसा माहौल बनाने की अपील की, जहां हर इंसान को रोटी, कपड़ा, मकान और तरक्की के बराबर मौके मिल सकें। दुनिया में व्याप्त मौजूदा तनाव पर चिंता जताते हुए स्वामी जी ने कहा कि आज पूरी दुनिया बारूद के ढेर पर बैठी है और परमाणु हथियार खुद इंसानियत के वजूद के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि इतनी तकनीकी और वैज्ञानिक तरक्की के बावजूद हर देश एक कबीलाई सोच में फंसा हुआ है, जहां सिर्फ 'मेरा-मेरा' की संकीर्णता बची है। झूठी राष्ट्रभक्ति और 'फूट डालो, राज करो' की नीतियों के जरिए रंगभेद, लिंगभेद, जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर अपनों का ही शोषण किया जा रहा है, जो बेहद दुखद है। स्वामी जी ने भारत के प्राचीन सनातन दर्शन का जिक्र करते हुए याद दिलाया कि हजारों साल पहले हमारे ऋषियों-मनीषियों ने 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरा विश्व एक परिवार है.

श्री पंचगाम श्रीमाली सोनी समाज वडोदरा सिटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। बच्चों को ज़िंदगी में सबसे ऊँचा मुकाम दिलाने में पढ़ाई का अहम रोल होता है। बच्चों को पढ़ाई के मामले में बढ़ावा मिले, इसके लिए श्री पंचगाम श्रीमाली सोनी समाज वडोदरा सिटी ने वाघोडिया रोड पर मौजूद संखेड़ा दशालद भवन में समाज के ब्राइट स्टार्स के सम्मान में एक प्रोग्राम का आयोजन किया। इस प्रोग्राम में वडोदरा, डभोई, बोडेली, हलोल, पादरा और संखेड़ा समेत कई गाँवों के लीडर्स मौजूद थे। श्री पंचगाम सोनी समाज वडोदरा सिटी ने आज एक जनरल मीटिंग का आयोजन किया। जिसमें समाज के प्रेसिडेंट नागिनभाई एम. सोनी और मिनिस्टर राजेंद्रभाई बी. सोनी ने साल भर होने वाली अलग-अलग एक्टिविटीज़ और आने वाले प्रोग्राम्स की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। साथ ही, अगले साल के लिए एक नई कमेटी बनाई गई। इसके साथ ही, समाज के कोषाध्यक्ष और अखिल हिंद श्रीमाली सोनी महामंडल के सदस्य विपुलभाई रमेशचंद्र सोनी ने पिछले साल के अकाउंट्स का बजट पेश किया। इन सभी प्रस्तावों को लोगों के वोट से मंजूरी दी गई। समाज की एजुकेशन कमिटी की टीम, गौरांगभाई वी. सोनी (सह-कोषाध्यक्ष), धनश्यामभाई आर. सोनी (संगठन मंत्री), अनिलभाई बी. सोनी (सह-संगठन मंत्री) के साथ-साथ कमिटी के सदस्य जैमिनभाई, स्वप्नेशभाई, राकेशभाई, धवलभाई, राजनभाई, किरणभाई ने शिक्षा के क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने वाले सभी स्टूडेंट्स को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। 10वीं और 12वीं में पहला और दूसरा स्थान पाने वाले स्टूडेंट्स को किरणभाई आर. सोनी (रणछोड़राय ज्वेलर्स डभोई) ने सिल्वर मेडल दिए। इससे पहले, एजुकेशन कमिटी ने स्टूडेंट्स को रियायती दर पर किताबें और नोटबुक भी बांटी। कल्चरल कमिटी के कन्वीनर कुणालभाई के. सोनी और उनकी पूरी टीम की लीडरशिप और गाइडेंस में बच्चों ने अलग-अलग कल्चरल परफॉर्मेंस पेश कीं। समाज के स्टूडेंट्स और कुछ महिलाओं ने भी अलग-अलग परफॉर्मेंस पेश कीं। इस प्रोग्राम में समाज में हायर एजुकेशन हासिल कर ऊंचे पदों पर पहुंचे गणमान्य लोगों ने अपनी स्पीच में अपनी लाइफ स्टोरी बताई और समाज की नई पीढ़ी को एजुकेशन के मामले में प्रोत्साहित किया। साथ ही, युवाओं को हायर एजुकेशन हासिल करने के लिए इंस्पायरिंग स्पीच भी दी गई।

धान और रेत से भरे यमदूतों का आतंक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। घुटने से मौत हो गई। श्रावण मास के पहले सोमवार को मवेशियों की मौत से इलाके में काफी गुस्सा और आक्रोश एक्सीडेंट करने के बाद किलर डंपर का ड्राइवर फरार, सिस्टम की निष्क्रियता के खिलाफ स्थानीय लोगों में गुस्सा। डभोई: डभोई तालुका के कायावरोहन रोड पर परीखा गांव के बस स्टैंड के पास आज सुबह-सुबह एक बहुत ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। रेत से भरे एक लापरवाह डंपर ने सड़क किनारे शांति से बैठे बेजुबान मवेशियों पर जानलेवा खेल खेला। डंपर के किलर टायरों के नीचे कुचलकर एक गाय और दो मासूम बछड़ों की मौके पर ही मौत हो गई। पवित्र श्रावण महीने के पहले सोमवार को हुई इस दिल दहला देने वाली घटना की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई है, जिससे पूरे इलाके के गाय प्रेमियों, स्थानीय लोगों और गांववालों में बहुत गुस्सा और दुख है।मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह-सुबह जब परिखा गांव के बस स्टेशन के पास सड़क के एक तरफ मवेशी बैठे थे, तभी कायावारोहण की तरफ से पूरी स्पीड और लापरवाही से आ रहा एक अनजान डंपर मवेशियों को कुचलता हुआ निकल गया। हादसा इतना भयानक था कि टक्कर लगते ही तीनों मवेशी लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद बेरहम डंपर ड्राइवर अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय गांववालों के मुताबिक, यह डभोई-कायावारोहण रोड अब 'डेथ ज़ोन' बनता जा रहा है। यहां दिन-रात बिना किसी चेतावनी के क्षमता से ज़्यादा रेत से भरे ओवरलोडेड डंपर कानून को ताक पर रखकर बेरोकटोक दौड़ते हैं। ड्राइवरों की लापरवाही और तेज़ रफ़्तार की वजह से पहले भी कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई बार बेजुबान जानवर शिकार बन चुके हैं। फिर भी प्रशासन माइनिंग, मिनरल और रेत माफिया के इन डंपरों को नज़रअंदाज़ कर रहा है। इस खूनी घटना के बाद स्थानीय लोगों और गौभक्तों में प्रशासन के प्रति गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा है। गांव वाले अब सीधे सवाल उठा रहे हैं क्या पुलिस और ऋह्लह सिस्टम कभी इन वसूली करने वालों और लापरवाह डंपर ड्राइवरों के खिलाफ़ कोई सख्त एक्शन प्लान बनाएगा? क्या माइंस और मिनरल डिपार्टमेंट ओवरलोडेड गाड़ियों के खिलाफ़ सिर्फ़ कागज़ों पर कार्रवाई दिखाएगा? क्या ऐसे बेकाबू जानवर और बेगुनाह ड्राइवर सड़क पर मुसीबत बनते रहेंगे? स्थानीय लोगों की मांगों और उग्र आंदोलन की धमकी के बाद बड़ी संख्या में गांव वाले और गौपालक मौके पर जमा हो गए। उन्होंने मांग की है कि एक्सीडेंट करके भागे हुए लापरवाह डंपर ड्राइवर के खिलाफ तुरंत केस दर्ज किया जाए और CCTV फुटेज के आधार पर उसे पकड़कर कड़ी सज़ा दी जाए। इसके साथ ही, यह भी ज़ोर देकर कहा गया है कि पारीखा बस स्टैंड और कायावरोहन रोड पर तुरंत स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं और लापरवाह गाड़ियों की स्पीड पर हमेशा के लिए कंट्रोल किया जाए। गांव वालों ने यह भी धमकी दी है कि अगर अधिकारियों ने जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई नहीं की तो वे पूरे इलाके में ज़ोरदार आंदोलन करेंगे।

केमिकल वाली शराब के आरोपों से मधुपुरा में बढ़ी चिंता | **शराब-जुए के अड्डों पर सवाल**

मधुपुरा में खाकी की छत्रछाया में 'शराब, जुआ और ड्रग्स' का साम्राज्य:वहीवटदार ही लॉ एंड ऑर्डर बिगाड़ रहे हैं

अवैध धंधों के आरोपों के बीच पुलिस-प्रशासन से जवाब की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। मधुपुरा पुलिस स्टेशन एरिया अब क्राइम और गैर-कानूनी कामों का अड्डा बन गया है। गंभीर आरोप सामने आए हैं कि कानून लागू करने की जिम्मेदारी जिस पुलिस की है, वही लोगों के लिए शिकारी बन गई है। पुलिस इंस्पेक्टर Z. N. घसुरा और उनके कहे जाने वाले 'कमाऊ बेटे', वही एडमिनिस्ट्रेटर सुरेश चौधरी और क्राइम ब्रांच में काम करने वाले सब-वहीवटदार वेलजीभाई की मिलीभगत से पूरे इलाके में देसी-विदेशी शराब, जुआ और MD ड्रग्स का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है।

वसूली और खुली चुनौती

शराब तस्करों के मुताबिक, वहीवटदार सुरेश चौधरी देसी शराब के हर कैन पर एक तय कमीशन लेते हैं। दूसरे डिपार्टमेंट में काम करने के बावजूद, क्राइम ब्रांच के सुरेश चौधरी और वेलजीभाई करोड़ों रुपये के मधुपुरा पुलिस स्टेशन का वहीवटदार संभाल रहे हैं। ये कथित वहीवटदार अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर, PCB और DCP आदेशों को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं।

लोगों का गुस्सा: महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल

इलाके में खुलेआम बिक रही MD ड्रग्स और शराब की वजह से क्राइम का ग्राफ खतरनाक रूप से बढ़ गया है। सड़कों पर शराबी और असामाजिक तत्व आम हो गए हैं, जिसकी वजह से आने-जाने वाली महिलाओं और बहन-बेटियों से छेड़छाड़ की घटनाएं रोज़ की बात हो गई हैं। इसके अलावा, तिराहे पर जुआ और क्रिकेट सट्टे के सट्टेबाज बिना किसी डर के अपना काला धंधा चला रहे हैं।

हाई-लेवल जांच की मांग स्थानीय निवासी और पीड़ित नागरिक मांग कर रहे हैं कि

1. कथित वहीवटदार सुरेश चौधरी के CDR (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) और प्रॉपर्टी की निष्पक्ष जांच की जाए।

2. स्टेट मॉनिटरिंग सेल तुरंत मधुपुरा के सभी ठिकानों पर छापेमारी करे।

3. राज्य के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री इस मामले को गंभीरता से लें और PI Z. N. घसुरा और इसमें शामिल कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। ज़हरीले केमिकल से बनी केमिकल वाली शराब की बेकाबू बिक्री: मधुपुरा में एक और 'लट्ठा कांड' का डर अगर कल मधुपुरा में कोई हादसा होता है या बेगुनाह लोगों की बलि दी जाती है, तो इसके लिए सीधे तौर पर कौन ज़िम्मेदार होगा? खाकी की आड़ में काला धंधा वसूली में अंधा सिस्टम

केमिकल वाली जहरीली शराब और मौत का सामान: नागजी कलोलवाला जो केमिकल वाली देसी शराब पूरे मधुपुरा में सप्लाई कर रहा है, उससे कभी भी कोई बड़ा लट्ठा कांड हो सकता है। वह कमाई के लालच में खुलेआम लोगों की जान से खेल रहा है।

जिम्मेदारी से बचने का खेल: अगर कल कोई अनचाही घटना होती है या जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत होती है, तो इसकी जिम्मेदारी PI Z. N. घसौरा पर होगी, क्या वहीवटदार सुरेश चौधरी या पुलिस के बड़े अधिकारी इसे संभालेंगे?

करोड़ों का वहीवटदार और निष्क्रियता: शराब की हर कैन पर कमीशन लेकर लाखों रुपये कमाने वाले कथित वहीवटदार

और पुलिस ने इस खाकी की तरक्की पर काला धब्बा लगा दिया है।

महिलाओं की सुरक्षा और डर का माहौल: शराबियों और असामाजिक तत्वों की परेशानी के कारण स्थानीय निवासी और महिलाएं घरों से बाहर निकलने में भी डरती हैं। लोगों के रक्षक ही शराब तस्करों के रक्षक बन गए हैं। प्रशासन के सामने सीधे सवाल

1. क्या राज्य के गृह मंत्री और पुलिस कमिश्नर मधुपुरा में किसी बड़े रैकेट का इंतज़ार कर रहे हैं?

2. क्राइम ब्रांच में काम कर रहे वेलजीभाई और सुरेश चौधरी जैसे एडमिनिस्ट्रेटर के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?

3. स्टेट मॉनिटरिंग सेल इन ठिकानों पर रेड करके PI और बूटलेगर के बीच सांठगांठ का पर्दाफाश क्यों नहीं करती?

मधुपुरा में कहां-कहां गैर-कानूनी अड्डे चल रहे हैं? शेनाज की देसी शराब: धोबीघाट, दूधेश्वर

मानिया की देसी शराब: मधुपुरा

जयेश की देसी शराब: सब्जी मंडी

गलिया की देसी शराब: मारुति शोरूम के पास, गार्डन में

भाविन की देसी शराब: देसी और विदेशी (अंग्रेजी) शराब का हब

हंसा की देसी शराब: ईदगाह

नागजी कलोलवाला: मधुपुरा में होलसेल में केमिकल वाली देसी शराब सप्लाई करने का आरोप

सफाई अभियान की धज्जियां: गणपतपुरा गांव के बीच में कूड़े का पहाड़, डस्टबिन बनने के बाद आज तक सफाई नहीं हुई!

बदबू और मच्छरों के पनपने की जगह ने गांववालों का जीना मुश्किल कर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

करजण (वडोदरा). वडोदरा जिले के करजण तालुका के गणपतपुरा गांव से एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जो सरकारी योजनाओं और स्वच्छ भारत मिशन की सच्चाई सामने ला रही है। गांव के मेन चौराहे के बीच में बना बड़ा डस्टबिन अब गंदगी और बदबू की फैक्ट्री बन गया है। स्थानीय लोगों का गंभीर आरोप है कि प्रशासन ने बनने के बाद से एक बार भी इस डस्टबिन की सफाई नहीं की है!

सफाई के नाम पर ज़ीरो और महामारी

गांव के बीच में इस डस्टबिन में महीनों से जमा हो रहा कचरा अब सड़ रहा है। प्लास्टिक, कचरा और गंदगी की वजह से आसपास के इलाके में इतनी भयानक बदबू

फैल रही है कि लोगों का घरों में रहना और सांस लेना मुश्किल हो गया है। मानसून और गर्मी के मौसम में सड़े हुए कचरे पर मच्छर, मक्खियां और आवारा जानवर जमा हो जाते हैं। जिससे पूरे गांव में डेंगू, मलेरिया और उल्टी-जी मिचलाने जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। सरकार सफाई पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन गणपतपुरा में हकीकत बिल्कुल उलटी है। स्थानीय लोग गुस्से में सवाल पूछ रहे हैं क्या शासकों और ग्राम पंचायत ने यह डस्टबिन गांव में सफाई बनाए रखने के लिए बनवाया था या सिर्फ कचरा इकट्ठा करके बीमारी फैलाने के लिए? डस्टबिन बनाने और उसे भूल जाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों और सफाई ठेकेदारों पर कार्रवाई कब होगी? क्या सिस्टम के नींद से जागने से पहले कोई बड़ी महामारी फैल जाएगी या किसी की जान चली जाएगी? गणपतपुरा और आसपास के ग्रामीणों की एक ही मांग है कि तालुका पंचायत, ग्राम पंचायत और जिम्मेदार अधिकारी इस सड़े हुए कचरे को फेंकने के लिए तुरंत JCB या ट्रैक्टर लगाएं। इसके साथ ही, हर हफ्ते डस्टबिन की रेगुलर सफाई का पक्का इंतजाम किया जाए। अगर अधिकारियों ने जल्द से जल्द सफाई अभियान शुरू नहीं किया तो गांव वाले पंचायत ऑफिस के सामने इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

रानिप में अजय साल्वी की बेरहमी से हत्या का मामला: पुलिस ने बड़ा ऑपरेशन शुरू किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के रानिप इलाके में अजय साल्वी नाम के युवक की बेरहमी से और दिल दहला देने वाली हत्या के सनसनीखेज मामले में रानिप पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस खूनी खेल को खेलने वाले और सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से इस जुर्म में शामिल 8 आरोपियों को पकड़ लिया है। हालांकि, इस हत्या के मुख्य मास्टरमाइंड समेत 8 हिंसक साथी अभी भी फरार हैं, इसलिए पुलिस ने उन्हें पकड़ने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपियों का पहले मृतक अजय साल्वी से झगड़ा हुआ था। इसी पुरानी दुश्मनी के ज़हर को ध्यान में रखते हुए मुख्य आरोपी अंकित परमार ने अजय साल्वी को मारने की एक भयानक साज़िश रची। अंकित परमार अपने साथ 10 से ज़्यादा हथियारबंद और घमंडी आदमियों का ग्रुप लाया था और अचानक अजय साल्वी पर हमला कर दिया और उसे लहूलुहान करके मार डाला। इस घटना से पूरे राणिप इलाके में बहुत डर और दहशत फैल गई। हत्या की इस सनसनीखेज साज़िश को तूफ़ान की तरह अंजाम देने के बाद आरोपी पुलिस से बचने के लिए टेंपो में सवार होकर भाग निकले। सभी आरोपी मेहसाणा रोड पर छत्राल GIDC के अंधेरे कोनों में छिप गए। हालांकि, राणिप पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस और मुखबिरों का नेटवर्क एक्टिवेट करके छत्राल GIDC से 8 लोगों को पकड़ लिया है।

संस्कृत होम्स के कॉमन प्लॉट पर बिल्डरों के कब्ज़े के खिलाफ़ लोगों में गुस्सा, कलेक्टर को अर्ज़ी दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। खेड़ा ज़िले में संस्कृत होम्स सोसाइटी के बिल्डरों की दादागिरी और ज़मीन हड़पने की भयानक साज़िश का पर्दाफ़ाश हुआ है। यह पूरा मामला अब गंभीर आरोपों के साथ गरमा गया है कि बिल्डर मुकेश प्रजापति और प्रीतेश पटेल ने सोसाइटी के लोगों के हक़ और सुविधाओं के बराबर कॉमन प्लॉट पर गैर-कानूनी कब्ज़ा कर लिया है। बिल्डरों की इस मनमानी और जुल्म से नाराज़ होकर संस्कृत होम्स के लोग इकट्ठा होकर खेड़ा डिस्ट्रिक्ट कलेक्टरेट पहुँचे और अर्ज़ी दी। मिली जानकारी के मुताबिक, संस्कृत होम्स सोसाइटी बनाते समय, रजिस्टर्ड प्लान के हिसाब से निवासियों के पब्लिक इस्तेमाल, बच्चों के खेलने और सोशल इवेंट्स के लिए एक कॉमन प्लॉट दिया गया था। सोसाइटी के घर बिकने और निवासियों के रहने आने के बाद, बिल्डर मुकेश प्रजापति

और प्रीतेश पटेल की साख खराब हो गई। निवासियों का आरोप है कि इन दोनों बिल्डरों ने पावर और पैसे के दम पर कॉमन प्लॉट पर गैर-कानूनी कब्जा कर लिया है और अपने मतलब के लिए इसका गलत इस्तेमाल करने की प्लानिंग कर रहे हैं। अपनी मेहनत की कमाई खर्च करके घर खरीदने वाले निवासी अब कानूनी लड़ाई के मूड में हैं। कलेक्टर ऑफिस पहुंचे निवासियों ने तीखे सवाल उठाए हैं क्या खेड़ा जिला प्रशासन लैंड ग्रैबिंग एक्ट के तहत लैंड माफिया और मनमानी करने वाले बिल्डरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा? अपने हक के लिए आवाज उठाने वाले आम नागरिकों को इंसाफ कब मिलेगा? सख्त कार्रवाई और कब्जा छुड़वाने की मांग संस्कृति होम्स के निवासियों ने एक याचिका दायर कर साफ तौर पर मांग की है कि कलेक्टर प्रशासन इस पूरे मामले में तुरंत एक निष्पक्ष जांच कमेटी बनाए। प्लॉट पर गैर-कानूनी कब्जा करने वाले बिल्डर मुकेश प्रजापति और प्रीतेश पटेल के खिलाफ केस दर्ज किया जाए और कॉमन प्लॉट को बिल्डरों के कब्जे से छुड़ाकर सोसायटी के निवासियों को सौंपा जाए। निवासियों ने यह भी धमकी दी है कि अगर बिल्डरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में गांधी चिंध्या मार्ग पर एक उग्र आंदोलन किया जाएगा।

SP बनकर नहीं, भाई बनकर सूदखोरों को उनके चंगुल से बचाया: SP प्रेमसुख डेलू ने सूदखोरों पर जमकर प्रहार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। सुरेंद्रनगर जिले के पुलिस चीफ प्रेमसुख डेलू ने सुरेंद्रनगर जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और गरीब व मिडिल क्लास लोगों को सूदखोरी के चंगुल से मुक्ति दिलाने के लिए सूदखोरों के खिलाफ जोरदार अभियान चलाकर एक मिसाल कायम की है। SP प्रेमसुख डेलू की लीडरशिप में पुलिस ने सूदखोरों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को 8 करोड़ रुपये से ज़्यादा की चल-अचल प्रॉपर्टी वापस दिलाई है, जबकि पिछले एक साल में ही 123 तोला से ज़्यादा सोना सूदखोरों के चंगुल से छुड़ाकर असली मालिकों को सौंपा गया है। इस कैंपेन के तहत, जब पुलिस ऑफिस में सूदखोरों से ज़ब्त किया गया सोना और प्रॉपर्टी के कागज़ात उनके असली मालिकों को सौंपे जा रहे थे, तो एक बहुत ही दिल को छू लेने वाली घटना हुई। सूदखोरों के चंगुल में फंसे एक परिवार की लड़की को जब उसके घर में गिरवी रखे सोने के गहने सही-सलामत वापस मिले, तो उसकी आँखों में खुशी के आँसू आ गए। लड़की बहुत इमोशनल हो गई और उसने SP प्रेमसुख डेलू से पूछा, 'सर, आपने हमारे परिवार को बचाया है, तो क्या मैं इस रक्षाबंधन पर आपको राखी बाँधने आ सकती हूँ?' लड़की की ये दिल को छू लेने वाली बातें सुनकर पुलिस ऑफिस में मौजूद सभी लोगों की आँखें नम हो गईं।

अंजू मासी ने अजवा चौकड़ी के पास पैसे वसूल रहे एक युवक को बीच सड़क पर धोया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा के बिज़ी अजवा चौकड़ी इलाके में आज एक हाई-वोल्टेज ड्रामा और हैरान करने वाली घटना सामने आई है। एक नकली ट्रांसजेंडर युवक जो ट्रांसजेंडर का भेष बनाकर भोले-भाले गाड़ी चलाने वालों और व्यापारियों से पैसे ऐंठ रहा था, उसे असली ट्रांसजेंडर ने सबके सामने पकड़कर सबक सिखाया। ट्रांसजेंडर कम्युनिटी की जानी-मानी सदस्य अंजू मासी मौके पर पहुंचीं और इस नकली ट्रांसजेंडर को बीच सड़क पर रोककर लोगों से मांगे गए सारे पैसे लौटा दिए और उसका कान पकड़कर माफी भी मांगी। साड़ी पहनकर रंगरेलियां मनाते पकड़ा गया युवक मिली जानकारी के मुताबिक, साड़ी पहने, चेहरे पर मेकअप लगाए और ट्रांसजेंडर का भेष धारण किए एक युवक अजवा चौकड़ी के पास सड़क पर आने-जाने वाले लोगों को रोककर बिना किसी झिझक के पैसे वसूल रहा था। जब आसपास के लोगों को युवक की बोलचाल और हरकतों पर शक हुआ तो उन्होंने हंगामा कर दिया। स्थानीय लोगों को यकीन हो गया कि यह असली ट्रांसजेंडर नहीं बल्कि नकली भिखारी है जो ट्रांसजेंडर के नाम पर लोगों को लूट रहा है। इसलिए गुस्साए लोगों ने तुरंत स्थानीय असली ट्रांसजेंडर लीडर अंजू मासी को इस बारे में बताया।

अंजू मासी का रौद्र रूप, नकली ट्रांसजेंडर को धो डाला

घटना का पता चलते ही अंजू मासी अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचीं। नकली ट्रांसजेंडर को अपनी पहचान और समाज को बदनाम करते देख अंजू मासी को गुस्सा आ गया। उन्होंने युवक को सबके सामने पकड़ लिया और असली ट्रांसजेंडर को धो डाला। अंजू मासी ने सबके सामने नकली ट्रांसजेंडर युवक से हाथ जोड़कर माफी मांगी थी। इतना ही नहीं, उसने लोगों से ज़बरदस्ती वसूले सारे पैसे भी मौके पर ही लौटा दिए थे। बीच सड़क पर हुए इस हाई-वोल्टेज ड्रामे की वजह से अजवा चौकड़ी पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी और ट्रैफिक जाम लग गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए लोकल पुलिस का काफ़िला भी तुरंत मौके पर पहुंचा। असली ट्रांसजेंडरों ने भी पुलिस के खिलाफ़ अपना गुस्सा ज़ाहिर किया और कहा कि ऐसे नकली लोग ट्रांसजेंडर समुदाय को बदनाम कर रहे हैं और लोगों को धोखा दे रहे हैं। पुलिस ने पूरे मामले में शांति स्थापित कर दी है और नकली ट्रांसजेंडर युवक के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई की है।

80 हज़ार से ज़्यादा CCTV कैमरे एक ही नेटवर्क से जुड़ेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। पुलिस ने स्मार्ट और प्रोएक्टिव पुलिसिंग की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए 'गुजरात पुलिस इनोवेशन चैलेंज 2026' के तहत देश का सबसे बड़ा CCTV इंटीग्रेशन और AI-बेस्ड हैकाथॉन ऑर्गनाइज़ किया है। राज्य पुलिस चीफ जी.एस. मलिक की गाइडेंस में होने वाले इस हैकाथॉन में देश भर के इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स, टेक्नोलॉजी कंपनियां, डेवलपर्स और रिसर्चर्स हिस्सा ले सकेंगे। हैकाथॉन का मुख्य मकसद एक ऐसा स्केलेबल और सिक्योर पब्लिक सेफ्टी इकोसिस्टम बनाना है जो अलग-अलग वेंडर्स, VMS प्लेटफॉर्म्स और नेटवर्क्स पर चल रहे CCTV कैमरों को इंटीग्रेट करके राज्य में 80 हज़ार से ज़्यादा कैमरों के साथ काम कर सके।

झगड़िया में राजपारडी से GMDC तक की सड़क कीचड़ और कीचड़ के बीच बहुत खतरनाक हो गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। ज़िले के झगड़िया तालुका में राजपारडी से GMDC तक की बहुत ज़रूरी मुख्य सड़क अब प्रशासन की बड़ी अनदेखी और लापरवाही की वजह से सड़क की जगह कीचड़ और कीचड़ के दलदल में बदल गई है। रोज़ाना सड़क से लिग्नाइट और मिनरल से भरे भारी ओवरलोडेड डंपरों की लगातार भीड़ और बारिश के पानी की वजह से डामर अपनी शक्ल खो चुका है और कमर तक कीचड़ और पानी से भरे बड़े-बड़े गड्डें हर जगह फैल गए हैं। भारी गाड़ियों के टायरों के गहरे खांचे और चिपचिपी मिट्टी की वजह से छोटे चार पहिया वाहन और बाइक सवार बीच में फंस रहे हैं, जिससे हादसों की बाढ़ आ गई है, जिससे स्थानीय लोगों और गाड़ी चलाने वालों में बहुत गुस्सा है। सबसे चिंता की बात यह है कि इसी टूटी-फूटी सड़क पर एक सरकारी अस्पताल है, जहाँ आस-पास के ग्रामीण इलाकों से सैकड़ों गरीब और आम मरीज़ इलाज के लिए आते हैं। सड़क की इतनी खराब और खतरनाक हालत के कारण कोई भी प्राइवेट गाड़ी या ऑटो रिक्शा वाला यहाँ आने को तैयार नहीं है। इमरजेंसी के समय में मरीज़ों को अस्पताल ले जाना बहुत मुश्किल हो जाता है, वहीं दूसरी तरफ़, जब मरीज़ और उनके रिश्तेदार इलाज के बाद शाम को अस्पताल से डिस्चार्ज होते हैं, तो उन्हें घर लौटने के लिए कोई गाड़ी न मिलने पर घंटों भटकना पड़ता है। बेबस मरीज़ों और गर्भवती महिलाओं को इस कीचड़ और गड्डें वाली सड़क से अपनी जान जोखिम में डालकर गुज़रना पड़ता है।

अंबाजी सरकारी अस्पताल में बाहर से दवा लिखने का आरोप, मरीजों में नाराजगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। आरोप लग रहे हैं कि तीर्थ नगरी अंबाजी के कॉटेज अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को सरकारी दवाइयां काफी मात्रा में नहीं दी जा रही हैं और कुछ दवाएं बाहर के मेडिकल स्टोर से खरीदने के लिए लिखी जा रही हैं। अंबाजी का कॉटेज अस्पताल सरकारी लिस्ट में सरकारी अस्पताल के तौर पर रजिस्टर्ड है। मरीज़ों और उनके परिवारों के मुताबिक, सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले लोग उम्मीद करते हैं कि उन्हें मुफ्त में या सरकारी स्कीम के तहत मिलने वाली दवाएं मिलेंगी। हालांकि, आरोप लग रहे हैं कि कुछ इलाज के दौरान उन्हें ज़रूरी दवाएं बाहर से खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। शिकायतें हैं कि बाहर से महंगी दवाएं खरीदने का एक्स्ट्रा खर्च एक प्रॉब्लम बन रहा है, खासकर तीर्थयात्रियों और नॉर्मल फाइनेंशियल स्टेटस वाले मरीज़ों के लिए। मरीज़ पूछ रहे हैं कि अगर अस्पताल में ज़रूरी दवाएं नहीं मिल रही हैं तो इसकी क्या वजह है? क्या दवाओं का स्टॉक काफी मात्रा में नहीं है या मरीजों को किसी और एडमिनिस्ट्रेटिव वजह से बाहर से दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं? इस बारे में अस्पताल एडमिनिस्ट्रेशन से सफाई मांगी गई है। कुछ मरीज़ों का यह भी कहना है कि पहले सरकारी अस्पतालों से दवाएँ ज़्यादा मात्रा में मिल जाती थीं, जबकि अब उन्हें बाहर से दवाएँ लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस वजह से मरीज़ों को लग रहा है कि रिक्शा का किराया, दवाइयों की कीमत और दूसरे खर्चों की वजह से सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने का मकसद प्रभावित हो रहा है।

एक तरफ देश पर 180 लाख करोड़ का कर्ज़ है और सरकारी स्कूल बंद हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। देश आज एक अजीब और चिंताजनक उलझन से गुज़र रहा है। एक तरफ केंद्र सरकार का कुल कर्ज़ 2014 के ?58.6 लाख करोड़ से बढ़कर आज लगभग ?180 लाख करोड़ के ऐतिहासिक लेवल पर पहुँच गया है, प्रधानमंत्री के विदेश दौरों की वजह से सरकार को ?2,500 करोड़ से ज़्यादा का चूना लगा है, और गांवों के सरकारी स्कूल सुविधाओं की कमी की वजह से बंद होने की नौबत का सामना कर रहे हैं। दूसरी तरफ, सत्ताधारी पार्टी RSS, BJP और उसके संगठनों का चंदा और देश के कोने-कोने में बने कॉर्पोरेट स्टाइल के हाई-टेक ऑफिस का डेवलपमेंट रॉकेट स्पीड से हो रहा है। यह हालत देखकर आम नागरिक अब खुलकर सवाल कर रहा है कि देश में डेवलपमेंट जनता के लिए हो रहा है या सिर्फ राजनीतिक संगठनों के लिए? सरकारी स्कूलों की दयनीय हालत आज किसी से छिपी नहीं है। एक तरफ, टीचर, पीने के पानी और टॉयलेट की कमी के कारण सरकारी स्कूल बंद या मर्ज किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ, देश के हर जिले में करोड़ों की लागत से रातों-रात BJP के मल्टी-स्टोरी, AC वाले और आलीशान ऑफिस बन गए हैं। गरीब और मिडिल क्लास के बच्चों की पढ़ाई का लेवल गिर रहा है, लेकिन राजनीतिक पार्टियों का फंड और उनकी दौलत हजार गुना बढ़ रही है। आर्थिक आंकड़े बताते हैं कि आज देश के हर नागरिक पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। महंगाई और तस्ञ्ज से परेशान आम लोग पेट्रोल, डीजल और खाने-पीने की चीजों पर भारी टैक्स दे रहे हैं। अगर देश इंफ्रास्ट्रक्चर और CapE& के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है, तो हल्की बारिश में नेशनल हाईवे क्यों बह जाता है? अगर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी एजुकेशन और हेल्थ सेक्टर प्राइवेट माफियाओं के हाथों में जा रहा है, तो जनता की मेहनत की कमाई कहां जाती है? क्या देश की दौलत और सरकारी खजाने का इस्तेमाल लोगों की बेसिक सुविधाएं बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए या पॉलिटिकल ऑर्गनाइजेशन को बढ़ाने और विदेशी दौरों की चमक-दमक के लिए? सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को वर्ल्ड-क्लास बनाने के बजाय, शासक सिर्फ अपनी पार्टियों के लिए बड़ी फंडिंग और हेडक्वार्टर बनाने में क्यों बिज़ी हैया है.

जावरा में लायन्स क्लब ने स्वतंत्रता दिवस को 'सेवा पर्व' के रूप में मनाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जावरा। लायन्स क्लब जावरा द्वारा इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस को एक विशेष 'सेवा पर्व' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देशप्रेम और समाज सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में क्लब के सचिव ला. संदीप रांका, कोषाध्यक्ष ला. विपिन चौरडिया, पूर्वाध्यक्ष ला. रमेश मेहता, ला. अनिल धारीवाल, ला. विजय पामेचा, ला. अनिल काला, ला. अरुण संघवी, ला. सजी वर्गिस, ला. अशोक सेठिया, ला. रजनीकांत शाह, ला. राकेश एम. कोच्चटा, ला. मुस्तफा सेफ, ला. अनूप शर्मा, ला. देवेंद्र शर्मा (नियति), ला. विशाल चत्तर, ला. राकेश पी. कोच्चटा, ला. संजय चपडोद, ला. मनीष कोचर, ला. प्रतीक सावनसुखा, ला. संदीप दसेडा, ला. नरेंद्र विनायका, ला. नरेन्द्र संघवी, ला. विजय राठौड़, ला. रजत सोनी, ला. यश सकलेचा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और लायन्स परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

नडियाद-अहमदाबाद हाईवे पर देवकी वंसोल के पास 10 फुट गहरा और 3 फुट चौड़ा सिंकहोल गिर गया

10 फुट गहरा और 3 फुट चौड़ा सिंकहोल देखकर गाड़ी चलाने वाले हैरानः पानी की लाइन लीकेज की वजह से सड़क का एक हिस्सा बंद, MLA की एक्टिविटी के बाद JCB से काम शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद/अहमदाबाद। नडियाद-अहमदाबाद हाईवे पर देवकी वंसोल बोर्डवॉक के पास आज दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। इस बहुत बिज़ी हाईवे पर अचानक एक बहुत बड़ा सिंकहोल गिरने से अफरा-तफरी मच गई। इस 10 फुट गहरे और 3 फुट चौड़े सिंकहोल को देखकर सड़क से गुज़र रहे गाड़ी चलाने वाले हैरान रह गए। अगर वे ज़रा सी भी झलक चूक जाते, तो बड़ी जान का नुकसान हो सकता था। लीकेज पाइपलाइन और बंद सड़क स्थानीय लोगों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, सड़क के नीचे से गुज़र रही पानी की पाइपलाइन में भयानक लीकेज होने की वजह से ज़मीन अंदर से धंस गई और इसी वजह से यह बड़ा लैंडस्लाइड हुआ। लैंडस्लाइड की गंभीरता को देखते हुए, प्रशासन ने तुरंत हाईवे के एक तरफ़ को ट्रैफ़िक के लिए बंद कर दिया है। जैसे ही स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की जानकारी स्थानीय ख्र्रको दी, तुरंत एक मशीन बुलाई गई और लैंडस्लाइड को भरने और ठीक करने का काम शुरू किया गया। हालांकि, जैसे ही यह लैंडस्लाइड हुआ, जनता ने रोड्स एंड हाउसिंग डिपार्टमेंट के खराब काम को लेकर तीखे सवाल पूछने शुरू कर दिए हैं

नई बनी सड़क इतनी जल्दी क्यों गिर गई?

क्या सड़क बनाने के दौरान खराब क्वालिटी का मटीरियल और सामान इस्तेमाल किया गया था या लैंडस्लाइड ने हाईवे पर पक्का घर बना लिया है? करोड़ों की लागत से बनी सड़कों में पाइपलाइन लीकेज और सड़क की मज़बूती की जांच पहले से क्यों नहीं की जाती? रोड्स एंड हाउसिंग डिपार्टमेंट से जागने की मांग स्थानीय गांववाले और गाड़ी चलाने वाले ज़ोरदार मांग कर रहे हैं कि रोड्स एंड हाउसिंग डिपार्टमेंट मानसून खत्म होने का इंतज़ार करने के बजाय अभी जाग जाए और हाईवे पर सभी खराब सड़कों और गड्डें का पक्का और अच्छी क्वालिटी का समाधान करे। अगर भविष्य में ऐसे गड्डें की वजह से कोई हादसा होता है, तो उसका ज़िम्मेदार कौन होगा?

अहमदाबाद के कालूपुर रेलवे स्टेशन पर ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंसे जोधपुर के दो नाबालिगों को बड़ी कामयाबी

RPF जवानों की सतर्कता से कर्नाटक जाने का मास्टर प्लान नाकाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कालूपुर। बैंगलोर के दो युवकों को शादी का झांसा देकर किडनैप किया गयाः ट्रेन से मोबाइल फोन फेंककर नकली ID कार्ड बनवाए, कालूपुर स्टेशन को शक हुआ और RPF ने दोनों नाबालिगों को रिहा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया! रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के बहादुर जवानों ने अहमदाबाद के कालूपुर रेलवे स्टेशन पर सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग के ज़रिए नाबालिगों को किडनैप करने की एक इंटर-स्टेट साजिश का पर्दाफाश किया है। राजस्थान के जोधपुर से किडनैप किए गए दो मासूम नाबालिगों को कर्नाटक ले जाने से पहले कालूपुर स्टेशन से सफलतापूर्वक बचा लिया गया है। इसके साथ ही, नाबालिगों को शादी का झूठा वादा करके बहलाने वाले बैंगलोर के दो युवकों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह काला खेल ऑनलाइन गेमिंग से शुरू हुआ था। मिली जानकारी के मुताबिक, राजस्थान के जोधपुर के दो नाबालिगों की जान-पहचान ऑनलाइन गेमिंग खेलते समय बैंगलोर के दो आदमियों से हुई थी। बातचीत बढ़ने पर आरोपियों ने नाबालिगों को प्यार के जाल में फंसाया और शादी के बड़े-बड़े वादे किए। आरोपियों ने एक

मास्टर प्लान तैयार किया था और दोनों नाबालिगों को उनके घरों से भगाकर कर्नाटक ले जाने का प्लान बनाया था। पुलिस की पकड़ से बचने के लिए आरोपियों ने नाबालिगों के मोबाइल फोन चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिए और उनके नाम से नकली द्वष्ठ कार्ड भी बनवा लिए ताकि किसी को उन पर शक न हो।

RPF जवानों की पैनी नज़र और सफल ऑपरेशन

जब आरोपी नाबालिगों को लेकर कालूपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे, तो RPF जवानों को उनकी हरकतों और मूवमेंट पर शक हुआ। जवानों ने तुरंत कड़ी पूछताछ की और आरोपी बरी हो गए। जांच में पता चला कि दोनों लड़कियां नाबालिग थीं जो जोधपुर से लापता हो गई थीं और राजस्थान में उनके किडनैपिंग का केस भी दर्ज था। RPF की सतर्कता और अलर्टनेस की वजह से बैंगलोर से आए दोनों किडनैपर का मास्टर प्लान कालूपुर स्टेशन पर ही फ्लॉप शो हो गया। प्रशासन के सामने गंभीर सवाल और माता-पिता के लिए रेड लाइट इस सनसनीखेज मामले ने एक बार फिर सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग के ज़रिए फैले काले जाल पर सवाल खड़े कर दिए हैं ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर मासूम बच्चों और नाबालिगों को निशाना बनाने वाले ऐसे साइबर अपराधियों पर सख्त कानूनी सज़ा कब होगी? क्या माता-पिता अपने बच्चों के स्मार्टफोन और ऑनलाइन एक्टिविटीज़ पर पूरा ध्यान दे रहे हैं? फिलहाल, RPF दोनों नाबालिगों को सुरक्षित बचाकर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी और जोधपुर ुलिस को सौंपने की प्रक्रिया में है, जबकि बेंगलुरु के दो गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ किडनैपिंग और जालसाजी जैसी गंभीर धाराओं के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

करोड़ों रुपये टोल वसूलने के बाद भी गाड़ी चलाने वालों की कमर दर्द हो रही है, खराब नेशनल हाईवे में गुजरात देश में नंबर 1 है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। इस मॉनसून ने सरकार के उन खोखले वादों की पोल खोल दी है, जिसमें 'सुपर फास्ट स्पीड' और 'रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने' के बड़े-बड़े दावे किए गए थे। करोड़ों रुपये टोल टैक्स वसूलने के बाद भी गाड़ी चलाने वालों को सिर्फ़ गड्डें , ट्रैफिक और कमर दर्द का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों की स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट के मुताबिक, खराब और डैमेज्ड नेशनल हाईवे की लंबाई के मामले में गुजरात पूरे देश में पहले नंबर पर आ गया है। अभी, गुजरात में 408 द्वद्व नेशनल हाईवे बहुत खराब और खराब हालत में हैं, जो देश भर के सभी राज्यों में सबसे ज़्यादा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सिर्फ़ 2 साल में खराब सड़कों की लंबाई 12 गुना बढ़ गई है। जनता अब अच्छी तरह समझ रही है कि करोड़ों रुपये का

बजट और ग्रांट आखिर किस गड्डें में जा रहा है। वर्ल्ड-क्लास एक्सप्रेसवे का सपना लेकर शुरू हुआ मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेसवे अभी पूरी तरह चालू भी नहीं हुआ है, और वडोदरा से सूरत के बीच सड़क पर बड़े-बड़े गड्डें हो गए हैं। करोड़ों की लागत से बनी RCC (सीमेंट-कंक्रीट) सड़क पर डामर का ढेर लगाकर गड्डें को भरने का मज़ेदार और घटिया खेल चल रहा है। हमेशा बेहतरीन सड़क नेटवर्क का दावा करने वाले केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मामूली बारिश में ही इस मॉडल की कमियों को उजागर कर दिया है। रोज़ाना वसूले जा रहे आधे-अधूरे टोल टैक्स के बावजूद, गाड़ी चलाने वाले अपनी जान जोखिम में डालकर गाड़ी चलाने को मजबूर हैं। क्या करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार की वजह से ही ये सड़कें बारिश में बह जाती हैं? RCC सड़कों पर डामर से भरे ये गड्डें कितने दिन टिकेंगे? क्या घटिया काम करने वाले भ्रष्ट ठेकेदारों और अधिकारियों पर कभी बुलडोजर चलेगा या सिर्फ कागजों पर नोटिस देकर मामला निपटा दिया जाएगा? स्थानीय वाहन चालक और जागरूक नागरिक अब गुस्से में सवाल उठा रहे हैं कि अगर टैक्स पूरा वसूला जा रहा है, तो सुविधा के नाम पर यह गड्डें का राज क्यों? अगर प्रशासन ने इस स्टैंडर्ड नेशनल हाईवे को तुरंत ठीक नहीं किया, तो टोल प्लाजा पर जनता का गुस्सा फूटना तय है।

सच पर सेंसरशिप या क्रांति का डर? सरकारी स्कूलों में मीडिया की एंट्री पर बैन से गंभीर सवाल

अहमदाबाद/गांधीनगर। खुद को 'वर्ल्ड गुरु' और 56 इंच के सीने वाली मज़बूत सरकार कहने वाले हुक्मरानों के दिलों में अब ऐसा कौन सा डर बैठ गया है, यह एक बड़ा सवालिया निशान बन गया है। सरकारी स्कूलों के अंदर मीडिया की एंट्री पर रोक लगाकर या पत्रकारों को कैमरे के साथ अंदर जाने से रोककर सिस्टम आखिर क्या छिपाना चाहता है? क्या यह डर है कि दशकों से पिट रहे 'गुजरात मॉडल' और एजुकेशन सेक्टर में क्रांतिकारी बदलावों के बड़े-बड़े वादों के पीछे पिघलती छतें, टूटी बेंचें और टीचरों की कमी का कड़वा आईना होगा?

जेन अल्फा की अवेयरनेस और सोशल मीडिया का डर

आज के टेक्नोलॉजी के ज़माने में जेन अल्फा

(आज के बच्चे और युवा) अपने हक और सुविधाओं को लेकर बहुत ज़्यादा अवेयर हैं। स्कूलों में पीने के पानी की दिक्कत हो, टॉयलेट टूटा हो या बिना पंखे के क्लासरूम में तपते बच्चे हों—युवा स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के ज़रिए मिनटों में सिस्टम की पोल खोल रहे हैं। जब मीडिया और युवा पीढ़ी के ये कैमरे अब सरकार के दावों की पोल खोल रहे हैं, तो ट्रांसपेरेंसी लाने के बजाय स्कूलों के दरवाज़े मीडिया के लिए बंद करने का यह फ़ैसला सिस्टम की कमज़ोरी को ही दिखाता है। अगर लोकतंत्र के चौथे पिलर मीडिया के सरकारी स्कूलों में आने पर रोक लगा दी जाएगी, तो सरकारी स्कूलों की बदहाली और गरीब बच्चों की पढ़ाई की दिक्कतों को देश के सामने कौन लाएगा? अगर स्कूलों में सच में कोई बड़ा बदलाव हुआ है, तो उसे कैमरे के सामने लाने से क्यों डर लग रहा है? क्या मीडिया पर ब्रेक लगाकर एजुकेशन सेक्टर में गंभीर लापरवाही और भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश हो रही है? एडमिनिस्ट्रेटिव कमियों को ठीक करने के बजाय सच सामने लाने वाली आवाज़ों को दबाने का खेल कब तक चलेगा? राज्य के रखवाले और जागरूक नागरिक अब यह साफ़ तौर पर मानने लगे हैं कि सच छिपाने से दिक्कतें खत्म नहीं होतीं। अगर सिस्टम को अपने 'डेवलपमेंट' पर भरोसा है, तो उसे मीडिया और जनता के लिए सभी दरवाज़े खुले रखकर ट्रांसपेरेंसी साबित करनी होगी।

श्रावण मास में झालोद में शिवमय माहौलः श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव का आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। झालोद श्रावण मास के पवित्र दिनों और शिव पूजा के विशेष महत्व पर, झालोद महिला सुंदरकांड मंडल द्वारा धार्मिक आस्था और भक्ति के साथ श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव का आयोजन किया गया है। तारीख 16 अगस्त 2026, रविवार से 22 अगस्त 2026, शनिवार तक, इस धार्मिक उत्सव में भक्तों को श्री शिव महापुराण की कथा सुनाई जाएगी। यह कथा पूज्य गुरुदेव श्री विष्णुकांतजी महाराज (श्रीधाम वृंदावन) के पावन मुख से सुनाई जा रही है। हर दिन दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक भक्त शिव महापुराण कथा सुनेंगे और आध्यात्मिक लाभ उठाएंगे। कथा महोत्सव के पहले दिन गीता मंदिर से एक भव्य कलश यात्रा और पोथी यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में भक्त, जिनमें श्रद्धालु महिलाएं भी शामिल थीं, धार्मिक भावना के साथ यात्रा में शामिल हुए। भजन-कीर्तन और जयघोष के साथ निकली इस यात्रा ने झालोद में भक्तिमय माहौल बना दिया। पवित्र पोथी को जुलूस के रूप में कथा स्थल पर ले जाया गया और औपचारिक पूजा के बाद सात दिन की शिव महापुराण कथा शुरू हुई। शिव महापुराण को हिंदू धर्म के अठारह महापुराणों में से एक माना जाता है। इसमें भगवान महादेव की महिमा, शिव-पार्वती का विवाह, गणेशजी और कार्तिकेयजी की घटनाएं, शिव भक्ति, ज्योतिर्लिंग, व्रत, पूजा, धर्म, अच्छा आचरण और भगवान शिव के विभिन्न रूपों के बारे में बताया गया है। पारंपरिक रूप से, माना जाता है कि मौजूदा शिव पुराण में लगभग 24,000 श्लोक और सात संहिताएँ हैं।

तीसरी-चौथी रेल पटरी के नवीन सर्वे मार्ग का विरोध, राज्यपाल श्री गहलोत को सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। नागदा के समीप प्रस्तावित तीसरी एवं चौथी रेल पटरी के नवीन सर्वे मार्ग को लेकर क्षेत्र के किसानों, ईंट भट्ठा संचालकों, श्रमिकों एवं व्यापारियों में बढ़ती चिंता के बीच नागदा जनहित समिति ने 17 अगस्त 2026 को राज्यपाल श्री थावरचंद जी गहलोत को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि रेलवे की सर्वे टीम द्वारा नवीन कृषि उपज मंडी नागदा की ओर से पहले गेट से रतन्याखेड़ी रोड, बेरछा रोड, जूना नागदा एवं गिंदवानिया होते हुए स्टेट हाईवे-17 स्थित गुरुकृपा ढाबे के समीप तक नवीन सर्वे निशान लगाए गए हैं। नए सर्वे मार्ग के सामने आने के बाद प्रभावित क्षेत्र के लोगों में भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। समिति ने कहा कि प्रस्तावित मार्ग से बड़ी संख्या में छोटे एवं सीमांत किसान प्रभावित हो सकते हैं। कई किसानों के पास महज 2 से 4 बीघा कृषि भूमि है, जो उनके परिवार की आजीविका का मुख्य आधार है। ऐसे में जमीन का हिस्सा रेल परियोजना में जाने पर किसानों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होने के साथ परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो सकता है ज्ञापन में क्षेत्र के 50 से अधिक ईंट भट्ठों के प्रभावित होने की आशंका जताई गई। समिति के अनुसार नागदा एवं आसपास के करीब 60 गांवों के लगभग 15 हजार श्रमिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से ईंट भट्ठा व्यवसाय से जुड़े हैं। समिति ने कहा कि रेल लाइन के प्रस्तावित मार्ग से ईंट उद्योग प्रभावित हुआ तो हजारों श्रमिकों के सामने रोजगार का संकट पैदा हो सकता है। ज्ञापन में नवीन कृषि उपज मंडी की पहुंच प्रभावित होने की आशंका भी जताई गई। समिति ने कहा कि मंडी के समीप से रेल पटरी गुजरने पर किसानों को अपनी कृषि उपज मंडी तक लाने-ले जाने में परेशानी हो सकती है, जिसका असर कृषि व्यापार पर भी पड़ेगा। वहीं सर्वे मार्ग के आसपास मध्यमवर्गीय व्यापारियों द्वारा वर्षों की जमा पूंजी से खरीदी गई जमीन एवं प्लॉट का मामला भी उठाया गया। समिति ने कहा कि प्रस्तावित रेल मार्ग से इन संपत्तियों पर असर पड़ने पर व्यापारियों को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। नागदा जनहित समिति ने स्पष्ट किया कि क्षेत्रवासी रेल परियोजना के विरोधी नहीं हैं। समिति का कहना है कि रेल विकास के साथ किसानों की जमीन, श्रमिकों का रोजगार और स्थानीय व्यापार के हितों की भी रक्षा होना जरूरी है। ज्ञापन के माध्यम से वर्तमान सर्वे मार्ग की पुनः समीक्षा कर ऐसा वैकल्पिक मार्ग निर्धारित करने की मांग की गई, जिससे क्षेत्र के लोगों को कम से कम नुकसान हो। समिति ने उम्मीद जताई कि राज्यपाल इस गंभीर जनहित के मुद्दे पर रेल मंत्री को पत्र लिखकर नागदा क्षेत्र के किसानों, श्रमिकों एवं व्यापारियों के हितों की रक्षा करेंगे इस अवसर पर मनोज राठी,बसंत मालपानी,दिलीप कांठेड़,भवानी सिंह देवड़ा,श्याम प्रजापत,लखन गुर्जर,राजेंद्र रघुवंशी,मनीष चापलोद,शुभकरण सिंह चौधरी,मनीष कांठेड़,राजा कर्णावत,अक्षत जैन,विजय संघवी,नितिन जैन,दिनेश सेठिया,रवि पाटीदार,कमलनयन जैन,हितेंद्र शुक्ला,जनक पुरोहित, करण जाट,मयंक चापलोद,अनुज कांठेड़,राजेंद्र जैन,लाला बन्ना रतन्याखेडी,निर्मल कुमावत,राहुल शर्मा हुकुम सिंह गोयल,संजय जायसवाल,राजेशजायसवाल,अशोक चौधरी,सुरेश चौधरी ,मन्नालाल चौधरी,चेतन चौधरी ,लक्ष्मण चौधरी , राकेश चौहान,दीपक पाटीदार,कल्लू चौधरी,राधेश्याम चौहान,भारत पालिया ,कैलाश कुमावत ,अभी परिहार ,रवि पाटीदार ,कार्तिक पाटीदार,पंकज प्रजापत,विपिन प्रजापत,संतोष प्रजापत,महेश प्रजापत,ऋतिक प्रजापत,आशिक मेव,इक्का सेठ,अशोक पूरी आदि मौजूद थे।

दैनिक राशिफल

18 अगस्त 2026, मंगलवार

राशि	फल
मेष (21 मार्च - 19 अप्रैल)	आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के साथ समय सुखद बीतेगा।
वृषभ (20 अप्रैल - 20 मई)	कुछ पुरानी समस्याओं का समाधान होगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। धन लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
मिथुन (21 मई - 20 जून)	आज आपकी वाणी से लोग प्रभावित होंगे। नए संपर्क लाभकारी रहेंगे। व्यापार में गति आएगी। छात्रों के लिए दिन शुभ है।
कर्क (21 जून - 22 जुलाई)	भावनाओं पर नियंत्रण रखें। किसी पर अधिक भरोसा न करें। परिवार में शांति रहेगी। खर्चों में वृद्धि हो सकती है।
सिंह (23 जुलाई - 22 अगस्त)	आत्मविश्वास बढ़ेगा। रुका हुआ काम पूरा होगा। मान-सम्मान मिलेगा। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।
कन्या (23 अगस्त - 22 सितंबर)	कामकाज में सावधानी रखें। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने से लाभ होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि के संकेत हैं।
तुला (23 सितंबर - 22 अक्टूबर)	व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं। साझेदारी फायदेमंद रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन मधुर रहेगा।
वृश्चिक (23 अक्टूबर - 21 नवंबर)	आज का दिन मिश्रित फलदायक रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। धैर्य रखें, सफलता निश्चित है।
धनु (22 नवंबर - 21 दिसंबर)	भाग्य आपका साथ देगा। नए अवसरों का लाभ उठाएं। धार्मिक यात्रा के योग हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।
मकर (22 दिसंबर - 19 जनवरी)	करियर में प्रगति होगी। जिम्मेदारियों में वृद्धि हो सकती है। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
कुंभ (20 जनवरी - 18 फरवरी)	नए विचारों से लाभ होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आय के नए स्रोत बनेंगे।
मीन (19 फरवरी - 20 मार्च)	मन प्रसन्न रहेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा।

शुभ मंत्रः ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः
आज का सुझावः सकारात्मक सोच रखें, हर कार्य में सफलता मिलेगी।

भारत में पाकिस्तानियों को मिल गई नागरिकता?

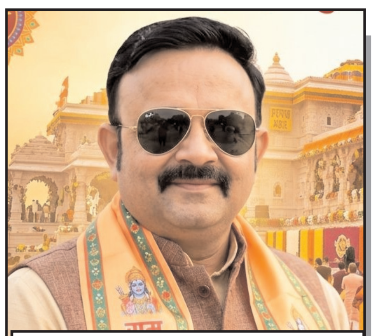

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई हैं जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपार है।

किसी पाकिस्तानी को आज के दौर में हिंदुस्तान में बसाना, उन्हें पनाह देना या फिर नागरिकता देनी वाली बात, शायद ही किसी के गले उतरे? बसाना तो दूर, ऐसा सोचना मात्र भी, सूरज का पूरब की जगह पश्चिम से निकलने जैसा माना जाएगा। पर, यह कोरी कल्पना पिछले दिनों हकीकत में तब्दील हुई। भारत में 56 साल पहले आए पाकिस्तानियों को नागरिकता दी गई है। वह भी एकाध लोगों को नहीं, बल्कि हजारों को। सरकार ने पिछले महीने बकायदा एक रंगारंग कार्यक्रम कर, ढोल-नगाड़े बजाकर विस्थापित पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रमाण पत्र बांटे। ताज्जुब यह भी है कि ऐसा चमत्कार हुकूमत ने ऐसे माहौल में किया, जब समूचे भारत में विभिन्न देशों के घुसपैठियों को निकालकर उन्हें खदेड़ने का अभियान केंद्रीय व राज्य स्तरों पर छिड़ा हो। इस अभियान की बानगी हमने हाल में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधाानसभा चुनाव के दौरान भी देखा। जब दो बॉर्डर राज्य, असम और पश्चिम बंगाल, का चुनाव इसी मसले के इर्दगिर्द घूमा। घुसपैठियों के अलावा भारत में कुछ वर्षों से एनआरसी और सीएए का भी शोर है। बावजूद इसके सरकार ने पाकिस्तानियों को नागरिकता देने का बड़ा जाखिम उठाया। सरकार ने यह कदम क्यों उठाया? हालांकि, इस फैसले के सियासी मायने बहुतेरे हैं, जिसकी तस्वीर आने वाले दिनों में दिखाई भी देगी।

सरकार ने विस्थापितों को नागरिकता हिंदुस्तान के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में दी है। जिले का नाम है पीलीभीत जो नेपाल बॉर्डर से एकदम सटा हुआ है जिसकी पहचान बांसुरी निमार्ण के अलावा तराई क्षेत्र के लिए भी प्रसिद्ध है। पीलीभीत को मिनी पंजाब भी कहते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से लबरेज, जैव-विविधता के अलावा विश्व प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व तो है ही, धान की पैदावार के लिए भी जिला पूरे प्रदेश में विख्यात है। सरकार ने जिन परिवारों को बसाने का फैसला किया है उनमें बंगाली हिन्दू, बौद्ध, जैन और सिख शामिल हैं। भारत के नक्शे में देखें, तो पीलीभीत हिंदुस्तान

के एक अलहदे छोर पर बसा है जहां करीब पांच दशक से भी ज्यादा पहले पाकिस्तान से आए विस्थापित लोग बस गए थे। तभी, से वह विभिन्न सरकारों से नागरिकता मांगते आए हैं। सरकारी कागजों के मुताबिक पूर्वी पाकिस्तान से वर्ष 1959 से 1971 के बीच पाकिस्तान से पीड़ित होकर कुछेक परिवार भारत आए थे। शुरूआत में यह परिवार कई राज्यों में भटकते रहे, कहीं ठिकाना नहीं मिला। आखिरकार उन्हें बाद में यही जिला मुफीद लगा। पीलीभीत के अलावा कुछ नागरिकता रामपुर और बिजनौर में बसे विस्थापितों को भी दी गई है।

पीलीभीत के जिस क्षेत्र में यह परिवार रहते आए हैं वह जगह कभी विरान होती थी। इन लोगों ने इसे रहने लायक बनाया और उबड़खाबड़ जगहों पर मेहनत करके उसे खेतीबाड़ी के लिए तैयार किया। आज इस क्षेत्र में अच्छी फसलें उगती हैं। सभी के पास कागजी दस्तावेजों के रूप में भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि पहले से मौजूद हैं। साथ ही लंबे वक्त से मतदान भी करते आए हैं। लेकिन नागरिकता और मालिकाना हक से वंचित थे, जिसे मौजूदा योगी सरकार ने पूरा कर दिया। ये परिवार पीलीभीत जिले के अमरिया, न्यूरिया, शारदा डैम की तलहटी सहित आसपास के क्षेत्रों में बसे हैं। सरकार ने उन्हें खेती और आवास के लिए जमीन तो पहले से दी हुई हैं। लेकिन मालिकाना हैसियत नहीं दी, जिसके लिए यह लोग दशकों जद्दोजहद कर रहे थे। प्रत्येक चुनावों में इनसे के झूठा आश्वासन हुआ। पूर्ववर्ती बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने भी इनको नागरिकता दिलवाने का दिलासा दिया। पर, कुछ राजनैतिक अड़चनों के चलते वादा पूरा नही कर पाए।

बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई हैं जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपार है। ऐसा करके सरकार ने शायद विपक्षी दलों को बड़ा सियासी मुद्दा बैठे-बिठाए थमा दिया है। ये लोग वर्ष 1960 से 1975 के बीच धार्मिक प्रताड़ना के चलते पूर्वी बंगालादेश जो अब पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा है, से भारत आए थे और उत्तर प्रदेश के तराई के जिले पीलीभीत में आकर बसे। ये क्षेत्र पीलीभीत जिले की कलीनगर व पूरनपुर तहसीलों में आते हैं जहां ये करीब 25-26 गांवों में बसे हैं। पिछले महीने 29 जून को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिले में दौरा हुआ जिसमें मुख्यमंत्री ने इनको ना सिर्फ नागरिकता के प्रमाण पत्र बांटे, बल्कि मालिकाना हक के सरकारी कागज भी दिए।

यह फैसला चुनाव के ऐन वक्त लिया गया। प्रदेश में मात्र 6-7 महीनों बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसलिए सरकार के इस निर्णय पर प्रदेश की राजनीति जमकर गर्माई हुई है। विपक्षी पार्टियों ने सीधे-सीधे एक बड़े वोटबैंक को साधने का आरोप मौजूदा सरकार पर लगाया है। पाकिस्तानी विस्थापियों को बसाने का यह पहला चरण है, अभी दूसरा चरण शेष है। 35 हजार लोग और हैं जो बहराईच, बाराबंकी, गोंडा, लखीमपुर, बिजनौर जैसे जिलों में बसे हैं। सभी को चिंहित किया जा चुका है, अगले कुछ महीनों बाद इन्हें भी मुकम्मल नागरिकता देने का फैसला हो चुका है। सरकारी आंकड़ों की माने तो प्रदेश के करीब सात-आठ जिलों में कुल 55 हजार विस्थापित पाकिस्तानियों की आबादी है, इनमें प्रत्येक वर्ष तेजी से इजाफा भी हो रहा है। 56 वर्ष पहले धार्मिक प्रताड़ना के रूप में मात्र 12 हजार 380 लोग आए थे। आबादी बढ़ाने के पीछे इनका मकसद था कि बढ़ी आबादी से सरकारों को वोटिंग का लालच देकर किसी भी दल पर दबाव बना सकेंगे। कमोबेश, हुआ भी वैसा ही। अपने योजनाओं में यह लोग आज सफल हुए हैं।

संपादकीय

'विकसित भारत' का संबोधन

प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से लगातार 13वीं बार राष्ट्र को संबोधित किया, लेकिन कोई नई नीतिगत घोषणा नहीं कर पाए। कुछ आंकड़े गिना दिए गए। संबोधन का फोकस 'विकसित भारत' और युवाओं पर रहा। विकसित भारत की बात प्रधानमंत्री कई बार दोहरा चुके हैं और युवाओं की बात करना 'राजनीतिक विवशता' हो सकती है। प्रधानमंत्री के करीब 77 मिनट के संबोधन का निष्कर्ष दो शब्द-युग्म रहे-'सप्तधारा' और 'दिमागी नक्सल।' इन दो शब्द-युग्मों से भारत कभी भी 'विकसित' नहीं बन सकता। प्रधानमंत्री के संबोधन का विश्लेषण करने से पहले दो तथ्य प्रस्तुत करना चाहता हूं। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम देश के राष्ट्रपति थे, तब घोषित दावा किया गया था कि 2020 में भारत 'विकसित राष्ट्र' होगा। क्या हुआ? क्या उसका कोई रिपोर्ट-कार्ड उपलब्ध है अथवा कोई प्रगति-कथा है? उसके बाद 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार को देश ने जनादेश दिया, तो बुनियादी नारा था-'अच्छे दिन आएंगे।' वह संभव नहीं लगा, तो प्रधानमंत्री मोदी ने 'अच्छे दिनों' की समय-सीमा 2047 तय कर दी और 'विकसित भारत' के उद्घोष शुरू कर दिए गए। अर्थात 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी की जवाबदेही खत्म हो गई। तब वह प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, इतना निश्चित है। जो भी प्रधानमंत्री होगा, अब जवाबदेही उसकी होगी। बहरहाल प्रधानमंत्री ने 'शक्ति की सप्तधारा' का आह्वान किया है। ये सप्तधाराएं हैं-विनिर्माण-उत्पादन, कृषि तथा खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी-नवाचार, गतिशक्ति, रक्षा-साइबर सुरक्षा, ग्रीन एनर्जी-ब्लू इकोनॉमी, सॉफ्ट पॉवर।

देश इन 'सप्तधाराओं' को पहले से ही जानता है, बेशक नामकरण बदल दिए गए हों। हालांकि प्रधानमंत्री ने इनमें देश के 'कोर सेक्टर' के कुछ महत्वपूर्ण आधार छोड़ दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले से खुलासा और दावा किया है कि भारत में मोबाइल निर्माण-उत्पादन 33 गुना, खादी-ग्रामोद्योग 5 गुना, रेलवे कोच निर्माण 31 गुना, मैन्यूफैक्चरिंग 7 गुना, इंटरनेट 4 गुना, गैस कनेक्शन 6 गुना, नल से जल 15 गुना, शौचालय 4 गुना, गरीबों को पक्के घर देना 3 गुना और डिजिटल भुगतान, लेन-देन 100 गुना बढ़ा है। यकीनन भारत ने प्रगति की है, लेकिन अमरीका, चीन, जर्मनी, जापान आदि देशों की तुलना में हम आज भी बहुत पीछे हैं। भारत में सेमीकंडक्टर के तीन प्लांट अभी शुरू हुए हैं, लेकिन चीन और ताइवान दुनिया को सेमीकंडक्टर सप्लाई कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगामी 7-8 साल का लक्ष्य बताया है कि सेमीकंडक्टर के 5-7-8 प्लांट शुरू हो जाएंगे। निश्चित संख्या नहीं है। हम कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) के क्षेत्र में भी 'शिशुवत' हैं और प्रधानमंत्री ने आश्वस्त करने की कोशिश की है कि आगामी एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई स्किल की ट्रेनिंग दी जाएगी। ऐसी ही आकर्षक घोषणा बजट में की गई थी कि देश की 500 बड़ी कंपनियों में 5 साल में 1 करोड़ युवा 'इंटर्नशिप' करेंगे। उन्हें 5000 रुपए मानदेय भी दिया जाएगा। नतीजा क्या रहा, प्रधानमंत्री इसका भी खुलासा कर देते। यह इच्छा करना सुखद लगता है कि फॉर्च्यून की 500 शीर्ष कंपनियों में 50 भारतीय भी हों, फार्मा कंपनियां शीर्ष 5 कंपनियों में हों, शीर्ष 10 बैंकों में भारतीय भी हो और भारत की अपनी रेटिंग एजेंसी हो। आज 79 साल की आजादी के बाद भी भारत का एक विश्वविद्यालय भी शीर्ष 100 तो क्या, शीर्ष 200 में भी शामिल नहीं है। करीब 73 फीसदी बच्चे 12वीं तक भी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। प्रधानमंत्री नए विश्वविद्यालय और स्कूल खोलने की घोषणा करते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने यह नहीं बताया कि एआई ट्रेनिंग के साथ रोजगार कितना बढ़ेगा? ऑनलाइन कोचिंग निशुल्क होगी, लेकिन परीक्षा-प्रणाली कितनी पारदर्शी, ईमानदार होगी? कोचिंग का कारोबार करीब 58,000 करोड़ रुपए का है और करीब 7.10 करोड़ छात्र कोचिंग ले रहे हैं। क्या इस समीकरण को तोड़ा जा सकता है? प्रधानमंत्री ने तेल की तलाश में 'समुद्र-मंथन' शुरू कराया है। हाईड्रोजन ट्रेन एक सुखद शुरूआत है। 'सूर्यघर' का प्रयोग भी सफल हो रहा है।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

ईरान के चक्रव्यूह में फंसे ट्रंप

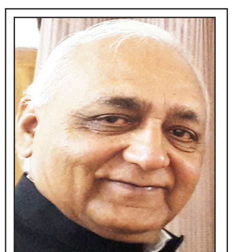

तनवीर जाफ़री

पूरे विश्व की निगाहें इस समय अमेरिका - ईरान के मध्य चल रहे तनावपूर्ण हालात पर लगी हुई है। इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने अपने छल से राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से एक ऐसे युद्ध में उलझा दिया है जिससे ट्रंप के लिये बड़ी परेशानी खड़ी हो गयी है। विश्व इतिहास में यह पहला मौका है जबकि ईरान जैसा देश प्रत्येक मोर्चों पर अमेरिका को बराबर की चुनौती दे रहा है। नतीजतन ट्रंप के गलत फैसलों से अब अमेरिकी सेना के जवान भी ऊब चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिकी नौसेना के एक परमाणु ऊर्जा संचालित सुपर-कैरियर विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन CVN-72 को लेकर एक ऐसी खबर आई जिसने पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया। यह युद्धपोत 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से अपनी निर्धारित यात्रा पर निकला था। शुरूआत में इसे प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में तैनात किया जाना था, लेकिन जनवरी 2026 में इस्राईल -अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध छिड़ जाने के बाद इसे अचानक पश्चिम एशिया/अरब सागर की ओर मोड़ दिया गया। इस युद्धपोत पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन तैनात हैं। इन नौसैनिकों ने समुद्र में लगातार 250 से अधिक दिन बिताए हैं, जिसमें से करीब 200 दिन बिना किसी पोर्ट कॉल अर्थात बिना किसी बंदरगाह पर रुके हुये बीते हैं, जो आधुनिक अमेरिकी नौसेना के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। नौसैनिकों व मरीन की इस तैनाती को मूल रूप से मई 2026 में समाप्त होना था, लेकिन ईरान के साथ जारी जंग के कारण इसे बार-बार आगे बढ़ाया गया, जिससे सैनिकों की घर वापसी अनिश्चित हो गई। सैनिकों में पैदा हुये इसी अत्यधिक मानसिक दबाव के चलते कम से कम 6 नौसैनिकों ने युद्धपोत से समुद्र में कूदकर जान देने यानी आत्महत्या करने की कोशिश की, जिन्हें उन्हीं के सैनिक साथियों द्वारा समय रहते बचा लिया गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया में बड़ी चर्चा छिड़ गई है।

माइक लेविन जैसे कई अमेरिकी सांसदों और मरीन सैनिकों के परिवारों ने भी यह खुलासा किया कि युद्धपोत पर जीवन नरक जैसा हो गया है। कई हफ़्तों तक जहाज पर गर्म पानी नहीं मिलता और टॉयलेट्स व शावर आदि खराब हो चुके हैं। लॉन्ड्री सुविधा बंद रहने से सैनिक गंदे कपड़े पहनने को मजबूर हैं। युद्धपोत पर भोजन और जरूरी सामानों की भारी कमी हो गई, यहाँ तक कि राशन कम होने पर सैनिकों को भोजन में बेहद कम व सीमित मात्रा दी जा रही है। और तो और युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से बहरीन जैसे अमेरिकी ठिकानों से जहाज तक रसद पहुँचाना भी मुश्किल हो गया है। इस हादसे,अमेरिकी सांसदों के दबाव और परिवारों के आक्रोश के बाद अब अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने घोषणा की है कि युद्धपोत को अब रोटेशन प्लान के तहत वापस बुलाया जा रहा है। मिडिल ईस्ट में इसकी जगह लेने के लिए दूसरे विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को भेजा जा रहा है ताकि थके हुए सैनिकों को राहत मिल सके। परन्तु इस खबर ने वर्तमान समय में अमेरिकी सैनिकों की उबावपूर्ण स्थिति तो उजागर कर ही दी है। उधर ईरान की तरफ से संभावित खतरे के संदेह में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अंतिम समय में विमान बदलने से जुड़ी हुई एक हैरतअंगेज खबर सामने आई। वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार पिछले महीने तुर्की में नेटो शिखर सम्मेलन से निकलते समय ट्रंप ने गुपचुप तरीके से अपना विमान बदल लिया था। खबरों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति टेलीविजन कैमरों की मौजूदगी में एयर फोर्स वन में सवार हुए, फिर उन्हें चुपके से एक ऊंचे एयरपोर्ट कैटरिंग ट्रक में ले जाया गया और एक सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। हालांकि, अब वॉशिंगटन पोस्ट की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने एक बार फिर विमान बदल दिया था। पोस्ट ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप को पुराने एयर फोर्स वन विमान से एक कैटरिंग कंटेनर में बाहर निकाला गया। यह कंटेनर ट्रंप को एक छोटे सी-32ए विमान तक ले गया। इसी विमान से उन्होंने ब्रिटेन के लिए उड़ान भरी। इस दौरान विमान में सवार पत्रकारों और व्हाइट हाउस के कुछ कर्मचारियों को भी इसकी जानकारी नहीं थी। इससे पहले अंकारा में शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वो ईरान का नंबर वन निशाना हैं।

ट्रंप के ईरान से भयभीत होने की एक सबसे बड़ी वजह यह भी है कि जुलाई 2026 में ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ईरान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या से जुड़े बेहद आक्रामक पोस्टर, बैनर और नारे खुले आम लगाए गए थे । फरवरी 2026 में अमेरिका-इस्राईल के हवाई हमलों में अयातुल्ला खामेनेई व उनके कई परिजन शहीद हो गए थे जिसके बाद हुए उनके विशाल अंतिम संस्कार में ईरानी लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। अंतिम संस्कार के दौरान राजधानी तेहरान और खामेनेई के दफ़न वाले शहर मशहद की सड़कों पर जगह जगह अंग्रेजी में KILL TRUMP लिखे बड़े बड़े बैनर और धमकी भरे पोस्टर देखे गये। काले कपड़ों में शामिल महिलाओं और प्रदर्शनकारियों ने अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में KILL TRUMP लिखे हुए लाल रंग के प्लेकार्ड उठा रखे थे। कई पोस्टर्स में डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और इस्राईली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीरों पर बंदूक की दूरबीन का निशाना क्रॉस हेयर बना हुआ था। उन पोस्टरों पर नीचे लिखा था- There will be blood यानी खून बहेगा। इसी तरह तेहरान में एक पुल से ट्रंप का एक विशाल बिलबोर्ड (होर्डिंग) लटकाया गया था, जिस पर उनके सिर पर गोली का निशान बना था और लिखा था अमेरिका ने हमारे पिता को मारा है, हम तुम्हें छोड़ेंगे नहीं! और वहां से गुजरती आक्रोशित भीड़ उस होर्डिंग पर पत्थर बरसा रही थी। खामेनेई के अंतिम संस्कार के जुलूस में भी भीड़ ने सामूहिक रूप से कसम खाते हुए नारे लगाए कि हम अपने सर्वोच्च नेता के खून की कसम खाते हैं, ट्रंप हम तुम्हें मार डालेंगे! मुख्य मंच से कवियों और उद्घोषकों ने लाउडस्पीकर पर चिल्लाते हुए भीड़ से पूछा, दुनिया का सबसे कमीना आदमी (डोनाल्ड ट्रंप) अभी तक जिंदा क्यों है? जिसने हमारे इमाम को मारा, हम उसे क्यों न मारें? इसके बाद पूरी भीड़ ने डेथ टू डोनाल्ड के नारे लगाए। यहाँ तक कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने भी लिखित बयान जारी कर कहा कि ईरान ने इन अपराधी हत्यारों की एक हिट-लिस्ट तैयार की है और उनसे बदला लेना अब ईरान का राष्ट्रीय संकल्प है। इसतरह के हालात ट्रंप व उनके सुरक्षा सलाहकारों में ईरान के प्रति भयभीत होने के लिए पर्याप्त हैं। यानी कहना गलत नहीं होगा कि अपने ही गलत फैसलों के चलते ट्रंप ईरान के चक्रव्यूह में बुरी तरह फंस चुके हैं।

विशेष लेख
गुजरात के गौरव

डॉ. जितेंद्र अग्रवाल (IPS),
DCP जोन-5, अहमदाबाद शहर

UPSC में 128वीं रैंक हासिल की,
संवेदनशील पुलिसिंग और सख्त कानून व्यवस्था से...
अहमदाबाद के जोन-5 में शांति और सुरक्षा का नया अध्याय

संवेदनशीलता और अनुशासन का मौन संगम

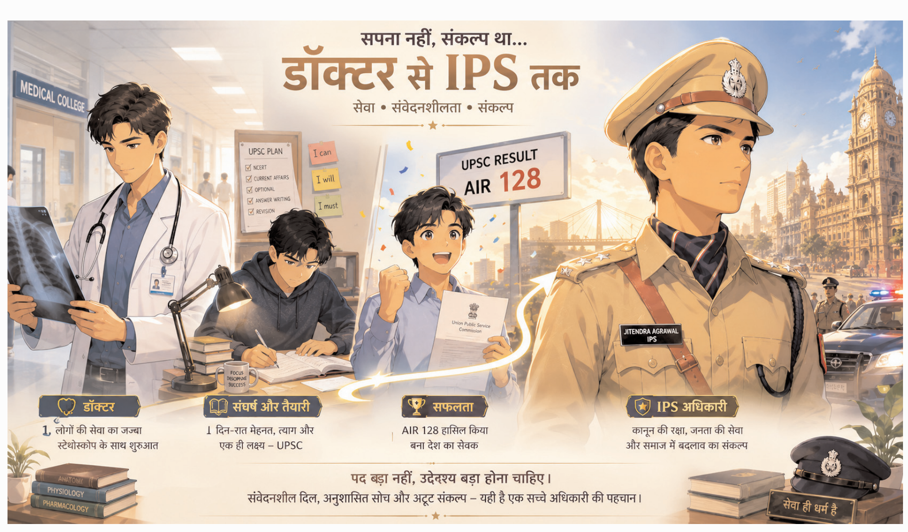

अहमदाबाद। आम तौर पर जब पुलिस विभाग का नाम लिया जाता है तो मन में सख्त अनुशासन, अपराधियों में डर और कानून की सख्त कार्रवाई की छवि उभरती है। लेकिन जब एक बेहतरीन डॉक्टर (स्ब्र डॉक्टर) अपना स्टेथोस्कोप एक तरफ रखकर अशोक स्तंभ को कंधे पर धारण करता है तो समाज को सिर्फ एक IPS अधिकारी ही नहीं मिलता, बल्कि मानवीय संवेदनशीलता और कानूनी अनुशासन का अद्भुत संगम भी देखने को मिलता है। अहमदाबाद शहर के DCP जोन-5 डॉ. जितेंद्र अग्रवाल ऐसी ही एक शख्सियत हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल में अहमदाबाद पुलिस का नाम रोशन किया है। जामनगर के शाह मेडिकल कॉलेज से एम.डी. और फिर फार्माकोलॉजी में स्ब्र किया। एक सफल डॉक्टर होने के बावजूद, उनका लक्ष्य समाज के पिछड़े लोगों की बड़े पैमाने पर मदद करना और कानून के राज को मजबूत करना था। अपने पक्के इरादे और कड़ी मेहनत से, उन्होंने बिना किसी बड़ी कोचिंग क्लास के UPSC जैसे देश के सबसे मुश्किल एग्जाम में 128वीं रैंक हासिल की और 2020 कैडर के IPS ऑफिसर के तौर पर चार्ज संभाला।

ज़ोन-5 अहमदाबाद में कानून-व्यवस्था की मजबूत कमान

अहमदाबाद का ज़ोन-5 इलाका आबादी और क्राइम के लिहाज से बहुत सेंसिटिव और अहम माना जाता है। DCP का चार्ज संभालने के बाद, डॉ. जितेंद्र अग्रवाल ने ज़ोन-5 में क्राइम रोकने के लिए एक खास स्ट्रेटेजी लागू की है

अपराधियों और गुंडों पर नकेल: उन्होंने असामाजिक तत्वों, गुंडों और बदमाशों के खिलाफ PASA और कानूनी सज़ा को कड़ा करके अपराधियों में डर का माहौल बनाया है। नशीले पदार्थों और गैर-कानूनी कामों को रोकना: ज़ोन-5 पुलिस ने ड्रग्स के धंधे के खिलाफ कई सफल ऑपरेशन किए हैं, जो युवाओं को बर्बाद कर रहा है। महिलाओं और सीनियर सिटिजन की सुरक्षा: ज़ोन-5 के हर पुलिस स्टेशन में ऐसा माहौल बनाया गया है कि महिलाएं और बुजुर्ग अपनी शिकायतें बिना डरे दर्ज करा सकें।

पुलिस का इंसानियत भरा नज़रिया: 'दान पुन केंद्र' की प्रेरणा देने वाली पहल डॉ. जितेंद्र अग्रवाल सिर्फ़ कानून का डंडा चलाने वाले एक अफ़सर नहीं हैं, बल्कि उनमें एक डॉक्टर जैसी समझ ज़िंदा है। उनकी प्रेरणा से अहमदाबाद के खोखरा में I डिवीज़न ACP ऑफ़िस में एक 'डोनेशन सेंटर' शुरू किया गया है। इस सेंटर का मुख्य मकसद अमीर लोगों से फालतू कपड़े, जूते, खिलौने या दूसरी चीज़ें इकट्ठा करके गरीब और ज़रूरतमंद लोगों में मुफ़्त में बांटना है। उन्होंने इस इंसानियत भरे काम से एक बेहतरीन उदाहरण दिया है कि 'पुलिस दोस्त और रक्षक भी है'।

जनता से जुड़े एक अफ़सर और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत

डॉ. जितेंद्र अग्रवाल के काम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वे आम नागरिक के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं। उनकी पहली प्राथमिकता यह है कि पुलिस थानों में अप्लाई करने वालों के साथ सम्मान से पेश आया जाए और हर नागरिक को जल्दी न्याय मिले। उनका यह सफर गुजरात के लाखों युवाओं और कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स के लिए एक प्रेरणा है कि अगर मन में पक्का इरादा और ईमानदारी हो तो कोई भी लक्ष्य नामुमकिन नहीं है। अहमदाबाद जोन-5 का नाम डॉ. जितेंद्र अग्रवाल के नाम पर रखा गया है। जितेंद्र अग्रवाल जैसे काबिल, पढ़े-लिखे और संवेदनशील IPS ऑफिसर की मौजूदगी ने पूरे इलाके में सुरक्षा और शांति के माहौल को और मजबूत किया है।

खुद के अपहरण का रचा नाटक, रोते हुए परिजनों को VIDEO भेज मांगे 5 लाख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा निवासी 19 वर्षीय ओम प्रकाश गौरीशंकर ने पुणे में खुद के अपहरण की झूठी कहानी रचकर परिवार से 5 लाख रुपये मांगने की कोशिश की. उसने रिश्तेदारों को रोते हुए वीडियो भेजकर अपहरण की कहानी पर यकीन दिलाने की कोशिश भी की. पैसे का इंतज़ाम करने की एक अजीब कोशिश में, उत्तर प्रदेश के एक 19 साल के युवक ने पुणे में कथित तौर पर खुद के अपहरण का नाटक किया और अपने परिवार से 5 लाख रुपये की मांग की. कहानी को सच साबित करने के लिए उसने उत्तर प्रदेश में अपने रिश्तेदारों को रोते हुए अपने वीडियो भी भेजे. आरोपी की पहचान ओम प्रकाश गौरीशंकर (19) के तौर पर हुई है, जो उत्तर प्रदेश के बांदा ज़िले के बबेरू तालुका के जलालपुर गांव का रहने वाला है. शुरुआती जानकारी के मुताबिक गौरीशंकर पुणे आया था लेकिन उसे पैसों की तंगी का सामना करना पड़ रहा था. क्योंकि उसके पास कोई नौकरी नहीं थी और अक्सर उसके खर्चों के लिए पैसे कम पड़ जाते थे. इसके बाद उसने परिवार से पैसे हासिल करने की योजना बनाई. गौरीशंकर ने अपने रिश्तेदारों और बड़े भाई को बताया कि उसका अपहरण हो गया है और अपहरणकर्ता उसे छोड़ने के लिए 5 लाख रुपये मांग रहे हैं. उसने उन्हें एक वीडियो भी भेजा जिसमें वह रोता हुआ दिख रहा था, ताकि उन्हें यकीन हो जाए कि वह अपहरणकर्ताओं की कैद में है. थित अपहरण की खबर से घबराकर उसके परिवार ने उत्तर प्रदेश में पुलिस से संपर्क किया. शिकायत मिलने के बाद शाहजहांपुर पुलिस ने पुणे पुलिस से संपर्क किया और उन्हें बताया कि उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति का पुणे में कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया है और अपहरणकर्ता 5 लाख रुपये मांग रहे हैं. जिसके बाद पुणे पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया. 16-17 अगस्त की रात और 17 अगस्त की सुबह तक, अलग-अलग पुलिस स्टेशनों के पुलिसकर्मियों, जिनमें रात की गश्त पर तैनात अधिकारी भी शामिल थे, ने कथित अपहरणकर्ताओं और पीड़ित की तलाश शुरू की. कथित तौर पर अगवा किए गए युवक का मोबाइल नंबर पुणे पुलिस के साथ साझा किया गया. बंड गार्डन पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने नंबर को ट्रैक करना शुरू किया और बाद में पाया कि फोन पुणे के खड़की इलाके में एक्टिव था. पुलिस की टीमों ने, जिनमें रात की गश्त पर तैनात अधिकारी, कर्मचारी और मार्शल शामिल थे, बंड गार्डन पुलिस के साथ मिलकर खड़की के क्राउन प्लाज़ा लॉजिंग में छापा मारा. जब पुलिस लॉज पहुंची, तो उन्हें वहां गौरीशंकर मस्ती करता मिला. शुरुआती जांच से पता चला कि असल में कोई अपहरण नहीं हुआ था और कथित तौर पर यह पूरी घटना 19 साल के युवक ने अपने परिवार से पैसे ऐंठने के लिए रची थी.

गंगा-यमुना के उफान से प्रयागराज के दारागंज में हाहाकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ने से दारागंज की निचली बस्तियों और झोपड़ियों में पानी भर गया है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त है. दशाश्वमेध घाट की सीढ़ियां भी जलमग्न हो गई हैं. नदियों का जलस्तर फिलहाल खतरे के निशान से नीचे है और प्रशासन ने राहत चौकियों को सक्रिय कर निगरानी बढ़ा दी है. प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है. बढ़ते जलस्तर का सबसे ज्यादा असर अब दारागंज इलाके की गरीब बस्तियों पर दिखाई देने लगा है. बाढ़ का पानी झोपड़ियों में घुस गया है, जिससे लोगों का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है. लोग अपने घरों का सामान बचाने में जुटे हैं, जबकि प्रशासन ने बाढ़ राहत चौकियों को सक्रिय कर हालात पर नजर बनाए रखने की बात कही है. संगम नगरी प्रयागराज में गंगा और यमुना उफान पर हैं. जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी के चलते दारागंज की निचली बस्तियां बाढ़ की चपेट में आ गई हैं. गरीब परिवारों की झोपड़ियों में पानी भर गया है और कई झोपड़ियां पूरी तरह डूब चुकी हैं. लोग अपने बच्चों और घरेलू सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगे हैं. बाढ़ के पानी ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को मुश्किल बना दिया है. बाढ़ प्रभावित लोगों का कहना है कि हर साल यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल पाता. उनका आरोप है कि मुश्किल की इस घड़ी में उन्हें पर्याप्त मदद भी नहीं मिलती. कई परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं और अपने सामान को ऊंचे स्थानों पर ले जाकर किसी तरह सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे हैं.बढ़ते जलस्तर का असर धार्मिक स्थलों पर भी दिखाई दे रहा है. दारागंज स्थित दशाश्वमेध घाट की कई सीढ़ियां गंगा के पानी में समा गई हैं. इसके बावजूद श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने के लिए घाट पर पहुंच रहे हैं.

बंद अलमारी, 4 बैग और 3 करोड़ का कैश ऑटो ड्राइवर के घर मिली रकम का PWD इंजीनियर से क्या है कनेक्शन

सागर में ऑटो ड्राइवर के घर बंद अलमारी से चार बैग में करीब 3 करोड़ रुपये कैश मिलने के बाद रकम के स्रोत को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर में पुलिस एक हथियार की तलाश में एक ऑटो ड्राइवर के घर पहुंची थी. मकसद था सोशल मीडिया पर सामने आई पिस्तौल की तस्वीर की जांच करना और यह पता लगाना कि तस्वीर में दिख रहा हथियार वास्तव में उसके पास है या नहीं. लेकिन तलाशी के दौरान पुलिस की नजर एक ऐसी लॉक अलमारी पर पड़ी, जिसने सभी को चौंका दिया. अलमारी खोली गई तो उसमें एक-दो नहीं, बल्कि चार बैग मिले. बैग खुले तो उनके अंदर नोटों की गड्डियां थीं. पुलिस ने नकदी को बाहर निकाला तो रकम इतनी ज्यादा निकली कि मौके पर गिनती करना भी आसान नहीं था. इलेक्ट्रॉनिक करेंसी काउंटिंग मशीन मंगाई गई. शुरुआती जानकारी में चारों बैगों में करीब 3 करोड़ रुपये से ज्यादा नकदी होने की बात सामने आई है. पूरी कहानी की शुरुआत सोशल मीडिया प्रोफाइल की स्क्रीनिंग से हुई. पुलिस ऐसे प्रोफाइल की स्क्रीनिंग कर रही थी, जिनमें आपराधिक प्रवृत्ति के लोग पिस्तौल, चाकू या दूसरे हथियारों के साथ फोटो और वीडियो पोस्ट करते हैं. इसी दौरान दो सोशल मीडिया प्रोफाइल पुलिस की नजर में आए. इनमें पिस्तौल के साथ फोटो मिलने के बाद दोनों मामलों में कार्रवाई शुरू की गई. गोपालगंज थाना पुलिस सौरभ अहिरवार के घर पहुंची जो ऑटो चलाता है. पुलिस टीम का उद्देश्य सोशल मीडिया पर सामने आई पिस्तौल की तस्वीर की तस्दीक करना और घर की तलाशी लेना था. पुलिस जिस चीज की तलाश में घर पहुंची थी, वह तलाशी के दौरान नहीं मिली. लेकिन इसी तलाशी में एक ऐसी चीज सामने आ गई, जिसकी पुलिस को उम्मीद नहीं रही होगी. घर की तलाशी के दौरान पुलिस की नजर एक लॉक अलमारी पर गई. अलमारी बंद थी और उसकी चाबी परिवार के पास नहीं थी. इसके बाद पंचों की मौजूदगी में नियमानुसार अलमारी खुलवाई गई. अलमारी खुलते ही अंदर रखा एक बैग दिखाई दिया. जब पुलिस ने बैग खोला तो उसमें बड़ी संख्या में नोट भरे मिले. इसके बाद अलमारी की तलाशी आगे बढ़ी. एक बैग के बाद दूसरा, फिर तीसरा और चौथा

बैग सामने आया. चारों बैगों में नकदी रखी थी. यहीं से पुलिस की कार्रवाई का पूरा फोकस बदल गया. जिस घर में टीम हथियार की तस्वीर की जांच के लिए पहुंची थी, वहां अब करोड़ों रुपये की नकदी सामने थी. बरामद नकदी की मात्रा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक एक बैग से ही करीब 1 करोड़ 33 लाख रुपये मिलने की बात सामने आई. चारों बैगों की रकम को मिलाकर नकदी करीब 3 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है. रकम इतनी अधिक थी कि पुलिस के लिए मौके पर सामान्य तरीके से नोट गिनना आसान नहीं था. इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक करेंसी काउंटिंग मशीन मंगाई गई. दोपहर बाद शुरू हुई कार्रवाई देर रात करीब 12 बजे तक चलती रही. पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई, ताकि बरामदगी और नोटों की गिनती की प्रक्रिया रिकॉर्ड में रहे. करोड़ों की नकदी सामने आने के बाद जांच का सबसे बड़ा सवाल यही है कि रकम का वास्तविक मालिक कौन है. पुलिस पूछताछ के दौरान परिवार की ओर से दावा किया गया कि अलमारी और उसमें रखा पैसा उनका नहीं है. परिजनों के मुताबिक यह रकम उनके रिश्तेदार रमेश अहिरवार का है. परिवार का कहना है कि रमेश अहिरवार करीब 8-9 महीने पहले यह पैसा यहां रखकर गए थे. परिजनों के मुताबिक रमेश अहिरवार भोपाल के चूना भट्टी इलाके में रहते हैं और PWD में इंजीनियर बताए जा रहे हैं. करोड़ों की नकदी बरामद होने के बाद पुलिस ने करेंसी काउंटिंग मशीन मंगाई.

सोना लूट का 48 घंटे में पर्दाफाश, साढ़े पांच करोड़ के सोना-चांदी के साथ छह गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रतलाम। बस से साढ़े सात करोड़ की जूलरी लूट मामले का रतलाम पुलिस ने 48 घंटे में खुलासा कर दिया है। साथ ही छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से साढ़े पांच करोड़ रुपए के सोने-चांदी मिले हैं। इस घटना का मास्टरमाइंड सराफा कारोबारी का स्टाफ ही है, जिसने वारदात को अंजाम दिया है।

13 अगस्त को हुई थी घटना

दरअसल, रतलाम के सराफा व्यापारी अर्पित चौरड़िया उज्जैन के बड़नगर से बस में सवार होकर रतलाम लौट रहे थे। इस दौरान आरोपियों ने साढ़े सात करोड़ रुपए के सोने से भरा बैग लूट लिया। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि व्यापारी की दुकान में काम करने वाला कर्मचारी रोहित नायक ने ही यह साजिश रची थी। उसे सराफा कारोबारी के मूवमेंट के बारे में पूरी जानकारी थी।

पुलिस ने छह आरोपियों को किया गिरफ्तार

इस मामले में रतलाम पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटे गए सोने के 238 नग जेवरात, वजन 4.167 किलोग्राम, चांदी के 183 नग जेवरात, वजन 4.047 किलोग्राम, कुल 421 नग सोने-चांदी के आभूषण, वजन 8.214 किलोग्राम सहित लगभग 5 करोड़ 50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

चाय की दुकान चलाता है आरोपी

वहीं, रोहित नायक के साथ प्लानिंग में शामिल अभिजीत उर्फ अभय रतलाम के गणेश मार्केट में ही चाय की दुकान चलाता है। अभिजीत ने रोहित को अपने पाले में करके व्यापारी की सारी जानकारी जुटाई थी। इसके बाद लूट की योजना बनाई। फिर रतलाम के कोर्ट चौराहे पर स्थित राहुल गुर्जर की दुकान पर पूरी प्लानिंग हुई।

बस से छीनकर भागे थे बैग

कारोबारी बड़नगर से बस में सवार हुआ था। आरोपी भी वही से सवार होकर पीछे की सीट पर बैठ गए थे। रेन फंटे के पास आरोपियों ने बस रुकवाई और व्यापारी के सोने से भरे बैग लेकर भाग गए। नीचे रवि उर्फ बबला गुर्जर ने उनके भागने के लिए बाइक उपलब्ध करवाई। लूट के बाद आरोपियों की प्लानिंग थी कि इंदौर में रुकेंगे। इनके प्लान में गौरव गुर्जर भी शामिल था। वह इंदौर में

ढाबा चलाता है। पुलिस की दबिश बढ़ी तो वहां न, जाकर दूसरी जगह चले गए। सभी आरोपी आपराधिक प्रवृति के हैं। ये लोग एनएनजी ग्रुप बनाकर वारदात की प्लानिंग करते थे। इस मामले में लूट के पूरे माल बरामद नहीं हुई है। पुलिस गौरव गुर्जर की तलाश कर रही है। उसकी गिरफ्तारी से और खुलासे होंगे। अभी रोहित नायक, अभिजीत, राहुल, यशवंत, वीर, मोहम्मद उमर और रवि गुर्जर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

उज्जैन के नागचंद्रेश्वर मंदिर में भीड़ की वजह से अफरातफरी, तीन श्रद्धालु दबे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। नागचंद्रेश्वर मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। अभी तक पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन कर लिए हैं। दर्शन के लिए बढ़ती भीड़ के कारण अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। यह भीड़ हरसिद्धि मंदिर और बड़े गणेश मंदिर के सामने बढ़ी है। इसकी वजह से कई लोग घायल हो गए हैं।

जिला अस्पताल में चल रहा है इलाज

धक्का मुक्की के कारण मौके पर अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस हादसे में तीन लोग दब गए। घायलों को इलाज के लिए उज्जैन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर बड़ी संख्या में प्रशासन के लोग मौजूद हैं। वहीं, प्रशासन लगातार लोगों से पैनिक नहीं होने की अपील कर रही है। ग्वालियर से आए श्रद्धालु ने कहा कि हम दर्शन के लिए जा रहे थे। वीआईपी दर्शन के लिए उन्होंने एक-डेढ़ घंटे के लिए लाइन रोक दी। इस दौरान अचानक से लाइन खुली तो अफरातफरी की स्थिति हो गई। हम सभी रात 12 बजे से लाइन में

लगे थे। इसी दौरान कुछ लोग दब गए। मेरी भतीजी भी घायल हुई है, जिसका नाम सोनम राणा है।

साल में एक बार खुलता है मंदिर का पट

उज्जैन के महाकाल मंदिर परिसर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर का पट साल में एक बार 24 घंटे के लिए खुलता है। यह मंदिर सिर्फ नागपंचमी के दिन खुलता है। रात 12 बजे पूजा अर्चना के बाद मंदिर का पट खोला जाता है। इसके बाद श्रद्धालु जाते हैं। रात 12 बजे से ही मंदिर में श्रद्धालु पहुंच जाते हैं। सोमवार की रात 10 बजे के बाद दर्शन बंद हो जाएगा। गौरतलब है कि आज सावन की सोमवारी भी है। इसकी वजह से उज्जैन में अत्याधिक भीड़ है। पिछली बार नागपंचमी के अवसर 10 लाख श्रद्धालु पूरे प्रदेश से दर्शन के लिए नागचंद्रेश्वर मंदिर पहुंचे थे। इस बार उज्जैन कलेक्टर ने अनुमान जताया था कि अधिक संख्या में लोग पहुंचेंगे।

'कहीं देर न हो जाए...', निषाद आरक्षण के मुद्दे पर संजय निषाद ने बीजेपी को दी चेतावनी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से आरक्षण के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से तत्काल वार्ता करने की अपील की है. उन्होंने कहा कि समाज की आवाज को सुनते हुए इस आरक्षण को जल्द से जल्द लागू करने की दिशा में ठोस पहल होनी चाहिए. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले संजय निषाद ने निषाद आरक्षण के मुद्दे

को फिर से बीजेपी के सामने जोरदार तरीके से उठाया है. उन्होंने बीजेपी नेतृत्व से इस आरक्षण को लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की है. संजय निषाद ने कहा कि यदि इस मुद्दे पर देरी हुई तो समाज के हित प्रभावित हो सकते हैं. संजय निषाद एक कार्यक्रम में पार्टी समर्थकों को संबोधित किया. इसी दौरान उन्होंने राज्य के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह को आगाह करते हुए कहा कि आप आरक्षण के विषय पर समाज की आवाज को सुन रहे हैं ना. हम चाहते हैं कि आप भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से आरक्षण के मुद्दे पर जल्द से जल्द वार्ता कर इसे लागू करवाने की दिशा में ठोस पहल करें उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि कहीं ऐसा न हो कि आरक्षण के मुद्दे पर फैसला लेने में देर हो जाए और इससे समाज के हित प्रभावित हों. आपको बता दें कि संजय निषाद लंबे वक्त से निषाद समाज और उससे जुड़ी उपजातियों जैसे- केवट, मल्लाह, बिन्द, मझवार, और अन्य मछुआरा जातियां को अन्य पिछड़ा वर्ग से हटाकर अनुसूचित जाति (SC कैटेगरी) की सूची में शामिल किया जाए.

गाजियाबाद में 62 किलो खतरनाक टोफू पनीर जब्त नॉन-फूड ग्रेड एसिड से तैयार हो रहा था सोया पनीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। शहर में लोगों की सेहत से खिलवाड़ का एक मामला खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई में सामने आया है। शांति नगर में एक ही परिसर में चल रही दो इकाइयों में टोफू तैयार करने के लिए ऐसा एसिटिक एसिड इस्तेमाल किया जा रहा था, जो खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल के लिए निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं था। जांच के दौरान साफ-सफाई की स्थिति भी खराब मिली। टीम ने मौके से तैयार 62 किलो टोफू के साथ 51 लीटर एसिटिक एसिड जब्त कर लिया। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने शांति नगर स्थित परिसर में औचक निरीक्षण किया। यहां मैसर्स बीएमआर सोया फूड एंड प्रोडक्ट और बालाजी सोया फूड एंड प्रोडक्ट के नाम से टोफू बनाने का काम चल रहा था। जांच के दौरान उत्पादन और भंडारण से जुड़ी व्यवस्थाओं में कई कमियां सामने आईं। टोफू जिस ड्रम में रखा जा रहा था, उसमें इस्तेमाल पानी भी साफ नहीं था। जांच के दौरान दोनों इकाइयों के दस्तावेज भी खंगाले गए। अधिकारियों को पता चला कि संचालकों के पास टोफू निर्माण का लाइसेंस मौजूद था, लेकिन पैकेजिंग के दौरान निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। पैकेट पर खाद्य पदार्थ से संबंधित जरूरी जानकारी भी दर्ज नहीं की जा रही थी। खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त सुरेश कुमार मिश्र ने बताया कि निर्माण प्रक्रिया में इस्तेमाल किया जा रहा एसिटिक एसिड नॉन-फूड ग्रेड का था, जिसका खाद्य पदार्थ तैयार करने में प्रयोग नियमों के विपरीत है।

51 लीटर एसिड जब्त

कार्रवाई के दौरान टीम ने 62 किलो टोफू जब्त किया। इसके अलावा टोफू बनाने में इस्तेमाल हो रहे एसिटिक एसिड के दो नमूने जांच के लिए लिए गए और 51 लीटर एसिड को भी कब्जे में लिया गया। विभाग अब दोनों खाद्य कारोबारियों को अस्वच्छ और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में खाद्य पदार्थ तैयार करने के संबंध में सुधार नोटिस जारी करेगा। अधिकारियों के मुताबिक निर्देशों का पालन नहीं होने पर दोनों इकाइयों के लाइसेंस

निलंबित किए जा सकते हैं।

सोयाबीन के दूध से तैयार होता है टोफू

टोफू को सोया पनीर भी कहा जाता है और यह सोयाबीन के दूध से तैयार किया जाता है। देखने में यह पनीर जैसा सफेद और ठोस होता है, लेकिन इसमें डेयरी का इस्तेमाल नहीं होता। प्रोटीन से भरपूर टोफू में फैट और कैलोरी अपेक्षाकृत कम होती है। इसे हल्का और आसानी से पचने वाला खाद्य पदार्थ भी माना जाता है।

लखनऊ के खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में लगी भीषण आग, काला धुआं और ऊंची लपटें देखकर मची अफरा-तफरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हजरतगंज। यूपी की राजधानी लखनऊ के पॉश इलाके हजरतगंज स्थित खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय भवन में सोमवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे अचानक आग लग गई। बिल्डिंग से काला धुआं और लपटें उठती देख आसपास से गुजर रहे लोगों के अलावा परिसर में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन कंट्रोल रूम को ARO-IP के जरिए इस घटना की

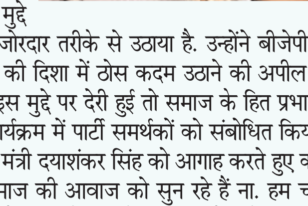

सूचना दी गई, जिसके बाद हजरतगंज अग्निशमन केंद्र से 2 दमकल गाड़ियां फौरन मौके के लिए रवाना की गईं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। बताया जाता है कि दमकल विभाग की गाड़ियां जब घटनास्थल पर पहुंचीं, तब तक पूरी बिल्डिंग में घना धुआं भर चुका था, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल और हजरतगंज के अग्निशमन अधिकारी राम कुमार रावत के नेतृत्व में टीमों ने मोर्चा संभाला। दमकलकर्मियों ने एक तरफ तेजी के साथ हौज लाइन बिछाकर आग बुझाने के लिए पानी की बौछारें शुरू कीं। दूसरी तरफ वेंटिलेशन बनाकर भवन के अंदर फंसे धुएं को बाहर निकालने का काम तेज किया गया। मौके पर मची अफरा-तफरी के बीच दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाते देख लोगों ने राहत की सांस ली। अग्निशमन टीम ने पूरे निदेशालय भवन में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई कर्मचारी या आम नागरिक अंदर फंसा न रह जाए। तत्काल एक्शन और सूझबूझ से कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि या घायल नहीं हुआ। शुरुआती तौर पर आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। हालांकि विभाग द्वारा आग लगने के सटीक कारणों और इससे हुए नुकसान का आकलन करने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है।

एक महीने पहले डिपोर्ट हुई बांग्लादेशी महिला फिर भारत लौटी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पुलिस ने 27 वर्षीय एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया है. महिला को पिछले महीने ही भारत से वापस भेजा गया था, लेकिन वह कथित तौर पर बिना वैध दस्तावेजों के दोबारा भारत में दाखिल होकर शहर में रह रही थी. महिला की पहचान नदीरा सुल्ताना के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, महिला को अवैध तरीके से भारत में दोबारा दाखिल होने और बिना जरूरी यात्रा दस्तावेजों के रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. मामले की जांच जारी है. पुलिस उसके भारत आने के रास्ते और संपर्कों के बारे में जानकारी जुटा रही है. 15 अगस्त की सुबह करीब 8:15 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला एनएस पाटकर रोड पर विल्सन कॉलेज के सामने चौपाटी से सटे फुटपाथ क्षेत्र में घूम रही है. सूचना मिलने के बाद गामदेवी पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे. पुलिस ने मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर एक महिला को वहां पाया. पूछताछ के दौरान महिला अपनी पहचान और पते को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाई. उसके जवाब संदिग्ध लगने के बाद पुलिस उसे आगे की पूछताछ के लिए गामदेवी पुलिस स्टेशन लेकर गई.पुलिस स्टेशन में महिला से उसके नाम, पते और भारत में रहने से जुड़े दस्तावेजों के बारे में जानकारी मांगी गई. जांच के दौरान पुलिस को संदेह हुआ कि महिला के पास भारत में रहने के लिए जरूरी वैध दस्तावेज नहीं हैं. इसके बाद पुलिस ने उसके दस्तावेजों और पुराने रिकॉर्ड की जांच शुरू की. पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया कि महिला को पिछले महीने ही भारत से वापस बांग्लादेश भेजा गया था. आरोप है कि निर्वासन के बाद वह अवैध रास्ते से दोबारा भारत में दाखिल हुई और मुंबई पहुंच गई. पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने भारत में प्रवेश के लिए कौन-सा रास्ता अपनाया और इस दौरान किन लोगों ने उसकी मदद की. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अब महिला के संपर्कों और गतिविधियों की जांच कर रही है. जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या उसके पीछे कोई संगठित नेटवर्क काम कर रहा था या उसने अकेले ही अवैध तरीके से भारत में प्रवेश किया. पुलिस उसके मोबाइल फोन, संपर्कों और यात्रा से जुड़े विवरणों की भी जांच कर सकती है. अवैध रूप से देश में प्रवेश के मामलों को सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर माना जाता है.

डीडीए की हाउसिंग स्कीम पर CAG का बड़ा खुलासा, 39904 फ्लैट खाली और 4983 करोड़ रुपये फंसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण के कामकाज पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने सवाल उठाए हैं। खासकर आवास योजनाओं और फ्लैटों की बिक्री में कमियां सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दिल्ली सरकार को भुगतान करने के बाद भी कुछ अधिग्रहित जमीन का भौतिक कब्जा डीडीए ने नहीं लिया। पिछले सप्ताह संसद में पेश रिपोर्ट के मुताबिक, 2017-18 से 2021-22 की लेखा परीक्षा अवधि में डीडीए ने अलग-अलग इलाकों में कई तरह के मकान और फ्लैट बेचने के लिए 10 आवास योजनाएं शुरू कीं। रिपोर्ट में कहा गया कि पुरानी सूची को अलग-अलग आवास योजनाओं में बिक्री के लिए रखा गया। वहीं, पिछली योजनाओं में फ्लैट लौटाने और रद्द होने के कारणों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। ग ने कहा कि आवास योजनाओं में पेश किए गए फ्लैटों के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा उपलब्ध है या नहीं, यह सुनिश्चित किए बिना ही योजनाएं शुरू कर दी गईं। रिपोर्ट के अनुसार, 2017 के बाद शुरू की गई 10 आवास योजनाओं में डीडीए ज्यादातर फ्लैट बेच नहीं पाया। 31 मार्च 2024 तक डीडीए के पास कुल 39,904 फ्लैट खाली थे। इनमें 38,576 फ्लैट यानी 96.7 प्रतिशत निम्न आय वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के थे। इन फ्लैटों की बिक्री से मिलने वाली करीब 4,983 करोड़ रुपये की रकम भी फंसी हुई है। कैग की रिपोर्ट में डीडीए के पास मौजूद बिना बिके पार्किंग गैरेज का भी जिक्र है।

'कांग्रेस ने मुसलमानों को खुश करने के लिए किया है', सोनिया गांधी से जुड़े वंदे मातरम विवाद पर बोले मौलाना रशीदी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने वंदे मातरम पर सोनिया गांधी के रुख पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वंदे मातरम के पूरे गायन का विरोध करती है। कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम गाने को लेकर विवाद पर मौलाना रशीदी ने दो टूक कहा कि कांग्रेस ने ऐसा अपने वोट बैंक के लिए किया है। कांग्रेस ने मुसलमानों को खुश करने और संविधान में मुस्लिम समुदाय को मिली धार्मिक आजादी के लिए किया है। मौलाना साजिद रशीदी ने कहा कि भारत में मुसलमान दूसरी सबसे बड़ी आबादी है। इस दूसरी सबसे बड़ी आबादी की भावनाओं का ध्यान रखना हर सरकार और हर विपक्षी पार्टी की जिम्मेदारी है। सरकार इन भावनाओं का ध्यान नहीं रख रही है। उन्होंने आगे कहा कि सभी पार्टियों ने मुसलमानों को ठगा है। मौलाना ने कांग्रेस पर वोटबैंक की राजनीतिक का भी आरोप लगाया। मौलाना साजिद रशीदी ने आगे कहा कि सरकार 'वंदे मातरम' को लेकर एक बिल लाई थी। हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने जो किया वह अच्छा था क्योंकि कांग्रेस का 1937 में एक प्रस्ताव था। इसमें मुसलमानों की ओर उठाई गई आपत्तियों के बाद गीत की आखिरी छह पंक्तियों को आधिकारिक तौर पर इससे हटा दिया गया था। यह मुसलमानों के विरोध करने के बाद हटाया गया। मौलाना ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उन पंक्तियों को शामिल करके वंदे मातरम् को गाने के लिए कहा। एक बात जरूर है कि कांग्रेस ने ऐसा अपने वोट बैंक के लिए किया है।

वंदे मातरम् पर बवाल! सोनिया गांधी-राहुल गांधी के खिलाफ FIR की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर विवाद बढ़ गया है. दिल्ली पुलिस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है. शिकायत में कथित तौर पर गीत के गायन में बाधा डालने के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है. स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर अब विवाद गहराता जा रहा है. इस मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है. शिकायत में दोनों नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच करने की मांग की गई है. यह शिकायत 16 अगस्त को अधिवक्ता कुणाल विनायक और शुभ शर्मा की ओर से संबंधित थाने के थाना प्रभारी को दी गई. शिकायत में कहा गया है कि 15 अगस्त को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम के गायन के समय सोनिया गांधी ने कुछ ऐसे इशारे किए, जिन्हें शिकायतकर्ता ने गीत के गायन पर आपत्ति के तौर पर देखा. शिकायत में सार्वजनिक रूप से सामने आए वीडियो और मीडिया रिपोर्ट्स का भी हवाला दिया गया है. शिकायत में एक कथित वीडियो का जिक्र करते हुए राहुल गांधी के उस बयान की जांच की मांग की गई है, जिसमें उनके द्वारा कहा गया बताया गया है, 'हम वंदे मातरम नहीं गा रहे हैं.' शिकायतकर्ता का कहना है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के कथित व्यवहार के पीछे की मंशा और पूरे घटनाक्रम की जांच जरूरी है. शिकायत में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान से जुड़े प्रस्तावित संशोधन विधेयक, 2026 का भी हवाला दिया गया है. इसमें कहा गया है कि प्रस्तावित संशोधन के तहत राष्ट्रगान या राष्ट्रीय गीत के गायन को जानबूझकर रोकने या ऐसे कार्यक्रम में बाधा डालने पर तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान किया जा सकता है. शिकायतकर्ता ने पुलिस से यह भी कहा है कि सबसे पहले यह स्पष्ट किया जाए कि घटना के समय और शिकायत दर्ज होने की तारीख पर इस प्रस्तावित संशोधन की कानूनी स्थिति क्या थी. इसके बाद ही लागू कानून के तहत आगे की कार्रवाई की जाए.

मुंबई में शहीदों को सलामः उत्तर भारतीय संघ ने 4 शहीद सैनिकों के परिवारों को किया सम्मानित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। उत्तर भारतीय संघ ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर चार शहीद सैनिकों के परिवारों को सम्मानित किया और हर परिवार को एक-एक लाख रुपये दिए. सम्मानित होने वालों में नायक सुनील नखाते, लांस नायक रत्नाकर कलांबे, नायक माणिक दमदमे और सिपाही एकनाथ माने शामिल थे, जो अलग-अलग सैन्य अभियानों में शहीद हुए थे. 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुंबई में उत्तर भारतीय संघ ने चार शहीद सैनिकों के परिवारों को सम्मानित करते हुए हर परिवार को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक मदद दी. जब पूरा देश आजादी का जश्न मना रहा था, उसी दिन संगठन ने उन जवानों की कुर्बानी को याद किया जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी जान दे दी. समारोह में नायक सुनील काशीराम नखाते, लांस नायक रत्नाकर रामजी कलांबे, नायक माणिक भीमराव दमदमे और सिपाही एकनाथ भीकू माने के परिवारों को सम्मानित किया गया. नायक सुनील काशीराम नखाते 16 सितंबर 2004 को श्रीनगर के कुपवाड़ा में ऑपरेशन रक्षक के दौरान शहीद हुए थे. 7 मराठा लाइट इन्फैंट्री के लांस नायक रत्नाकर रामजी कलांबे 5 मार्च 2001 को जम्मू-कश्मीर के डोडा सेक्टर में इसी ऑपरेशन के दौरान शहीद हुए. 12 मराठा लाइट इन्फेंट्री के नायक माणिक भीमराव दमदमे 4 मई 2001 को पुंछ जिले के तिंबरा गांव में शहीद हुए थे. उन्होंने ऊंचाई वाले मुश्किल इलाकों में लंबे समय तक सेवा दी थी और उन्हें हाई एल्टीट्यूड मेडल समेत कई सम्मान मिल चुके थे. उनकी आखिरी तैनाती 17 राष्ट्रीय राइफल्स में थी. सिपाही एकनाथ भीकू माने 1982 में नागालैंड में हुए एक घात हमले में शहीद हुए थे. समारोह में उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आर.एन. सिंह ने कहा कि यह पहल किसी मुआवजे के तौर पर नहीं बल्कि शहीदों के प्रति सम्मान जताने के लिए की गई है. उन्होंने कहा कि कोई भी आर्थिक मदद किसी परिवार के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन नागरिक होने के नाते यह जिम्मेदारी बनती है कि शहीदों के बलिदान को याद रखा जाए और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहा जाए.

दिल्ली के प्रेम नगर में बारिश बनी काल, सड़क किनारे पानी से भरे प्लॉट में डूबकर युवक की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रेम नगर. प्रेम नगर थाना इलाके में खाली प्लॉट में भरे बारिश के पानी में गिरने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान हिमांशु पाल के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, हिमांशु प्रेम नगर के बृज विहार इलाके में परिवार के साथ रहते थे और मुंडका की एक फैक्ट्री में काम करते थे। परिजनों ने बताया कि वह गुरुवार शाम काम खत्म कर घर के लिए निकले थे। इसी दौरान सड़क किनारे खाली प्लॉट में भरे पानी में गिर गए और वहां से उठ नहीं सके। कुछ देर बाद एक पड़ोसी की नजर बारिश के पानी से भरे प्लॉट पर पड़ी। वहां हिमांशु पानी में पड़े दिखाई दिए। पड़ोसी ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी।हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पीड़ित परिवार ने बताया कि किराड़ी इलाके में कई खाली प्लॉटों में कई फीट तक पानी भरा हुआ है। इनमें गिरने से आगे भी हादसों का खतरा बना हुआ है। कुछ प्लॉट निजी हैं लेकिन सड़क नीचे होने से उनमें कई फीट तक पानी जमा हो जाता है। परिवार ने मांग की है कि ऐसे प्लॉटों के मालिकों की पहचान कर उन्हें चारदीवारी कराने के निर्देश दिए जाएं। ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। पानी की निकासी के लिए उचित कदम उठाए जाएं।

मुंबई में इनकम टैक्स कार्यालय के बेसमेंट में लगी आग मुंबई के आयकर विभाग के दफ्तर के बेसमेंट में आग लग गई है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में आयकर विभाग के दफ्तर में आग लग गई. आग दफ्तर के बेसमेंट में लगी है. आयकर विभाग के दफ्तर के बेसमेंट में आग लगने की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं. मुंबई फायर ब्रिगेड ने 2 बजकर 10 मिनट पर आग लगने की इस घटना को लेवल-1 की घटना घोषित किया है जानकारी के मुताबिक मुंबई के कार्वे रोड पर आयकर भवन स्थित है. इसी भवन में आयकर विभाग का कार्यालय है. मुंबई के कार्वे रोड स्थित इस बिल्डिंग के बेसमेंट में सोमवार को आग लग गई. आग लगने की सूचना कर्मचारियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को दी. सूचना पाकर फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने के लिए तत्काल मौके पर कई गाड़ियां रवाना कर दीं. मौके पर बीएमसी की मुंबई फायर ब्रिगेड और वार्ड स्टाफ के साथ ही पुलिस, बीईएसटी और 108 एम्बुलेंस भी पहुंच गई हैं. आग लगने की इस घटना में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है. महाराष्ट्र में आग लगने की यह एक ही दिन में दूसरी घटना है. गौरतलब है कि कांदिवली के एक होटल में भी आग लग गई थी. कांदिवली वेस्ट में स्टेशन रोड पर अभिराई होटल के पास लगी आग ने फल के अस्थायी स्टॉल को अपनी आगोश में ले लिया था. आग की लपटें इतनी विकराल हो गई थीं कि तिरुपति बैंक्वेट की चौथी मंजिल तक पहुंच गई थीं. आग लगने की इस घटना को भी मुंबई फायर ब्रिगेड ने लेवल एक की घटना घोषित किया था. फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने इस घटना में ऊपर की मंजिलों पर फंसे 11 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया. इस घटना में बिजली की वायरिंग, बिजली के सामान, लकड़ी के फर्नीचर, तिरपाल, प्लास्टिक और बांस के सामान जल गए थे.

UNESCO की धरोहर सूची में शामिल होगा महाराष्ट्र का दही हांडी उत्सव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार दही हांडी उत्सव को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल कराने के प्रयास करेगी। इस पारंपरिक उत्सव का प्रदर्शन करने के लिए 'गोविंदाओं' (ऊंचे मानव पिरामिड बनाने वाले प्रतिभागियों) को स्पेन भेजेगी। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने यह जानकारी दी। आशीष शेलार ने दही हांडी समूहों से अपील की कि वे उत्सव के दौरान सुरक्षा नियमों, यातायात नियमों और अन्य सावधानियों का सख्ती से पालन करें। उन्होंने कहा कि आयोजकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आम नागरिकों और पैदल चलने वालों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

परेल में दही हांडी गोविंदा के कार्यक्रम में पहुंचे

सांस्कृतिक मामलों के मंत्री मुंबई के परेल में 'महाराष्ट्र राज्य दही हांडी गोविंदा एसोसिएशन' द्वारा आयोजित 'कृष्णानंद सोहला' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में महिला और पुरुष दही हांडी टीमों के प्रतिनिधियों, गोविंदाओं तथा इस उत्सव से जुड़े विभिन्न संगठनों ने हिस्सा लिया। हम दही हांडी उत्सव को यूनेस्को की विरासत सूची में शामिल कराने की कोशिश कर रहे हैं और अपने गोविंदाओं को स्पेन भी भेजेंगे। आशीष शेलार

क्या है दही हांडी त्योहार

दही हांडी का त्योहार भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव यानी 'कृष्ण जन्माष्टमी' के अगले दिन मनाया जाता है। इसमें प्रतिभागी (गोविंदा) दही, मक्खन और दूध से भरे मटके को तोड़ने के लिए कई परतों वाला मानव पिरामिड बनाते हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सुरक्षा और जनहित का ध्यान रखते हुए महाराष्ट्र के पारंपरिक त्योहारों को उचित संरक्षण देना सुनिश्चित करेगी। मानव पिरामिड और मीनारें बनाने की यह पारंपरिक प्रथा दही हांडी उत्सव और स्पेन के बीच एक साझा कड़ी है। स्पेन में विभिन्न समुदाय मानव मीनारें बनाने की परंपरा का पालन करते हैं, जिसे 'कैस्टेल्स' कहा जाता है।

सोनिया गांधी ने दी थी मंजूरी, कांग्रेस में आने वाले थे गोपीनाथ मुंडे, महाराष्ट्र के पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण का बड़ा दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और गांधी परिवार को भरोसेमंद मान जाने वाले कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने बड़ा सियासी बम फोड़ा है। चव्हाण ने दावा किया है कि महाराष्ट्र में बीजेपी के चोटी के नेता रहे गोपीनाथ मुंडे एक वक्त पर कांग्रेस में आना चाहते थे। उनकी एंट्री को सोनिया गांधी ने मंजूरी दे दी थी। उनकी कांग्रेस में एंट्री हो लेकर तब अहमद पटेल के साथ गुप्त बैठकें भी हुई थीं। चव्हाण कहा कहना है उनके मुख्यमंत्री रहने के बाद यह हुआ था। मुंडे ने कांग्रेस में आने के लिए मंत्री पद की शर्त रखी थी और इस प्रस्ताव को तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की मंजूरी भी मिल गई थी, लेकिन अंत में मामला बिगड़ा गया था। पृथ्वीराज चव्हाण के दावे को मुंडे की बेटी और मंत्री पंकजा मुंडे ने खारिज कर दिया है। चव्हाण के मुताबिक कांग्रेस में शामिल होने के लिए मुंडे ने एक अहम शर्त रखी थी। वह चाहते थे कि पार्टी में आने के बाद उन्हें मंत्री पद दिया जाए. मुंडे को डर था कि अगर उन्हें मंत्री पद नहीं मिला तो नागपुर के दो प्रभावशाली नेता उनके राजनीतिक भविष्य के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा किया कि गोपीनाथ मुंडे के कांग्रेस में आने के प्रस्ताव को तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की मंजूरी मिल गई थी। इसके बाद मुंडे के कांग्रेस में शामिल होने की संभावना काफी मजबूत हो गई थी। पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा किया कि गोपीनाथ मुंडे के कांग्रेस में आने की वाले थे लेकिन तब डॉ. मनमोहन सिंह ने एंट्री के साथ मंत्री बनाने पर आपत्ति जताते हुए इसे ठीक नहीं माना था। इसके बाद बातचीत टूट गई थी। गोपीनाथ मुंडे महाराष्ट्र में बीजेपी की नींव रखने और मजबूत करने वाले माने जाते हैं। उनकी बेटी पंकजा मुंडे अभी महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। मुंडे बीड से रहने वाले थे। वह राज्य में ओबीसी के बड़े नेता थे। कि दिवंगत बीजेपी दिग्गज गोपीनाथ मुंडे कांग्रेस में शामिल होने की कगार पर थे और उन्होंने यूपीए-2 सरकार में केंद्रीय मंत्री पद की मांग की थी। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण के दावे का पंकजा मुंडे ने खंडन किया है। कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा है कि दिवंगत बीजेपी नेता गोपीनाथ मुंडे कांग्रेस में शामिल होने वाले थे। ये बातें अनुचित और बेमतलब हैं। मुंडे ने कहा कि अब इस पर चर्चा करने का क्या मतलब है? इसका अब कोई महत्व नहीं है। मुंडे साहब अब हमारे बीच नहीं हैं, इसलिए अब उनके बारे में बात करना न तो उचित है और न ही प्रासंगिक। पंकजा ने बीजेपी के प्रति अपने पिता की जीवन भर की निष्ठा को दोहराया और इस बात पर ज़ोर दिया कि निधन के बाद की निजी बातचीत का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

दिल्ली मार्च की अनुमति दें : डल्लेवाल ने मोदी और हरियाणा सरकार से की अपील

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन एकता (सिद्धूपुर) के प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सरकार से अपील की है कि वे भारत-अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते का विरोध कर रहे किसानों को दिल्ली की ओर बढ़ने दें। किसान खनौरी बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। डल्लेवाल ने कहा कि किसान सीमित संख्या में शांतिपूर्ण पैदल मार्च करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें खनौरी बॉर्डर पर रोक दिया गया है। उन्होंने बताया कि रात होने पर भी किसान सड़क किनारे सो रहे हैं, पर दृढ़ हैं। उनका कहना था कि हरियाणा सरकार से उनका कोई झगड़ा नहीं है, वे केवल दिल्ली तक पहुंचना चाहते हैं। किसान नेता ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए एमएसपी की कानूनी गारंटी, कृषि ऋण माफी और स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने को मुख्य मांग बताया। उन्होंने सरकार से इन मांगों पर तुरंत कार्रवाई का आग्रह किया। डल्लेवाल ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से मामले का संज्ञान लेकर रास्ता दिखाने की मांग की। हरियाणा पुलिस ने किसानों के दिल्ली मार्च को रोकने के लिए खनौरी चेकपॉइंट पर भारी बैरिकेडिंग की है, जिससे किसान वहीं रात बिताने को मजबूर हैं।

गाजियाबाद में चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कटी, मौत

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक बार फिर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का कहर देखने को मिला। एनएच-9 पर मीडिया हाउस के पास चाइनीज मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार रवि राज (28) की गर्दन बुरी तरह कट गई, जिससे अधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर प्रशासन के दावों और जानलेवा मांझे के प्रतिबंध पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नोएडा के अकबरपुर बहरामपुर निवासी रवि राज अपने साथी नरेश के साथ स्वतंत्रता दिवस के दिन एनएच-9 से बाइक पर गुजर रहा था। इसी दौरान अचानक हवा में लटका एक तेज धार वाला चाइनीज मांझा उसकी गर्दन में उलझ गया। मांझे की धार इतनी तेज थी कि उसने रवि राज की गर्दन को बुरी तरह काट दिया, जिससे वह बाइक से गिरकर सड़क पर लहूलुहान हो गया। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। साथी नरेश ने खून रोकने की भरसक कोशिश की, लेकिन गहरा जख्म होने के कारण रक्तस्राव अनियंत्रित रहा। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रवि राज को वैशाली स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। इस घटना से जुड़ा एक भयावह वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें रवि राज गंभीर हालत में सड़क पर पड़ा दिखाई दे रहा है। यह हादसा एक बार फिर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खुलेआम इस्तेमाल और बिक्री को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोगों का आरोप है कि प्रतिबंध के बावजूद यह जानलेवा मांझा बाजारों में धड़ल्ले से बिक रहा है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस और प्रशासन से मांझे की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और इसकी सप्लाई चेन को पूरी तरह तोड़ने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी कोई और जान इस खतरनाक डोर की वजह से न जाए। प्रशासनिक निगरानी की कमी और प्रभावी प्रतिबंध लागू न हो पाना ऐसे हादसों का मुख्य कारण बनता जा रहा है।

पीएम मोदी से हाथ मिलाने वाले बच्चे का रिएक्शन हुआ वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्कूली बच्चों के साथ एक यादगार और भावुक पल सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हुआ है। हाल ही में हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, भाषण समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों, एनसीसी कैडेट्स और माई भारत स्वयंसेवकों के बीच पहुंचे। इस दौरान बच्चों में प्रधानमंत्री मोदी को अपने करीब देखकर अभूतपूर्व उत्साह और उत्सुकता देखने को मिली। वायरल वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी को लाल साफा पहने बच्चों की कतार की तरफ बढ़ते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही बच्चों को एहसास होता है कि पीएम मोदी उनकी तरफ आ रहे हैं, उनका एक्साइटमेंट लेवल बढ़ जाता है। इसी दौरान भीड़ में से एक उत्साहित आवाज़ सुनाई देती है- यार! ओ भाई! गाइज मैंने अभी-अभी पीएम मोदी से हाथ मिलाया है, सब्सक्राइब माय फ्रेंड। यह हल्का-फुल्का और मासूम पल तुरंत सबका ध्यान खींचने लगा और लोगों को खूब पसंद आया। इस मौके पर एक और हृदयस्पर्शी दृश्य भी सामने आया, जब एक बच्ची का पैर छूते वक्त उसकी टोपी गिर गई और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं झुककर टोपी उठाकर बच्ची को पहनाई। ये दोनों ही क्षण दिखाते हैं कि कैसे बच्चे और युवा प्रधानमंत्री मोदी को करीब से देखकर अपनी खुशी छिपा नहीं पा रहे थे। यह वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग बच्चों की मासूमियत और उत्सुकता भरे रिएक्शन को खूब सराह रहे हैं। हजारों की संख्या में शेयर किया जा रहा है।

वंदे मातरम् न गाने के विरोध में सीएम सतीशन का पुतला फूंका

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस पर केरल में वंदे मातरम् नहीं गाए जाने के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने रविवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के पुतले जलाए। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'क्लिफ हाउस' तक पहुंचे और वहां विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा के प्रदेश महासचिव एस. सुरेश ने प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए आरोप लगाया कि भारत के विभाजन का नेतृत्व करने वाले जिन्ना की तरह ही मुख्यमंत्री सतीशन भी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और जमात-ए-इस्लामी के दबाव में काम कर रहे हैं। एस. सुरेश ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित अन्य राज्यों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वंदे मातरम् गाया गया, लेकिन केरल में ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस मुस्लिम लीग और अन्य संगठनों के दबाव में है। भाजपा नेता ने कहा कि वंदे मातरम् को लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन किए गए। प्रदर्शन के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शोन जॉर्ज, शहर जिला अध्यक्ष करमना जयन और युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वी. मनुप्रसाद समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्रों का दर्द: देशद्रोही और आतंकवादी कहा, 6 घंटे बंधक बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर देश के युवाओं और छात्र-छात्राओं के साहस की सराहना की है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के खिलाफ मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की और यह संघर्ष शांति, संयम, प्रेम और हास्य के साथ लड़ा। राहुल गांधी ने करीब साढ़े दस मिनट का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वे नीट प्रदर्शन में शामिल रहे छात्रों से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। छात्रों ने बातचीत के दौरान पुलिस कार्रवाई, कथित लाठीचार्ज और हिरासत से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उनका आरोप था कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बर्बरता की और कई छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया। कुछ छात्रों ने पैलेट गन के इस्तेमाल का भी दावा किया और गंभीर रूप से घायल होने की घटनाएं बताईं।

छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को देशद्रोही और आतंकवादी कहा गया, कई लोगों को घंटों तक हिरासत में रखा गया और उनके मोबाइल फोन ले लिए गए। कुछ छात्राओं ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों और वीडियो के गलत इस्तेमाल तथा मानसिक प्रताड़ना का आरोप भी लगाया।

छात्रों ने दावा किया कि कुछ लड़कियों को कैमरे के सामने माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया, जबकि उन्होंने कोई गलती नहीं की थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब माफी स्वेच्छा से नहीं मांगी गई थी तो उसे स्वीकार करने का क्या औचित्य था। छात्रों ने पूरी घटना को दिखावा करार दिया।

राहुल गांधी ने विशेष रूप से छात्राओं के संघर्ष और हिम्मत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुश्किल परिस्थितियों, कथित बदसलूकी, धमकियों और दबाव के बावजूद लड़कियों का हौसला नहीं टूटा है। उनका कहना है कि देश की बेटियों की आवाज अब दबाई नहीं जा सकेगी। राहुल गांधी ने बताया कि 22 अगस्त को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से लड़कियों के लिए होगा, जहां वे खुलकर अपनी बात रखेंगी। उन्होंने युवाओं और आम लोगों से इस मुहिम से जुड़ने की अपील की है। इसके लिए पोस्ट में रजिस्ट्रेशन की जानकारी और क्यूआर कोड भी साझा किया गया है।

कर्नाटक में 3 तमिलों की हत्या की मुख्यमंत्री विजय ने कड़ी निंदा की, निष्पक्ष जांच की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कर्नाटक वन विभाग की गोलीबारी में तीन ''तमिलों'' के मारे जाने की कड़ी निंदा की है। यह घटना 15 अगस्त की सुबह चामराजनगर जिले के हनूर तालुक में कावेरी वन्यजीव अभयारण्य इलाके में हुई थी, जिसमें एंथनी सैमी, जॉन रोज पीटर और कुमार नामक 3 लोग मारे गए थे। मुख्यमंत्री विजय ने घटना को बेहद पीड़ादायक और निर्मम हत्या बताकर कर्नाटक वन विभाग द्वारा दी गई सफाई को अस्वीकार्य बताया है। उन्होंने एक उच्च-स्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है, जिससे दोषियों को उचित सजा मिले और पीड़ितों के परिवारों को पड़ोसी राज्य से आवश्यक मुआवजा प्राप्त हो सके। विजय ने कर्नाटक सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया। वहीं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और पूर्व सीएम एम.के. स्टालिन ने क्रूर और अमानवीय कृत्य पर हैरानी जताकर तमिलनाडु सरकार से मेकेदातु बांध के मुद्दे की तरह मामले में चुप नहीं रहने का आग्रह किया है। दूसरी ओर, कर्नाटक वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह घातक घटना शनिवार सुबह शग्या रेंज के घने वन क्षेत्र में हुई, जब संदिग्ध शिकार गतिविधि की सूचना पर वनकर्मियों का सामना चार लोगों से हुआ, जिसमें से एक मौके से फरार हो गया। मारे गए लोगों में से एक की पत्नी की शिकायत के आधार पर, हनूर पुलिस ने घटना में शामिल वन अधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) (हत्या की सजा से संबंधित) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश देने की बात कहकर मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में गोलीबारी से जुड़ी परिस्थितियों, जिसमें आत्मरक्षा या गोलीबारी की शुरुआत किसने की, का पता लगाया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने आरएसएस को जैश-तालिबान से जोड़ा, रजिस्ट्रेशन पर बहस गर्म

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना जैश-ए-मोहम्मद और तालिबान से कर नया विवाद खड़ा किया है। बेंगलुरु में कांग्रेस नेता हरिप्रसाद ने कहा कि इन तीनों संगठनों में कोई अंतर नहीं है क्योंकि ये सभी भारत में रजिस्टर्ड नहीं हैं।

उन्होंने वंदे मातरम और राष्ट्रगान से जुड़े विवादों का ज़िक्र कर कहा कि केरल के वाइस चांसलर मोहनन कुन्नुम्मल ने आरएसएस के बारे में बिल्कुल सही कहा था, जो न राष्ट्रगान गाते हैं और न ही तिरंगा फहराते हैं। ये टिप्पणियां सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ वंदे मातरम में कथित बाधा डालने पर एफआईआर दर्ज होने और वीसी कुन्नुम्मल द्वारा हाल ही में राष्ट्रगीत का विरोध करने वालों की निंदा के बाद आई हैं।

आरएसएस के पंजीकरण को लेकर छिड़ी बहस के बीच, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल.संतोष ने पलटवार कर कहा कि संघ को कानूनी रजिस्ट्रेशन की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन की पहचान कागज़ी कार्रवाई से नहीं, बल्कि जनता के भरोसे से होती है और यह 1925 से बिना किसी कानूनी दर्जे के सफलतापूर्वक काम कर रहा है। संतोष ने विभाजन जैसे मुश्किल समय में भी आरएसएस के योगदान को रेखांकित किया।

इस पर प्रतिक्रिया देकर कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने संघ से स्पष्ट करने की मांग की कि वह किन भारतीय कानूनों के तहत संपत्ति रखती है, बैंक खाते चलाती है और दान प्राप्त करती है। उन्होंने कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन वाली संस्थाएं सीधे तौर पर संपत्ति कैसे रख सकती हैं? खड़गे ने संगठन के ऑडिट किए गए खातों और टैक्स फाइलिंग की जानकारी भी मांगी, यह कहते हुए कि कानूनी पारदर्शिता की जगह इतिहास नहीं ले सकता और बढ़ती पहुंच के साथ सार्वजनिक जवाबदेही भी बढ़नी चाहिए।

मैं आर्टिकल 370 को सपोर्ट करती हूं, मैं दिमागी नक्सल हूं

यह कहते हुए महबूबा मुफ्ती ने किया किरन रिजिजू पर पलटवार

-पीएम मोदी के 'दिमागी नक्सल' बयान पर सियासी घमासान तेज, मनोज झा और पी. चिदंबरम ने भी साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण में इस्तेमाल किए गए 'दिमागी नक्सल' शब्द को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा प्रधानमंत्री के बयान का समर्थन किए जाने के बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने उन पर पलटवार किया है। महबूबा ने रिजिजू की पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर री-शेयर करते हुए लिखा, 'मैं आर्टिकल 370 का समर्थन करती हूं। मैं दिमागी नक्सल हूं।'

दरअसल, किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री मोदी के बयान को लेकर सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे विपक्ष को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है। उन्होंने दावा किया कि यह शब्द उन लोगों के लिए इस्तेमाल किया गया है जो माओवादियों का समर्थन करते हैं, भारतीय संविधान को खारिज करते हैं, अलगाववादियों के साथ खड़े होते हैं या अनुच्छेद 370 का समर्थन करते हैं। रिजिजू ने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने के लिए 'चिकन नेक' काटने की बात करने वालों को भी इस श्रेणी में रखा जा सकता है।

उनके इसी बयान पर जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने निशाना साधते हुए अपने पिता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर साझा की और रिजिजू के दावे पर व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया दी है।

मनोज झा बोले- राजनीतिक शब्दावली का विस्तार कर रहे पीएम

आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने भी प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि 'अर्बन नक्सल' से लेकर 'दिमागी नक्सल' तक प्रधानमंत्री राजनीतिक शब्दावली का लगातार विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि यदि 'अर्बन नक्सल' पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री है तो 'दिमागी नक्सल' निश्चित रूप से पीएचडी होगी। उन्होंने कहा कि इसी रफ्तार से जल्द ही एक पूरे विश्वविद्यालय और नए शब्दकोश की जरूरत पड़ सकती है।

चिदंबरम ने 'अर्बन नक्सल' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से जोड़ा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने भी प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने 'दिमागी नक्सल' को बीजेपी की पुरानी राजनीतिक शब्दावली का नया रूप बताया। चिदंबरम ने इसे 'अर्बन नक्सल', 'आंदोलनजीवी' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' जैसे शब्दों से जोड़ते हुए सवाल किया कि इन शब्दों का इस्तेमाल किन लोगों को निशाना बनाने के लिए किया गया था।

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर किया था जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल करते हुए देशवासियों को ऐसे लोगों से सतर्क रहने की अपील की थी, जो उनके अनुसार व्यवस्था में गहराई तक पैठ बना चुके हैं और नीतियों के साथ खिलवाड़ कर समाज के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा था कि देश जंगलों में सक्रिय सशस्त्र नक्सलवाद को समाप्त करने में काफी हद तक सफल रहा है, लेकिन उसके वैचारिक समर्थक अब भी हिंसा और अराजकता फैलाने के अवसर तलाश रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें अलग-थलग करने की अपील की थी। इसी बयान के बाद विपक्षी दलों ने सरकार पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए नई शब्दावली गढ़ने का आरोप लगाया है।

'उन्हें बार-बार बदनाम किया गया...', आशीष के निधन पर ममता की भावुक पोस्ट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बनर्जी के निधन पर गहरा दुख जताया है। रामपुरहाट विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रहे आशीष बनर्जी की देह रविवार को बीरभूम जिले में स्थित पार्टी कार्यालय में फंदे से लटकी मिली थी। उनके निधन के बाद राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट में कहा कि आशीष बनर्जी के निधन से वह बेहद दुखी और व्यथित हैं। उन्होंने लिखा कि आशीष बनर्जी ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा अध्यापन और समाजसेवा को समर्पित किया। अपने सरल स्वभाव और रामपुरहाट तथा बीरभूम के लोगों के साथ करीबी जुड़ाव के कारण वह हमेशा याद किए जाएंगे। ममता ने कहा कि इस घटना को और भी दर्दनाक बनाने वाली बात यह है कि अपने जीवन के अंतिम दिनों में आशीष बनर्जी भारी मानसिक और भावनात्मक दबाव से गुजरते दिखाई दिए। पांच बार विधायक, पूर्व डिप्टी स्पीकर और चेयरमैन के रूप में उन्होंने रामपुरहाट के विकास तथा लोगों के हित के लिए महत्वपूर्ण काम किए।

'बार-बार बदनाम किया गया'

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि लंबे सार्वजनिक जीवन के बावजूद आशीष बनर्जी को बार-बार बदनाम किया गया, उन पर झूठे आरोप लगाए गए और लगातार दबाव में रखा गया। उन्होंने कहा कि जिस तरह के उत्पीड़न और मानसिक दबाव का उन्हें सामना करना पड़ा, वह राजनीतिक दुश्मनी की लगातार चल रही स्थिति की मानवीय कीमत पर सोचने के लिए मजबूर करता है। उन्होंने आशीष बनर्जी के परिवार, प्रियजनों, पूर्व छात्रों और उनके समर्थकों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी प्रार्थनाएं परिवार के साथ हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस जांच की मांग की

आशीष बनर्जी के निधन पर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी शोक जताया। उन्होंने कहा कि आशीष बनर्जी के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी। अधिकारी ने परिवार से पुलिस जांच में सहयोग करने की अपील की और मामले की निष्पक्ष जांच के लिए कॉल रिकॉर्ड की भी जांच किए जाने की मांग की। आशीष बनर्जी के निधन के बाद टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी सहित पार्टी के कई नेताओं ने भी भाजपा और मीडिया के एक वर्ग पर पार्टी नेताओं के खिलाफ कथित बदनामी अभियान चलाने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच पुलिस जांच पर भी सबकी नजर है।

हरसिमरत कौर ने सुखबीर बादल पर हमलों की एनआईए जांच की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अपने पति और शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमलों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। यह मांग 13 अगस्त, 2026 को महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित श्री हजूर साहिब गुरुद्वारे में शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल पर हुए हमले और 4 दिसंबर, 2024 को अमृतसर के गोल्डन टेम्पल में उनकी जान लेने की कोशिश के संदर्भ में की गई है।

हरसिमरत ने नांदेड़ की घटना को हत्या की एक कायराना और जघन्य कोशिश बताया। उन्होंने घटना की गंभीरता, उसके तरीके और परिस्थितियों का हवाला देकर केंद्र से इसकी जांच एनआईए को सौंपने की अपील की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में 13 अगस्त, 2026 के हमले और 4 दिसंबर, 2024 की पिछली घटना, दोनों की उच्च-स्तरीय जांच का आदेश देने की मांग की है। उन्होंने दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंध और किसी बड़ी साजिश की भी जांच करने को कहा। हरसिमरत ने केंद्रीय मंत्री शाह को लिखे अपने पत्र में कहा कि इन दोनों जानलेवा कोशिशों में कई परेशान करने वाली समानताएं थीं, जिससे गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने पंजाब में राजनीतिक संघर्ष के लिए हिंसा को सामान्य और उचित ठहराने के तरीके पर चिंता व्यक्त की।

सांसद हरसिमरत ने कहा कि केवल एक स्वतंत्र केंद्रीय जांच ही घटनाओं की पूरी कड़ी का पता लगा सकती है, इसमें शामिल व्यक्तियों और संगठनों की पहचान हो सकती है, हमलों के जुड़ाव की पुष्टि कर सकती है, किसी भी संभावित चरमपंथी या विदेशी लिंक की जांच कर सकती है, और यह भी निर्धारित कर सकती है कि क्या सरकारी अधिकारियों की ओर से कोई विफलता, मिलीभगत या जानबूझकर कर्तव्य में लापरवाही बरती गई थी।

'मुझे व्यवस्था से मुक्त करें!' शहजाद पूनावाला ने दोबारा भेजा इस्तीफा

-पहले इस्तीफे के बाद पार्टी ने कहा था- फैसले पर पुनर्विचार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व को इस्तीफा भेजकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त करने का आग्रह किया है। पार्टी की ओर से उनका पहला इस्तीफा स्वीकार नहीं किए जाने के बाद पूनावाला ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को नया पत्र लिखा है। उन्होंने पद और सक्रिय सदस्यता छोड़ने के अपने फैसले को दोहराते हुए नेतृत्व से इस्तीफा स्वीकार करने की अपील की है।

पूनावाला ने अपना पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी साझा किया। उन्होंने कहा कि वह आभारी हैं कि पार्टी ने शुरुआती दौर में उनका इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार किया और उनसे फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। हालांकि, लंबे और गहन चिंतन के बाद उन्होंने संगठन की भूमिका और सक्रिय सदस्यता से हटने का अंतिम निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं ने उन्हें अपने पहले के फैसले पर कायम रहने के लिए मजबूर किया है। पूनावाला ने उन लोगों का नाम नहीं लिया, जिनकी वजह से कथित तौर पर ये घटनाएं हुईं।

अपने इस्तीफे के कारणों पर पूनावाला ने कहा कि वह अत्यंत जरूरी वित्तीय और व्यक्तिगत परिस्थितियों के कारण निजी क्षेत्र में जाने का निर्णय ले रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के विजन तथा काम का समर्थन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ÷मैं केवल 'व्यवस्था' छोड़ रहा हूं, 'व्यक्ति' या 'विचार' नहीं।÷ पूनावाला ने कहा कि उनका फैसला नाराजगी से प्रेरित नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार, स्नेह और सम्मान व्यक्त किया।

'पसमांदा मुस्लिम, गैर-वंशवादी की कहानी'

पूनावाला ने पार्टी के साथ अपने करीब पांच वर्ष के सफर को याद करते हुए कहा कि भाजपा ने उन्हें मंच और अवसर प्रदान किए। उन्होंने एक्स पर पत्र साझा करते हुए लिखा कि किसी अन्य देश और किसी अन्य पार्टी में उनके जैसी कहानी- एक युवा, पसमांदा मुस्लिम और गैर-वंशवादी व्यक्ति की कहानी- शायद संभव नहीं होती।

कांग्रेस से शुरू किया था सियासी सफर

38 वर्षीय पूनावाला ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कांग्रेस से की थी। राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने का विरोध करने और कांग्रेस छोड़ने के बाद वह राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा में आए। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हुए और पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ताओं में शामिल हो गए। भाजपा में रहते हुए पूनावाला टीवी डिबेट, प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर पार्टी का पक्ष रखने वाले प्रमुख नेताओं में रहे। वर्ष 2021 में उन्हें भाजपा के दिल्ली आईटी और सोशल मीडिया विभाग की जिम्मेदारी भी दी गई थी।

मुस्लिम चेहरा के कारण आगे किया?

कहा जाता है कि भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख मुस्लिम चेहरों में शामिल पूनावाला को अक्सर विवादित और हाई-प्रोफाइल राजनीतिक मुद्दों पर भाजपा का पक्ष रखने के लिए आगे किया जाता था। अब उन्होंने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व से संगठनात्मक जिम्मेदारियों से औपचारिक रूप से मुक्त करने का आग्रह किया है। हालांकि, उनके पत्र में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के विजन के प्रति समर्थन जारी रखने की बात कही गई है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
18 अगस्त 2026

सोना-चांदी में तेजी, कमजोर डॉलर और फेड दर संभावना ने दी चमक

सोने का भाव 1,649 बढ़कर 1,56,155 रुपए, चांदी 2,37,750 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना कमजोर पड़ने से सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। शुरुआती कारोबार में वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के भाव तेजी से बढ़े, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल दिखा। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,450 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 65.75 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रही थी। सोने में 14.40 डॉलर और चांदी में 0.65 डॉलर की प्रभावी तेजी दर्ज की गई। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर भी यही रुझान देखा गया। खबर लिखे जाने तक सोने के वायदा भाव 1,55,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब और चांदी के वायदा भाव 2,37,750 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार कर रहे थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 1,649 रुपये की अच्छी तेजी के साथ 1,56,155 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद भाव 1,54,506 रुपये से काफी ऊपर था। वहीं, चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,576 रुपये की उछाल के साथ 2,37,500 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,35,924 रुपये था। यह शुरुआती तेजी दिनभर बनी रही, जिससे दोनों कीमती धातुओं ने महत्वपूर्ण लाभ दर्ज किए। कमजोर डॉलर और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की कमजोर संभावना इन धातुओं के लिए प्रमुख उत्प्रेरक बनी हुई है।

एलपीजी- ई-केवायसी की अंतिम तिथि बढ़ी, ग्राहकों को राहत

अब 23 अगस्त तक पूरा करें ई-केवाईसी

नई दिल्ली ।

एलपीजी गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। आधार आधारित ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले यह तारीख 16 अगस्त थी, जिसे अब बढ़ाकर 23 अगस्त कर दिया गया है। जिन ग्राहकों ने अभी तक अपनी केवायसी पूरी नहीं की है, उन्हें अब अतिरिक्त समय मिल गया है। यह फैसला स्वतंत्रता दिवस और लगातार छुट्टियों के कारण लिया गया है, जिसके चलते कई ग्राहक समय पर अपनी ई-केवायसी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। हालांकि, राहत मिलने के बावजूद ग्राहकों को तय समय सीमा में ई-केवायसी पूरा करना अनिवार्य है। अगर 23 अगस्त तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की जाती है, तो फिलहाल गैस कनेक्शन तो बंद नहीं होगा, लेकिन भविष्य में उन्हें घरेलू दरों पर सिलेंडर मिलने में परेशानी हो सकती है और अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए आखिरी तारीख का इंतजार न करते हुए जल्द से जल्द इसे पूरा कर लेना चाहिए। ई-केवायसी के लिए ग्राहक अपने गैस वितरक के पास जाकर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके अलावा, इंडेन ग्राहक इं डियन आयल वन ऐप भारतगैस ग्राहक हैलोबीपीसीएल और एचपी गैस ग्राहक एचपी पे ऐप का उपयोग कर आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से भी इसे आसानी से पूरा कर सकते हैं।

मोलबायो डायग्नोस्टिक्स की शानदार लिस्टिंग, शेयर 21 फीसदी उछला

नई दिल्ली । मोलबायो डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 807 रुपये के मुकाबले 21 प्रतिशत से अधिक के प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों को बंपर मुनाफा हुआ। बीएसई पर शेयर 980 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो इसके निर्गम मूल्य से 21.43 प्रतिशत अधिक था। कारोबार के दौरान यह 24.16 प्रतिशत चढ़कर 1,002.05 रुपये तक पहुंच गया। एनएसई पर भी इसने 980 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 10,875.77 करोड़ रुपये रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 281, निफ्टी 78 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमत में तेजी से भी बाजार गिरा। आज प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों पर भारी दबाव देखा गया, जिसमें टीसीएस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियों को एक बार फिर बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। इस गिरावट के चलते निवेशकों की संपत्ति में कमी आई और बाजार में निराशा का माहौल बना रहा।सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने पूरे दिन कमजोर प्रदर्शन किया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 281.09 अंकों की गिरावट के साथ 77,728.16 अंकों पर बंद हुआ। वही 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी तकरीबन 78.35 अंकों के नुकसान के साथ ही

24,287.65 अंकों पर बंद हुआ। इस प्रकार देखा जाये तो आज दिन भर गिरावट हावी रही। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से केवल 7 कंपनियों के शेयर ही आज लाभ के साथ ऊपर आये

जबकि बचे हुए 23 कंपनियों के शेयर गिरे है। इसी प्रकार निफ्टी में भी 50 में से केवल 18 कंपनियों के शेयरों में तेजी आई, जबकि 31 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए और श्रीराम फाइनेंस का शेयर बिना किसी बदलाव के सपाट रहा। यह आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि गिरावट का असर पूरे बाजार पर व्यापक रूप से पड़ा।टाटा ग्रुप की मेटल कंपनी टाटा स्टील के शेयरों में आज तेजी रही। निवेशकों की नजर देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस पर थी, जिसके शेयरों में आ भारी गिरावट रही। सेंसेक्स के अन्य प्रमुख शेयरों में, एक्सिस बैंक), रिलायंस इंडस्ट्रीज , बीईएल , एचडीएफसी बैंक , एलएंडटी और बजाज फाइनेंस ने कुछ हद तक सकारात्मक कारोबार किया।

सात्विक सोलर ओडिशा में लगाएगा 3.6 गीगावाट की विशाल सौर सेल इकाई

आईपीआईसीओएल के साथ हुआ प्रारंभिक समझौता

मुंबई ।

सात्विक सोलर इंडस्ट्रीज ने ओडिशा के गोपालपुर में 3.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) क्षमता की एक विशाल सौर सेल विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए औद्योगिक प्रोत्साहन एवं निवेश निगम ओडिशा लिमिटेड (आईपीआईसीओएल) के साथ एक प्रारंभिक समझौता किया है। इस परियोजना से क्षेत्र में व्यापक औद्योगिक विकास और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

कंपनी द्वारा जारी बयान में बताया गया कि यह नई इकाई गोपालपुर में सात्विक सोलर के व्यापक विनिर्माण विस्तार का हिस्सा होगी, जहां कंपनी पहले से ही प्रथम चरण की एकीकृत इकाई पर काम कर रही है। सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा, यह कदम बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता विकसित करने, एकीकरण को मजबूत करने और वृद्धि के अगले चरण के लिए मजबूत आधार तैयार करने की दिशा में निर्णायक है।

ओडिशा सात्विक के लिए सिर्फ एक विनिर्माण पड़ाव नहीं, बल्कि उनकी महत्वाकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। कंपनी अपनी 2.4 जीडब्ल्यू सेल और 4 जीडब्ल्यू मॉड्यूल विनिर्माण लाइनों को उत्पादन की ओर बढ़ा रही है, जो इस निवेश के साथ मिलकर भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

इस परियोजना से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और कुशल श्रमशक्ति के लिए नए अवसर पैदा होने की भी आशा है।

एचडीएफसी बैंक को गलत सीआईबीआईएल रिपोर्टिंग पड़ी भारी, कोर्ट ने लगाया जुर्माना

कोल्लम उपभोक्ता कोर्ट का फैसला- बंद लोन खाते को डिफ़ॉल्ट बताने पर बैंक को 50 हजार मुआवजा देना होगा

कोल्लम ।

केरल के कोल्लम जिला उपभोक्ता कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में एचडीएफसी बैंक को एक ग्राहक की गलत क्रेडिट जानकारी को सुधारने और उसे 50,000 रुपये का मुआवजा व 10,000 रुपये मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया है। यह आदेश बैंक द्वारा ग्राहक के एक बंद हो चुके लोन खाते को डिफॉल्ट के रूप में गलत तरीके से रिपोर्ट करने के मामले में आया है। यह मामला अलुम्मूडू निवासी एक व्यक्ति से जुड़ा है, जिसने पहले सेंटूरियन बैंक (जो बाद में एचडीएफसी बैंक में विलय हो गया) से बाइक लोन लिया था। ग्राहक ने 2009 में अपने सभी बकाये चुका दिए थे, जिसमें गुम हुए दो चेक के बदले नकद भुगतान भी शामिल था, और उसका लोन खाता बंद हो गया था। बावजूद इसके, बैंक ने इस खाते को डिफॉल्ट के तौर पर रिपोर्ट किया, जिससे ग्राहक की सीआईबीआईएल रिपोर्ट खराब हो गई। उसे अक्टूबर 2023 में इस गड़बड़ी का पता चला, जब उसे खराब क्रेडिट स्कोर के कारण बिजनेस लोन मिलने में दिक्कत हुई। कोर्ट ने बैंक को 30 दिनों के भीतर गलत जानकारी ठीक करने और सीआईबीआईएल को सूचित करने का निर्देश दिया है, जिसके बाद सीआईबीआईएल को भी 30 दिनों में रिकॉर्ड अपडेट करना होगा।

प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी का अपडेटेड मॉडल बीई 6 स्पोर्टेक पेश

नई दिल्ली ।

भारत में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी का अपडेटेड मॉडल बीई 6 स्पोर्टेक लॉन्च कर दिया है। इसमें एक खास रिव्यू एसओएस फीचर दिया गया है, जो बैटरी 0 प्रतिशत यानी पूरी तरह खत्म होने के बाद भी कार को 13किमी तक चला सकता है। ईवी को नए वैरिएंट्स, बड़े बैटरी पैक, री-डिजाइन डैशबोर्ड और एडवांस कनेक्टेड फीचर्स के साथ मार्केट में उतारा गया है। वहीं, फुल चार्ज पर कार 683किमी चलेगी। महिंद्रा बीई 6 स्पोर्टेक की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 19.45 लाख से शुरू होकर रुपए 26.95 लाख तक जाती है। इसके साथ ही कंपनी ने बैटरी एज अ सर्विस मॉडल भी पेश किया है। बीएएएस प्रोग्राम के तहत 59 केडब्ल्यूएच बैटरी वाले बेस वैरिएंट को सिर्फ रुपए 11.45 लाख में खरीदा जा सकता है, जिसके बाद ग्राहक को रुपए 3.75 प्रति किलोमीटर के हिसाब से बैटरी का सब्सक्रिप्शन चार्ज देना होगा। कंपनी इस गाड़ी की डिलीवरी 26 अगस्त से शुरू करने जा रही है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी के बाहरी डिजाइन को काफी एग्रेसिव और स्पोर्टी रखा गया है। इसके पिछले हिस्से में स्पोर्टेक की बैजिंग मिलती है। कार में वेरिएंट के हिसाब से 19-इंच के बड़े अलॉय व्हील्स, फ्लश-फिटिंग डोर हैंडल्स (बॉडी में छिपे रहने वाले हैंडल) और ऑल-एलईडी लाइटिंग सेटअप दिया गया है। इसके अलावा इसके खास लंच एडिशन में ग्रेफाइट स्टॉर्म कलर का ऑप्शन मिलेगा। कार के पिछले हिस्से में कस्टमाइजेबल एलईडी टेल-लैंप दिए गए हैं, जिसकी स्क्रीन पर ओनर अपने हिसाब से पर्सनल टेक्स्ट मैसेज भी डिस्प्ले कर सकते हैं। कार के केबिन के अंदर सबसे बड़ा और आकर्षक बदलाव देखने को मिलता है। इसके टॉप वेरिएंट्स में अब 12.3-इंच के तीन डिस्प्ले (टचस्क्रीन) वाला एक शानदार ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट दिया गया है। डैशबोर्ड को पूरी तरह नया और साफ-सुथरा हॉरिजॉन्टल लुक दिया गया है, जिससे वायरलेस चार्जिंग पैड और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट्स का इस्तेमाल करना आसान हो जाता है। इसके लॉन्च एडिशन में फुल रेसिंग टैन इंटीरियर थीम के साथ प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री और फिक्स पैनोरमिक ग्लास रूफ दी गई है। महिंद्रा ने इस कार में 6 नए टीईक्यू टेक्नोलॉजी सूट्स जोड़े हैं। इसमें टीईक्यू एमई फीचर है जो ड्राइवर को पहचानकर उसकी प्रोफाइल सेट कर देता है। इसके अलावा इसमें गूगल जेमिनी एआई इंटीग्रेशन के साथ टीईक्यू टाक वॉयस असिस्ट दिया गया है। कार में मनोरंजन और आराम के लिए डॉल्बी एटमॉस के साथ हरमन कार्डन का प्रीमियम साउंड सिस्टम, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो, हेड-अप डिस्प्ले और एनएफसी डिजिटल की जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। यह एसयूवी तीन अलग-अलग बैटरी पैक विकल्पों में उपलब्ध है, जो रियर-व्हील ड्राइव सेटअप के साथ आते हैं, इनमें 59केडब्ल्यूएच बैटरी 231एचपी की पावर जनरेट करती है और सिंगल चार्ज में 548किमी की रेंज देती है। 70केडब्ल्यूएचबैटरी नया बैटरी पैक 245एचपी की पावर और 651किमी की रेंज देता है।

भारत सरकार घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाएगी, आयात पर निर्भरता घटेगी

21 कंपनियों को मिला एलपीजी उत्पादन का टारगेट, रिलायंस को बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की उपलब्धता बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। पहली बार देश की प्रमुख रिफाइनरी और तेल-गैस कंपनियों के लिए एलपीजी उत्पादन की अधिकतम सीमा तय की गई है। पश्चिम एशिया संकट और हॉरमुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने के अनुभवों के बाद यह फैसला लिया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा 13 अगस्त को जारी आदेश में 21 रिफाइनरी और अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। यह वित्त वर्ष 2026 के अनुमानित घरेलू उत्पादन से दोगुना तथा देश की दैनिक खपत का लगभग 70 फीसदी है।इस पहल के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी को सबसे बड़ा लक्ष्य दिया गया है, जिसे जरूरत पड़ने पर 18,000 टन एलपीजी प्रतिदिन तक उत्पादन करना होगा। नायरा एनर्जी को 4,480 टन, जबकि ओएनजीसी और गेल जैसी कंपनियों को मिलाकर 6,460 टन प्रतिदिन का लक्ष्य मिला है। सार्वजनिक क्षेत्र की 18 रिफाइनरियों के लिए कुल 31,470 टन प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का 64 फीसदी से अधिक आयात करता है, जिसमें से लगभग 90 फीसदी आपूर्ति पश्चिम एशिया और हॉरमुज जलडमरूमध्य मार्ग से होती है। यही निर्भरता पश्चिम एशिया संकट के दौरान एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी थी, जब सरकार को पेट्रोकेमिकल्स के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल को एलपीजी उत्पादन की ओर मोड़ना पड़ा था। सरकार ने केवल उत्पादन लक्ष्य ही नहीं, बल्कि भंडारण, परिवहन और आपूर्ति के लिए पर्याप्त बुनियादी ढाँचा तैयार रखने का भी निर्देश दिया है। कंपनियों को तकनीकी और आर्थिक रूप से संभव उपायों जैसे नेफ्था को एलपीजी में बदलने पर भी विचार करने को कहा गया है।

इस शेड्यूल की समीक्षा हर छह महीने में की जाएगी, जिसका लक्ष्य भारत को एलपीजी के लिए विदेशी आपूर्ति पर कम निर्भर बनाना और भविष्य में किसी भी संकट से निपटना है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.62 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को तीन पैसे मजबूत होकर 95.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ ही 99.54 पर रहा।

8वें वेतन आयोग में 69000 रुपए हो जाएगी न्यूनतम सैलरी

केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ी उम्मीदें, फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली ।

केंद्रीय कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग से बड़ी उम्मीदें हैं, खासकर फिटमेंट फैक्टर में बढ़ोतरी को लेकर।

कर्मचारी यूनियनों ने इसे 3.83 करने की मांग की है, जिससे न्यूनतम मूल वेतन में 18,000 रुपए से बढ़कर करीब 69,000 रुपए तक का बंपर उछाल आ सकता है। आइए समझते हैं इस मांग का गणित और पिछले बदलावों को। फिटमेंट फैक्टर और वेतन वृद्धि का गणित 8वें वेतन आयोग को लेकर कर्मचारी यूनियनों की सबसे प्रमुख मांग फिटमेंट फैक्टर को 3.83 करना है। फिटमेंट फैक्टर वह आंकड़ा है जो मूल वेतन को नई संरचना में बदलता है।

7वें वेतन आयोग में 2.57 फिटमेंट फैक्टर लागू होने से न्यूनतम मूल वेतन 7,000 रुपए से बढ़कर 18,000 रुपए हुआ था। यदि अब यह बढ़कर 3.83 होता है, तो वर्तमान 18,000 का न्यूनतम बेसिक-पे सीधे 18,000 × 3.83 = 68,940 (लगभग 69,000 रुपए) हो जाएगा, जो एक बड़ा उछाल होगा। पहले वेतन आयोग से अब तक का सफर भारत में पहला वेतन आयोग 1946 में 55 रुपए न्यूनतम मूल वेतन के साथ लागू हुआ था।

समय के साथ इसमें लगातार बढ़ोतरी हुई और दूसरे वेतन आयोग में 80, तीसरे में 196, चौथे में 750 और पांचवें (1.74 एफएफ) में 2,550 हुआ। छठे वेतन आयोग (2006) में 1.86 फिटमेंट फैक्टर के साथ न्यूनतम वेतन 7,000 और सातवें (2016) में 2.57 फिटमेंट फैक्टर से 18,000 निर्धारित हुआ। अधिकतम मूल वेतन भी 2,000 से 2.5 लाख रुपए तक बढ़ा।

हालांकि, आठवें वेतन आयोग के तहत न्यूनतम मूल वेतन को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

वेतन वृद्धि पर अंतिम निर्णय आयोग की सिफारिशों और सरकार की आधिकारिक अधिसूचना के बाद ही स्पष्ट होगा।

स्वतंत्रता दिवस सेल में इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

स्मार्टफोन, लैपटॉप और टीवी की बंपर बिक्री, त्योहारी सीजन के लिए शुभ संकेत

नई दिल्ली ।

देश में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्मार्टफोन, लैपटॉप और टेलीविजन जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की बिक्री में शानदार वृद्धि दर्ज की गई। इन उत्पादों की कीमतों में 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी के बावजूद ग्राहकों का उत्साह देखने लायक था, जो आगामी त्योहारी सीजन के लिए बाजार में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। बिक्री में जबरदस्त इजाफा ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल के मुकाबले बिक्री मूल्य में 25 फीसदी और वॉल्यूम में 5-7 फीसदी तक का इजाफा हुआ। ब्रांड्स, रिटेलर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स, सभी को इस सेल का भरपूर फायदा मिला। फ्लिपकार्ट पर कई आईफोन और टेलीविजन मॉडल पूरी तरह बिक गए, वहीं ऐमजॉन इंडिया पर प्रीमियम उत्पादों की मांग सामान्य से दोगुनी से अधिक बढ़ी। ऑनलाइन टीवी निर्माता सुपर प्लास्ट्रोनिक्स ने अपने लाइसेंस वाले टीवी ब्रांड्स का पूरा स्टॉक ऐमजॉन और फ्लिपकार्ट दोनों पर बेच दिया।

रिटेल सेक्टर का शानदार प्रदर्शन भारत की सबसे बड़ी रिटेल चेन रिलायंस रिटेल ने अपनी अब तक की सबसे अच्छी स्वतंत्रता दिवस सेल दर्ज की, जिसमें ग्रॉसरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों जैसी श्रेणियों में 20 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई। इसी तरह, डिपार्टमेंट स्टोर चेन लाइफस्टाइल ने भी दोहरे अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर विजय सेल्स ने मूल्य में 20 फीसदी से अधिक और वॉल्यूम में 5 फीसदी की वृद्धि देखी।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस उछाल की मुख्य वजह बढ़ती भीड़, वॉल्यूम में वृद्धि और प्रीमियम उत्पादों की मजबूत मांग है।

प्रीमियम सेगमेंट ने बढ़ाई रौनक देश की तीसरी सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनी हायर इंडिया ने बताया कि सभी कैटेगरी में स्वतंत्रता दिवस की सेल शानदार रही।

खास तौर पर प्रीमियम कैटेगरी जैसे फ्रंट-लोड वॉशिंग मशीन, साइड-बाय-साइड रेफ्रिजरेटर और 55 इंच या उससे बड़े टीवी की बिक्री में भारी इजाफा हुआ।

कंपनी ने पिछले साल की तुलना में मूल्य के हिसाब से 45-50 फीसदी और वॉल्यूम के हिसाब से 30-35 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की।

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि त्योहारी सीजन से पहले उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ा है और बाजार में खरीदारी की मजबूत मांग बनी हुई है।

महिंद्रा का बीई6 स्पोर्टेक लाइन-अप में नया फार्मूला ई फीडम एडिशन लॉन्च

मुंबई ।

महिंद्रा ने अपनी बीई6 स्पोर्टेक लाइन-अप में नया फार्मूला ई फीडम एडिशन लॉन्च कर दिया है। ई फीडम एडिशन के दो वेरिएंट एफई और एफई फोर बाजार में उतारे गए हैं। यह नया मॉडल पिछले फार्मूला ई एडिशन के लॉन्च होने के एक साल से भी कम समय के भीतर पेश किया गया है। नए फार्मूले ई फीडम एडिशन में पिछले मॉडल की तरह पतली फ्रंट और रियर डीआरएलएस, गोल एलईडी हेडलाइट्स और भारी बंपर नहीं दिए गए हैं। अब इसका लुक स्टैंडर्ड बीई6 स्पोर्टेक जैसा ही रखा गया है, जिसमें सी-शेप की फ्रंट-रियर डीआरएलएस और स्लीक बंपर मिलते हैं। हालांकि, इस फीडम एडिशन की पहचान बनाए रखने के लिए फ्रंट फेंडर पर फार्मूला ई की बैजिंग दी गई है। साथ ही इसमें नया रोसो इम्पुल्सो कलर ऑप्शन और बॉडीवर्क पर तिरंगे यानी ट्राई कलर के डेकल्स दिए गए हैं। पुरानी बीई6 फार्मूला ई एडिशन को महिंद्रा ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट से हटा दिया है। इंटीरियर लेआउट में कोई बड़ा बदलाव नहीं है, लेकिन इसमें फायरस्टॉर्म ऑरेंज कलर स्कीम के साथ लेदरेट और सुएड अपहोल्स्ट्री दी गई है। डैशबोर्ड पर फार्मूला ई फीडम एडिशन की प्लेक, पैनोरमिक ग्लास रूफ पर फार्मूले ई डेकल्स और खास वर्चुअल इंजन साउंड्स जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं। इस एडिशन में डैशबोर्ड पर ड्राइवर और को-ड्राइवर को अलग करने वाला खास हेलो-लाइक लूप दिया गया है। इसी वजह से फार्मूला ई फीडम एडिशन में केवल डुअल 12.3-इंच स्क्रीन का सेटअप मिलेगा। इसमें स्टैंडर्ड स्पोर्टेक वेरिएंट्स की तरह ट्रिपल-डिस्प्ले सेटअप का विकल्प नहीं मिलेगा।

कम्फर्ट और सेफ्टी के लिए इसमें 16-स्पीकर वाला हरमन कार्डन साउंड सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग पैड, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और पावर्ड ड्राइवर सीट दी गई है। सुरक्षा के लिए इसमें 540-डिग्री कैमरा (360 डिग्री + अंडरफ्लोर व्यू) और लेवल 2 अडास तकनीक मिलती है। कनेक्टेड कार फीचर्स की बात करें तो इसमें गूगल जेमिनी इंटीग्रेशन, इन-कार गेमिग और कराओके सूट्स, ऑटो-डिटेक्शन वाले यूजर प्रोफाइल्स और कस्टम ड्राइव मोड शामिल हैं। महिंद्रा बीईई 6 स्पोर्टेक फार्मूला ई फीडम एडिशन में 683 किमी की रेंज मिलेगी। महिंद्रा बीई6 स्पोर्टेक फार्मूले ई फीडम एडिशन केवल 79केडब्ल्यूएच के टॉप-स्पेक्ट्रम बैटरी पैक और रियर-व्हील ड्राइव मोटर के साथ आता है। इसका इलेक्ट्रिक मोटर 286एचपी की पावर और 380एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें एडैप्टिव सस्पेंशन भी दिया गया है।

एसजेएस इंटरप्राइजेस ने एक साल में दोगुना किया निवेशकों का पैसा

मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और कर्जमुक्त स्थिति के दम पर निवेशकों को 100 फीसदी से अधिक का रिटर्न

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में अक्सर उन कंपनियों को बेहतर माना जाता है जिन पर कर्ज कम होता है। इसी कसौटी पर खरी उतर रही ऑटो कंपोनेंट कंपनी एसजेएस एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। बीते एक साल में इस शेयर ने निवेशकों की पूंजी को दोगुने से भी ज्यादा कर दिया है। शुक्रवार को कंपनी का शेयर 5.54 फीसदी की तेजी के साथ 2539.60 रुपये पर बंद हुआ था, जो एक महीने में करीब 19 फीसदी और एक साल में 100 फीसदी से अधिक का उछाल दिखाता है। एसजेएस एंटरप्राइजेज प्रीमियम विजुअल और डेकोरेटिव ऑटो कंपोनेंट बनाती है, जिनका उपयोग कारों और टू-व्हीलर में होता है। कंपनी लगातार 27 तिमाहियों से उद्योग की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में इसका राजस्व 24.5 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 261 करोड़ रुपये रहा, जबकि ए बिटा 36.2 फीसदी बढ़कर 80 करोड़ रुपये हो गया। एकमुश्त लाभ को हटाने पर एडजस्टेड नेट प्रॉफिट भी 45.2 फीसदी की वृद्धि के साथ 50.3 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो कंपनी के मजबूत परिचालन को दर्शाता है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में 45.4 फीसदी की जोरदार वृद्धि कंपनी के लिए बड़े अवसरों की ओर इशारा करती है। एसजेएस की सबसे बड़ी ताकत इसकी मजबूत बैलेंस शीट है। वित्त वर्ष 27 के अंत में, कंपनी के पास लगभग 338 करोड़ रुपये का कैश था, जबकि कुल कर्ज सिर्फ 9.3 करोड़ रुपये था, यानी यह लगभग 329 करोड़ रुपये की नेट कैश स्थिति में थी। कंपनी पर कोई लॉन्ग टर्म डेट भी नहीं है। तिमाही में 81 करोड़ रुपये का ऑपरेटिंग कैश फ्लो और लगभग 84 करोड़ रुपये का फ्री कैश फ्लो इसकी वित्तीय मजबूती को और पुख्ता करता है। शेयर बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यही कर्जमुक्त स्थिति और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन एसजेएस एंटरप्राइजेज के शेयरों में तेजी का मुख्य कारण है, जिससे निवेशकों को शानदार रिटर्न मिल रहा है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

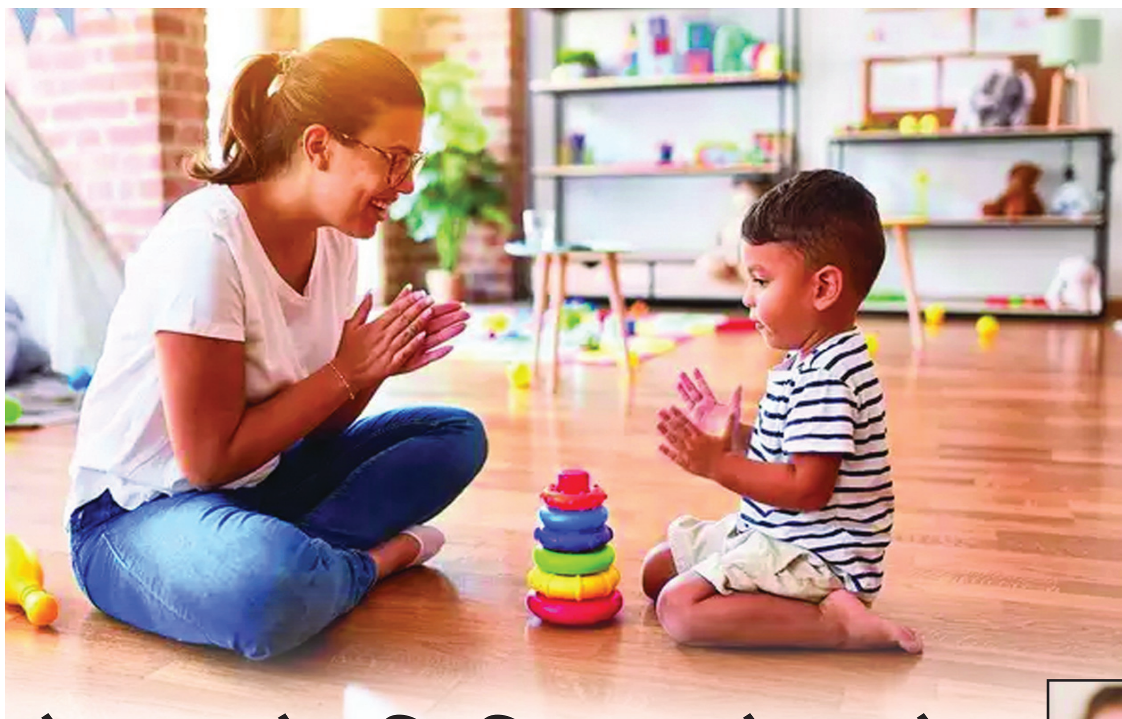

अपने छोटे बच्चों को स्कूल भेजना और उसके सुनहरे भविष्य की कामना करना हर माता-पिता का हक होता है। अपने बच्चे के जन्म से ही वह उसके भविष्य के बारे में सोचने लगते हैं। प्री-स्कूलिंग, कॉलेज सब तय हो गया होता है, लेकिन विशेषज्ञों का दावा किसी और ही तरफ इशारा करता है। उनके अनुसार कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गलत असर डालता है।

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बुरा हो सकता है, कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना

बच्चों को प्री-स्कूलिंग के लिए भेजना हर पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा कार्य होता है। यह पहली बार होता है उनका नन्हा-सा बच्चा अपने जीवन को सुधारने और उससे नई चीजों को सीखने के लिए वास्तविक दुनिया में कदम रखता है। स्कूलिंग के दौरान मिलने वाली औपचारिक शिक्षा उसे उसके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करती है। हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि यदि आपका बच्चा इसके लिए तैयार है, तो उसे प्री-स्कूल में एडमिशन दिलाने का कोई सही या गलत समय नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ वास्तव में इससे सहमत नहीं हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भले ही आपका बच्चा प्रतिभाशाली हो और उसमें जल्दी सीखने की कौशलता हो, फिर भी उन्हें बहुत जल्दी स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि आपका अपने बच्चों को प्री-स्कूल जल्दी भेजने का आग्रह स्वाभिक है, लेकिन अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही समय का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

बच्चों को जल्दी स्कूल भेजना इसलिए होता है हानिकारक नए अध्ययन के शोधकर्ता सलाह देते हैं कि माता-पिता किंडरगार्टन में अपने साथियों के साथ अपने बच्चों की उम्र पर विचार करें। एक बड़ा अंतर आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे अपने साथियों से छोटे होते हैं (स्कूल शुरू करने के लिए न्यूनतम आयु कट-ऑफ के करीब), वह कक्षा में खराब प्रदर्शन करते हैं और उन्हें साथियों की तुलना में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इंग्लैंड में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि बहुत जल्दी स्कूल शुरू करना आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

स्टडी क्या कहती है

अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं की टीम ने एक मौजूदा अध्ययन से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया, जिसे ''स्कूल अध्ययन में सहायक शिक्षक और बच्चे'' कहा जाता है। यह अध्ययन डेवोन, इंग्लैंड के 80 विभिन्न स्कूलों के 2,075 प्राथमिक विद्यालय के पांच से नौ वर्षों के छात्रों पर किया गया था। अध्ययन में माता-पिता और शिक्षकों से पूछे गए सवालों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिससे यह पता चला कि जल्दी स्कूल भेजने से बच्चों में चिंता और भय, अपने साथियों के साथ खराब संबंध, व्यवहार और एकाग्रता के मुद्दों जैसी नकारत्मक भावनाएं जन्म लेती हैं।

परिणाम क्या निकला

अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला गया कि छोटे बच्चों में उनके साथियों की तुलना में खराब मानसिक स्वास्थ्य होने की संभावना अधिक होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कम उम्र में बड़े साथियों के साथ रहना थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। समस्या उन बच्चों में विशेष रूप से प्रमुख थी जो नई चीजें सिखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे और समय से पहले पैदा हुए थे। यह खोज माता-पिता को इस बारे में विचार करने में मदद कर सकती है कि औपचारिक शिक्षा सेटिंग में बच्चे का नामांकन कब करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य के लिए कुछ भी हानिकारक सिद्ध नहीं हो।

एडमिशन की सही उम्र

ज्यादातर लोगों का मानना है कि जितनी जल्दी वह अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए 3 साल एक आदर्श उम्र है। हालांकि, अपने बच्चे को स्कूल भेजने से पहले आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन्हें शौचालय प्रशिक्षित होना चाहिए।
- वह थोड़े समय के लिए स्थिर बैठ सकते हैं।
- वह अपने माता-पिता से दूर आराम से समय बिता सकते हैं।
- वह अपनी जरूरतों को बता सकते हैं और दूसरों की बातें सुन सकते हैं।

बच्चे का वेट बढ़ने में पैरंट्स का होता है इंपॉर्टेंट रोल

अक्सर ही खुद और बच्चे के वेट को लेकर टेंशन हो जाती है कि लगातार वजन कैसे बढ़ता ही जा रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चे के वेट बढ़ने में पैरंट्स का इंपॉर्टेंट रोल होता है। हाल ही में इसपर एक स्टडी भी सामने आई। आइए जानते है.

अक्सर ही यह देखा गया है कि परिवार में अगर कोई एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है तो दूसरों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। हालांकि अधिकतर यह पैरंट्स और बच्चों में देखने को मिलता है। यानी कि जिन पैरंट्स का वेट ज्यादा होता है उनके बच्चों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। वहीं पैरंट्स इस बात को लेकर खासे परेशान नजर आते हैं कि कैसे बच्चे का वजन कम हो। हाल ही में ऐसे मामलों पर की गई स्टडी से यह बात सामने आई है कि कैसे अपनी लाइफस्टाइल में कुछ तब्दीलियां लाकर पैरंट्स अपने साथ ही बच्चों के वेट बढ़ने पर नियंत्रण कर सकते हैं। स्टडी के मुताबिक पैरंट्स बच्चों को जो भी खिलाते हैं बच्चे वह खाते जाते हैं। इससे उनका वजन बढ़ने लगता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे को हेल्दी खाने और अच्छी आदतों के अनुसार ढालते हैं तो वह वजन बढ़ने की समस्या से निजात पा सकता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) रिसर्च किया। यानी कि खाने और एक्सरसाइज के जरिए बच्चों और उनके पैरंट्स को बढ़े हुए वजन को नियंत्रित या कम करने के लिए प्रेरित किया। इस बारे में अमेरिका के लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसचर्स केली हॉकिन्स और कॉर्बी के मार्टिन कहते हैं कि बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव उनके माता-पिता का ही पड़ता है।

रिसर्च में 16 परिवारों पर हुई स्टडी

पैरंट्स और उनके बच्चों के बढ़ते वजन को कैसे नियंत्रित और कम किया जा सके इसके लिए 16 परिवारों को 19 सप्ताह तक ऑब्जर्व किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपनी और बच्चों की लाइफस्टाइल में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद स्टडी में 2 से 6 साल के बच्चों का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 75प्रतिशत से अधिक पाया गया। बता दें कि (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) के सेशन्स में यह बात सामने आई कि इसमें नियमित स्नैक और खाने के साथ ही फिजिकल ऐक्टिविटीज के होने से बच्चों के बीएमआई में कमी देखी गई। साथ ही उनका वजन भी नियंत्रित था। वहीं पैरंट्स के वजन में भी थोड़ी तब्दीलियां देखने को मिलीं। लेकिन जिन बच्चों को ड्राइव के सेशन में शामिल नहीं किया गया केवल जानकारी ही दी गई थी उनके वजन में वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक संयमित, नियमित खानपान और एक्सर्साइज से खुद और बच्चे दोनों के ही वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए लगाएं टमाटर का जूस

टमाटर प्रकृति का दिया एक ऐसा उपहार हैं जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटमिन से भरपूर है। टमाटर खाना सेहत ले लिए लाभदायक है और इसे चेहरे पर लगाने से स्किन हेल्दी बनती है। इतना ही नहीं अगर आप इसे अपने बालों पर लगाएंगे तो रुखे और बेजान बाल चमकदार और रेशमी हो जाएंगे। आइए, यहां जानते हैं कि टमाटर का जूस बालों पर लगाने से क्या-क्या फायदे होते हैं.

- टमाटर का जूस बालों पर लगाने से बालों का टेक्चर स्मूद होता है और बालों की शाइनिंग में बढ़ती है।
- टमाटर का जूस बालों में पीएच लेवल बैलंस करता है, जिससे रुखे और बेजान बालों में वॉल्यूम आ जाता है।
- टमाटर में बड़ी मात्रा में विटमिन ए और विटमिन सी होता है। इसके जूस को बालों पर लगाने से बालों की स्कल्प को मजबूती मिलती है।
- टमाटर का जूस लगाने से बालों में मजबूती आती है और बाल जल्दी से दोमुहे नहीं होते हैं। साथ ही ग्रोथ अच्छी बनी रहती है।

ऐसे बनाएं कंप्लीट पैक

अगर आपके बालों में डाईनेस बहुत ज्यादा हो गई है और डैंड्रफ से भी परेशान हैं तो टमाटर के जूस में शहद मिलाकर हेयर मास्क बनाकर बालों पर लगाएं। आधा घंटा लगाए रखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। हो सकता है लगाने के तुरंत बाद आपको सिर में हल्की जलन महसूस हो या खुजली हो लेकिन आप परेशान न हों। ऐसा टमाटर में एसिडिक प्रॉपर्टी होने के कारण होता है।

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान नुस्खे

अगर आप भी बीच पर छुट्टियां बिताकर हॉलिडे की यादों के साथ-साथ सन टैन लेकर लौटी हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गर्मियों में कितना भी धूप से बचो, सन टैन हो ही जाता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं सन टैन रिमूवल के कुछ तरीके, जिन्हें आप घर पर ही आजमा सकती हैं। खास बात ये कि ये चीजें आपके किचन में ही मिल जाएंगी.

खीरे की फ्रेश स्लाइस

खीरे की फ्रेश स्लाइस लें। इसे फेस के साथ-साथ सन टैन प्रभावित क्षेत्रों पर हल्के हाथों से रगड़ें। लगाने के बाद तकरीबन 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। टैनिंग दूर हो जाएगी।

हल्दी, बेसन और दही का पैक

दो चम्मच बेसन, दो चम्मच हल्दी पाउडर और दो चम्मच दही लें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस और सन टैन प्रभावित बॉडी पार्ट्स पर लगाएं। तब तक लगा रहने दें, जब तक वह पूरी तरह से सूख न जाए। जब सूख जाए, तो पानी से धो लें।

शहद और नींबू का पैक

दो चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लें। इसे मिक्स करके तकरीबन 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। अब पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

कच्चा दूध

थोड़ा सा कॉटन ले लें और बिना उबले हुए कच्चे दूध में कॉटन को भिगोएं और इसे फेस पर लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

आज के जमाने में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जो डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल न करता हो। फिर चाहे आपकी एज कुछ भी हो और आप महिला हों या पुरुष इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर कोई चाहता है कि उसके शरीर से अच्छी स्मेल आए। ऐसे में रोज, लैवेंडर और फ्रूटी स्मेल से भरपूर डियोड्रेंट और परफ्यूम गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

घर में छोटे बच्चे हैं तो परफ्यूम और डियोड्रेंट यूज करते वक्त बरतें सावधानी

बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन न करने से नुकसान हालांकि इन परफ्यूम्स और डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करते वक्त जिस एक चीज का हम सब ध्यान नहीं रखते वह है बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन करना जो कई बार हानिकारक साबित हो सकता है। हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात साबित भी हो चुकी है कि बच्चों को लगने वाली चोट में 12.7 प्रतिशत चोटें पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स की वजह से लगती हैं जिनमें खुशबू और सुगंध से जुड़ी परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजें शामिल हैं। इस तरह की चीजें बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती हैं इसलिए इनका इस्तेमाल करते वक्त माता-पिता को भी काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

इन चीजों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें

परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजों को बच्चों की पहुंच से बहुत दूर रखें क्योंकि अगर बच्चे गलती से भी इन्हें अपनी आंख, नाक, कान या मुंह में स्प्रे कर लें तो यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं अगर घर में बहुत ज्यादा छोटे बच्चे हैं तब भी पैरंट्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए वरना बच्चों द्वारा इन चीजों की बॉटल, ढक्कन आदि चीजों को मुंह में लेने की वजह से चोकिंग का भी खतरा रहता है।

बच्चे अगर यूज करें तो सेहत से जुड़ी समस्याओं का खतरा

अगर आपके घर में 13 से 17 साल के बीच के किशोर हैं तो उनमें संगी-साथियों के प्रेशर की वजह से समस्याएं अलग होती हैं। बड़े बच्चे खुद भी अच्छा स्मेल करने के लिए इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं। ऐसे में छोटी उम्र में परफ्यूम या डियोड्रेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से बच्चों में फिजिकल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही बच्चे बॉटल पर लिखे निर्देश पढ़े बिना इसे सीधे स्किन पर स्प्रे कर लेते हैं जिससे उन्हें स्किन ऐलर्जी, रिऐक्शन, अस्थमा और सांस लेने में दिक्कत जैसी कई समस्याएं भी हो सकती हैं।

पहला टेस्ट: भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 284 रनों पर समेटा

गाले (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान श्रीलंका के खिलाफ यहां जारी पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कस दिया है। मैच के तीसरे दिन भारतीय टीम ने 178 रन की अच्छी खासी बढ़त हासिल कर ली। आज तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान टीम को पहली पारी में 284 रनों पर ही समेट दिया। इससे पहले भारतीय टीम ने देवदत्त पड़िकल के 167 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 462 रन बनाये थे। वहीं भारतीय टीम के बाद श्रीलंकाई टीम की पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। पहली ही गेंद पर निशान फर्नांडो खाता खोले बिना ही आउट हो गये। उस समय तक श्रीलंका का खाता भी नहीं खुला था। टीम ने लंच तक ही अपने पांच विकेट 99 रनों पर खो दिये थे। इसके बाद, सोनल दिनुशा ने निरोशन डिकवेला के साथ छठे विकेट के लिए 146 रन की साझेदारी कर टीम का सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। निरोशन ने 115 गेंदों में 7 चौकों के साथ 80 रन बनाये जबकि सोनल ने 6 100 रन बनाये। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे।

भारत की ओर से मानव सुथार ने 21.4 ओवरों में 76 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। इनके अलावा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले आज सुबह भारतीय टीम ने तीसरे दिन की शुरुआत 460 रन पर 9 विकेट के स्कोर से की थी। असिथा फर्नांडो ने पहले ही ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा को 2 रन पर ही पेवेलियन भेजे दिया। भारतीय टीम की ओर से देवदत्त पडिक्कल ने सबसे अधिक 167 रन बनाये। पारी रही। नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए पडिक्कल ने श्रीलंका में स्थान पर खेलते हुए भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने का रिकार्ड अपने नाम किया है। उन्होंने इसी के साथ ही साल 2017 में चेतेश्वर पुजारा द्वारा बनाए गए 153 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पडिक्कल के अलावा, केएल राहुल ने 82 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने 51 रन की महत्वपूर्ण अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

पीवी सिंधु की बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीत के साथ शुरूआत, आयरलैंड की सोफिया को सीधे सेटों में हराया

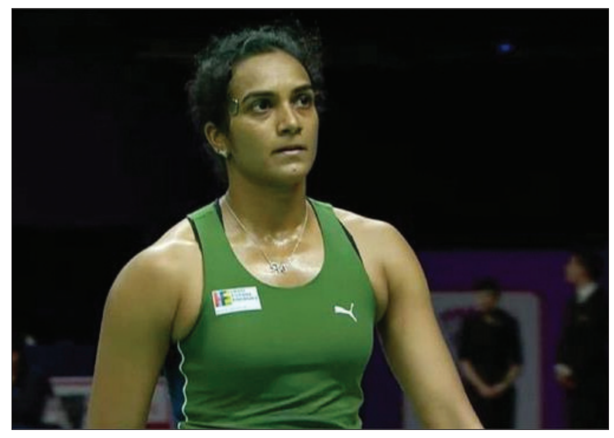

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीवी सिंधु ने यहां 2026 बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार शुरुआत की हैं। उन्होंने आयरलैंड की सोफिया नोबल को आसानी से 21-7, 21-11 से हराया। द्वुत्त स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच सिंधु शुरू से ही बेहतरीन लय में दिखीं। उन्होंने तेजी से 11-3 की बढ़त बना ली, अपने जबरदस्त स्मैश से लय हासिल की और नोबल को कोर्ट पर दौड़ाती रहीं।

एक बार जब भारतीय खिलाड़ी अपने खेल में जम गईं, तो नोबल के पास उन्हें रोकने का कोई खास मौका नहीं था। सिंधु ने दबाव बनाए रखा और 17-4 की बढ़त हासिल करने के बाद सिर्फ 12 मिनट में पहला गेम 21-7 से जीत लिया। नोबल ने दूसरे गेम में कड़ी टक्कर देने की कोशिश की, लेकिन सिंधु शांत रहीं और खेल की लय को अपने हाथ से नहीं जाने दिया। उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण रखा और नोबल पर दबाव बनाने के तरीके ढूंढती रहीं।

सिंधु ने दूसरा गेम 21-11 से जीतकर सीधे गेम में जीत हासिल की और वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपने अभियान के पहले ही दिन एक मजबूत संदेश दिया।

रोनाल्डो इस साल के अंत में ले सकते हैं संन्यास

लिस्बन (एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने संकेत दिये हैं कि वे इस सत्र के अंत में संन्यास ले सकते हैं। हाल ही में अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिगेज से शादी रचाने वाले रोनाल्डो के अनुसार इस साल अंत तक ही वह पेशेवर फुटबॉल करियर जारी रखेंगे। रोनाल्डो ने कहा, यह शायद मेरे फुटबॉल का अंतिम साल है । उनके इस बयान के बाद से ही प्रशंसकों को लगने लगा है कि अब रोनाल्डो कभी भी संन्यास ले सकते हैं। जिससे वे भावुक हो गये। सोशल मीडिया और खेल मंचों पर उनके संन्यास की अटकले जोरों पर है,प्रशंसक भी उनके शानदार सफर को याद करते हुए उनके भविष्य को लेकर बातें कर रहे हैं।

गौरतलब है कि रोनाल्डो ने पहले ही कह दिया था कि साल 2026 में होने वाला फीफा विश्व कप उनका अंतिम बड़ा टूर्नामेंट होगा। 41 साल के रोनाल्डो इस बार विश्वकप में भी लय में नहीं दिखे थे और पुर्तगाल टीम राउंड ऑफ-16 में स्पेन से 0-1 की हार के साथ बाहर हो गई थी। अब रोनाल्डो के ताजा बयान से यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के साथ-साथ क्लब फुटबॉल में भी उनका लंबा और सफल सफर जल्द ही समाप्त हो सकता है। अपने संन्यास के बाद के जीवन के लिए रोनाल्डो ने पहले से ही योजनाएं बना ली हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहते हैं, ज्यादा यात्रा करना चाहते हैं और पैडल जैसे नए खेलों का आनंद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास अपने को व्यस्त रखने के लिए बहुत सारी चीजें हैं, इसलिए सिर्फ एक चीज बताना मुश्किल है। रोनाल्डो ने इस बात पर भी जोर दिया कि फुटबॉल छोड़ने के बाद एक बड़ा खालीपन पैदा हो सकता है, और इस खालीपन को भरने के लिए व्यक्ति को अपना समय कई चीजों में लगाना चाहिए। 25 साल के अपने असाधारण करियर के बाद अब वह परिवार के साथ आराम करना चाहते हैं। अभी रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग क्लब अल-नस्र की ओर से खेल रहे हैं और उनका अनुबंध जून तक है। मऐसे में, उनके इस बयान से उनके मौजूदा अनुबंध और भविष्य को लेकर कई सवाल खड़े होते हैं। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रोनाल्डो आज भी दुनिया के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं।

भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने पर चिंतित गावस्कर ने ट्रेनिंग के तरीकों पर उठाये सवाल

ट्रेनिंग पैटर्न, वर्कलोड मैनेजमेंट और अभ्यास के तरीकों की समीक्षा की जाये

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भारतीय टीम के खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने पर सवाल उठाये हैं। गावसकर ने कहा कि इससे खिलाड़ियों को दी जा रही ट्रेनिंग पर ही सवाल उठने लगे हैं। साथ ही कहा कि जिम फिट से अधिक जरुरी मैच फिट होना है। गावस्कर ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि अभी काफी भारतीय खिलाड़ी फिटनेस हासिल करने को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इससे फिटनेस और ट्रेनिंग प्रोटोकॉल को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। अभी भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा बल्लेबाज साई सुदर्शन, ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी और तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोटों के कारण टीम से बाहर हैं। जिससे टीम संयोजन और भविष्य की तैयारियों पर प्रभाव पड़ रहा है। इसी स्थिति को गावस्कर ने टीम के ट्रेनिंग सिस्टम पर ही सवाल उठा दिया पर उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के फिजियो को इसके लिए जिम्मेदार नहीं माना है।

गावस्कर का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों में बार-बार सामने आ रही हैमस्ट्रिंग की समस्याओं को केवल सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने इस समस्या की जड़ तक पहुंचने के लिए खिलाड़ियों के ट्रेनिंग पैटर्न, वर्कलोड मैनेजमेंट और अभ्यास के तरीकों की गहन समीक्षा की मांग की है। गावस्कर ने कहा, बुमराह को घुटने की चोट है पर ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों को हैमस्ट्रिंग इंजरी होती दिख रही है। इससे साफ तौर पर उनकी ट्रेनिंग में कहीं कुछ गलत है और इसी वजह से हैमस्ट्रिंग की चोटें बार-बार हो रही हैं। उन्होंने सीओई के मेडिकल स्टाफ पर उठने वाले सवालों का बचाव करते हुए कहा कि चोटें अक्सर राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते समय लगती हैं, लेकिन बाद में सीओई पर अंगुली उठाई जाती हैं। इससे पहले, वीवीएस लक्ष्मण ने भी कहा था कि सीओई केवल रिहैब सेंटर के तौर पर काम करता है। गावस्कर ने आधुनिक क्रिकेट में गेंदबाजों के वर्कलोड मैनेजमेंट के प्रचलित तरीकों पर भी सवाल उठाए, खासकर नेट्स में फेंकी जाने वाली गेंदों की संख्या को सीमित करने पर। उनका तर्क था कि जब टी20 मैच में एक गेंदबाज को कम से कम चार ओवर यानी 24 गेंदें फेंकनी होती हैं, तो अभ्यास में उससे कम गेंदबाजी करना मैच की तैयारी में कैसे मदद करेगा? इससे अलावा उन्होंने जिम फिट होने के बजाय मैदान की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप शरीर को मैच फिट बनाने पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, यह गंभीरता से देखने की जरूरत है कि ये चोटें बार-बार क्यों हो रही हैं। जिम फिट होने से ज्यादा जरूरी मैच फिट होना है। हालांकि हो सकता है कि मैं उस पीढ़ी से हूं, जिसके फिटनेस को लेकर विचार अलग थे। अब देखना है कि गावस्कर की बात पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) कितना गौर करता है। इससे पहले टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी चोटों के कारण लगातार बदलते टीम संयोजन पर चिंता जतायी थी।

दो अक्टूबर से शुरु हो सकता है 2027 एकदिवसीय विश्वकप : रिपोर्ट

जोहांसबर्ग ।2027 एकदिवसीय विश्वकप टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से शुरु होने की संभावना है। इस टूर्नामेंट का आयोजन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रुप से कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार विश्वकप 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर शुरु हो सकता है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने हालांकि अभी तक इस बार में कोई बयान नहीं दिया है पर माना जा रहा है कि महात्मा गांधी का दक्षिण अफ्रीका से गहरा नाता रहा है, उन्होंने अपने जीवन के 21 साल यहां बिताए थे।ऐसे में इस खास तारीख से टूर्नामेंट को शुरु कर आईसीसी उनके शांति और अहिंसा के वैश्विक संदेश को सम्मान दे सकता है। इस बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना एक प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है। वहीं पहले विश्वकप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अभ्यास मैच अक्टूबर के पहले सप्ताह में होने थे पर अब नई योजना के तहत, अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से शुरु हो सके और इस महत्वपूर्ण तारीख को समायोजित किया जा सके। तकरीबन 50 दिनों तक चलने वाले इस लंबे टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की संभावना है। इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की शीर्ष क्रिकेट टीमों को खिताब के लिए मुकाबला करते देखा जा सकता है। टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना गया है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क जैसे प्रमुख स्टेडियम मुकाबले आयोजित करेंगे। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मैचों की मेजबानी करेगा।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच मैकडोनाल्ड्स ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में हार के बाद किया आगाह

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड्स ने पहले टेस्ट में बंगलादेश से मिली अप्रत्याशित हार के बाद टीम में बदलाव के लिए जल्दबाजी के प्रति आगाह किया है। ऑस्ट्रेलिया की बंगलादेश से करारी हार के बाद टेस्ट टीम जॉर्ज बेली, एंड्रयू मैकडोनाल्ड और कंपनी के अप्रत्याशित बदलाव को छोड़कर काफी निराश हो सकती है। अपनी टीम को फिर से बंगलादेश का सामना करने से पहले छह दिनों के लिए फिर से संगठित होने के लिए मैकडोनाल्ड ने अपने चार साल के कार्यकाल के सबसे अप्रत्याशित परिणाम और शायद टेस्ट क्रिकेट के लगभग 150 साल के इतिहास में स्पष्ट परिणाम को चकमा नहीं दिया।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच ने डार्विन में कहा, 'हम इस टेस्ट मैच में खराब रहे। जब भी आप उस सतह पर दो पारियों में 500 से कम रन बनाते हैं, तो हमें कुछ सुधार करना होगा। इसे स्वीकार करना कठिन है कि हमने अपने मानकों को गिरने दिया।' रिकी पोंटिंग चयन में आमूल-चूल बदलाव के लिए आवाज उठाने वालों में से एक रहे हैं, उन्होंने कल चैनल सेवन से कहा- 'मुझे लगता है कि यह अपरिहार्य है कि उन्हें बदलाव करना होगा। मैं रिकॉर्ड पर था, पिछली गर्मियों के अंत में मैंने सोचा कि इस टीम को पुनर्जीवित करने का यह आदर्श समय है।'

पोंटिंग ने वर्तमान में जेक वेदराल्ड और मार्नस लाबुस्चगने के कब्जे वाले ओपनर और फर्स्ट-ड्रॉप पदों की पहचान ऑस्ट्रेलिया के 12 महीनों में 21 टेस्ट मैचों की शुरुआत में 'पुनर्जनन' की सबसे अधिक आवश्यकता वाले स्थानों के रूप में की है। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'यह हमेशा बातचीत होती रहेगी, टीम की उम्र प्रोफाइल, हम कहां हैं, हम कैसे यात्रा कर रहे हैं। हार से इसमें मदद नहीं मिलती है। लेकिन मेरा मानना है कि इन खिलाड़ियों में काफी क्रिकेट बचा हुआ है। वास्तव में यह इस पर निर्भर करता है कि हम इससे कैसे पार पाते हैं। हार के बाद हमेशा बदलाव की मांग उठती रहती है। इसके चारों ओर बाहर से और आंतरिक रूप से भी एक भावना होने वाली है। हमारे लोग उस चेंजिंग रूम में बैठे हैं, और वे इसे महसूस कर रहे हैं। आपको टेस्ट में हार का एहसास हो रहा है. ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना उनके लिए बहुत मायने रखता है, तो आइए इस सब में इसे न खोएं।'

एफआईएच हॉकी विश्व में आज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एमस्टेलवीन (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी विश्व कप में मंगलवार को अपने दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। पूल डी मैच में होने वाले इस मैच में भारतीय टीम क लक्ष्य हर हाल में जीत दर्ज करना होगा। अपने पहले के मैच में भारतीय टीम का मुकाबला चीन के खिलाफ 2-2 से बराबरी पर रहा था। भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इस मैच में जीत से अंक मिल जाएंगे।

विश्व कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन चीन के खिलाफ अच्छा रहा था जिससे वह प्रेरित रहेगी। चीन के खिलाफ भारतीय टीम ने दो बार बढ़त बनाई। हालांकि, चीन ने भी दो बार वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया। भारतीय रक्षापंक्ति ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने पहले मैच में इंग्लैंड से 4-0 से हारने के कारण दबाव में रहेगी। इंग्लैंड अभी पूल में सबसे आगे है, जबकि भारत और चीन पहले दिन ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट के पहले चरण से हर पूल की शीर्ष दो टीमें आगे बढ़ेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी, इसलिए हर अंक महत्वपूर्ण रहेगा।

भारतीय टीम की मुख्य कोच जेनेके शूपमैन ने कहा, हम इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है। हमारे लिए खुद पर और अपनी खूबियों पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। चीन के खिलाफ प्रदर्शन पर उन्होंने कहा, हमने मौके बनाए, यह बहुत सकारात्मक बात थी। मुझे लगता है कि डिफेंस के मामले में हम बहुत मजबूत थे। हमें डबल टर्नओवर पर काम करने की जरूरत है। बॉल जीतना और बॉल को अपने पास रखना। यह ऐसी चीज़ है जिसे हम बेहतर कर सकते हैं। शूपमैन ने अपनी टीम को सतर्क भी किया, अब हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से है और मैंने लड़कियों से कहा है कि वे चीजों को हल्के में न लें। दक्षिण अफ्रीका भी एक अच्छी टीम है। इसलिए हमें उसके लिए तैयार रहना होगा।

सिनसिनाटी ओपन : फारिया ने शेल्टन को हराकर उलटफेर किया, फिट्ज और टिएन तीसरे राउंड में पहुंचे

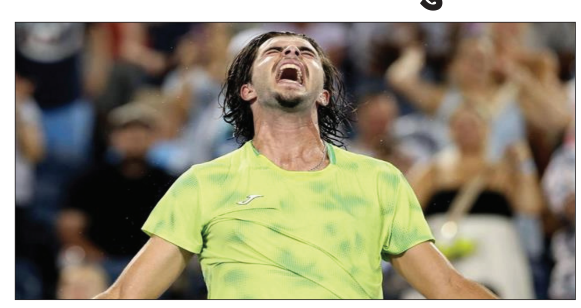

सिनसिनाटी ।पुर्तगाली क्वालिफायर जेमे फारिया ने रविवार रात सिनसिनाटी ओपन में बेन शेल्टन को चौंका दिया और लगातार दो मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की अमेरिकी खिलाड़ी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। फारिया ने मैच की जबरदस्त शुरुआत की और 6-4, 6-4 से जीत हासिल करते हुए पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने शेल्टन की धीमी शुरुआत का फायदा उठाया, जो गुरुवार को मॉन्ट्रियल में मास्टर्स 1000 इवेंट जीतने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे थे। रैंकिंग में 79वें नंबर के खिलाड़ी ने मैच के अपने दूसरे रिटर्न गेम में शेल्टन की सर्विस तोड़ी और बाकी शाम अमेरिकी खिलाड़ी के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। यह फारिया के करियर की पहली टॉप-10 जीत है, जिसने शेल्टन की लगातार छह मैचों की जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया। मैच के बाद फारिया ने कहा, 'ऐसे पलों में, आपको सब कुछ महसूस करना चाहिए और बस मज़ा लेना चाहिए। यह मेरे और मेरी टीम के लिए बहुत भावुक पल है, और इतनी शानदार भीड़ के सामने, रात में घरेलू खिलाड़ी के खिलाफ़ और इतनी शानदार जगह पर ऐसा करना इसे और भी खास बनाता है।' दूसरे सेट में फारिया, शेल्टन से 1-4 से पीछे थे, लेकिन फिर लगातार 5 गेम जीतकर मैच अपने नाम किया। शेल्टन के पास पूरी शाम वापसी करने के मौके थे, लेकिन वे फ़ारिया के खिलाफ 12 में से सिर्फ 1 ब्रेक पॉइंट ही भुना पाए। फारिया का अगला मुक़ाबला तीसरे राउंड में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन से होगा, जिन्होंने रविवार को अपने दूसरे राउंड के मैच में इग्नासियो बुसे को 6-4, 6-3 से हराया। छठी सीड टेलर फिट्ज ने अपने शुरुआती मैच में हमवतन एलेक्स मिशेलसेन को 6-3, 6-4 से हराया। मिशेलसेन ने पहले भी कुछ बार फिट्ज़ को हराया था, लेकिन वर्ल्ड नंबर 10 ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल करके हेड-टू-हेड सीरीज़ को 2-2 से बराबर कर दिया। तीसरे राउंड में फिट्ज का मुकाबला डैनियल मेरिडा से होगा, जिन्होंने जिजू बर्ग्ज को 6-3, 6-2 से हराया था। वर्ल्ड नंबर 12 लर्नर टिएन ने भी सिनसिनाटी में जीत के साथ शुरुआत की; यह अमेरिकी खिलाड़ी मॉन्ट्रियल में पिछले हफ़्ते सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद अपनी लय बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। टिएन ने सेबेस्टियन बाएज के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में 6-3, 7-6(4) से जीत हासिल की और अब तीसरे राउंड में उनका मुकाबला फ्रांसिस टियाफो से होगा, जिन्होंने दिन के आखिरी मैच में लोरेंजो सोनेगो को 6-3, 6-4 से हराया।

पाक हॉकी कप्तान अबू बकर को भारत के खिलाफ जीत का भरोसा

-बोले रैंकिंग नहीं मैच के दिन का प्रदर्शन होत है अहम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी टीम के कप्तान अबू बकर महमूद ने कहा है कि रैंकिंग से बड़े मुकाबलों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है। पाक हॉकी कप्तान के अनुसार एफआईएच विश्व कप में उनकी टीम भारत पर जीत दर्ज करने में सफल रहेगी। बकर ने हालांकि माना है कि एक दशक से उनकी टीम भारत से नहीं जीती है पर इस बार उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह जीत के सभी प्रयास करेगी। भारत और पाक क मुकाबला 19 अगस्त को खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले अभ्यास में लगी पाक टीम के कप्तान के अनुसार मैच में शीर्ष रैंकिंग का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता केवल उस दिन टीम कैसे खेलती है यहीं महत्वपूर्ण होता है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में वेल्स को 3-1 से हराया था, जबकि पाकिस्तान को इंग्लैंड के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं महमूद ने मान है कि भारतीय टीम रैंकिंग में उससे ऊपर है पर कहा कि मुकाबले में इन आंकड़ों की जगह पर मैच के दिन जो टीम अच्छा खेलेगी वही जीतेगी। गौरतलब है कि पाक ने अंतिम बार जून 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को 4-3 से हराया था। वहीं हाल ही में, एफआईएच प्रो लीग में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 और 7-1 से हराया था जिससे भारत का पलड़ा इस बार भी भारी नजर आता है।

प्रो लीग में पाक टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तानी संभालने वाले अबू ने भारतीय टीम की लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने की उपलब्धि की सराहना की और उन्हें विश्व कप के लिए शुभकामनाएँ दीं है। , लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनकी टीम भी इस बार पूरी तैयारी से आई है। पाक कप्तान

ने कहा कि प्रो लीग में उनका लक्ष्य खिताब जीतना नहीं, बल्कि शीर्ष टीमों से सीखना था, जिसका प्रभाव अब विश्व कप में दिखेगा।

ऋषभ विदेशी धरती पर सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने , गिलक्रिस्ट का रिकार्ड टूटा

गॉल (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अपनी 39 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। ऋषभ अपनी इस पारी में एक छक्का लगाते ही ऑस्ट्रेलिया के महान विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट के विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ दिया। अब ऋषभ विदेशी धरती पर टेस्ट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। ऋषभ ने अपनी पहली पारी में 62 गेंदों पर चार चौकों और एक महत्वपूर्ण छक्के की सहायत से 39 रन बनाए। अब विदेशी धरत पर टेस्ट मैचों में उनके 57 छक्के हो गये हैं। वहीं गिलक्रिस्ट के नाम 56 छक्के थे। इससे अब ऋषभ अब विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट छक्के लगाने वाले विकेटकीपरों की सूची में शीर्ष पर हैं। उनके बाद दूसरे स्थान पर गिलक्रिस्ट के 56 छक्के हैं, तीसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी हैं। धोनी के नाम 37 छक्के हैं। इस सूची में दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक 18 छक्कों और ऑस्ट्रेलिया के रॉड मार्श 16 छक्कों के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। केवल विकेटकीपरों तक ही नहीं, बल्कि विदेशी टेस्ट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले सभी बल्लेबाजों की सूची में भी ऋषभ ने अपन प्रभाव दिखाया है। वह अब इस सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के आक्रामक ऑलराउंडर बेन स्टोक्स 69 छक्कों के साथ इस सूची में नंबर एक पर हैं। पंत 57 छक्कों के साथ दूसरे औरगिलक्रिस्ट 56 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं अब वह कुल टेस्ट छक्कों के आंकड़े में भी 100 के करीब पहुंच गए हैं। उनके नाम फिलहाल 98 टेस्ट छक्के दर्ज हैं, जिसका मतलब है कि वह इस विशिष्ट क्लब में शामिल होने से केवल दो छक्के दूर हैं। अगर वह यह उपलब्धि हासिल करते हैं, तो वह टेस्ट क्रिकेट में 100 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले विशिष्ट बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो जाएंगे। वर्तमान में, टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड बेन स्टोक्स 138 के नाम है, जिसके बाद ब्रेंडन मैकुलम 107, एडम गिलक्रिस्ट 100, ऋषभ पंत 98 और टिम साउदी 98 आते हैं।

क्लासेन अब फेंचाइजी क्रिकेट पर ध्यान दे रहे

डर्बन ब संन्यास के बाद फेंचाइजी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। क्लासेन ने स्पष्ट किया है कि अब उनका एकमात्र लक्ष्य दुनिया भर की विभिन्न लीगों में जिन टीमों के लिए वे खेलते हैं, उनके साथ ट्रॉफी जीतना है। गौरतब है कि इस समय क्लासेन द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हाल ही के आईपीएल सत्र में क्लासेन ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने 15 पारियों में कुल 624 रन बनाए और टीम के प्रमुख स्कोरर में से एक रहे। द हंड्रेड में भी उनकी शुरुआत बेहतरीन रही थी, लेकिन टूर्नामेंट के बीच के चरण में उनका प्रदर्शन थोड़ा शांत रहा, हालांकि उन्होंने महत्वपूर्ण मौकों पर रन बनाना जारी रखा।

नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया

साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार यश मुख्य भूमिका में हैं, जबकि नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। फिल्म को लेकर चर्चा सिर्फ इसकी स्टारकास्ट और कहानी की वजह से नहीं है, बल्कि निर्देशक गीतू मोहनदास के काम करने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। अब फिल्म की अभिनेत्री नयनतारा ने गीतू की तारीफ की है। हाल ही में 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, ''अब तक सभी लोग गीतू की एक निर्देशक के तौर पर खूब तारीफ कर चुके हैं, लेकिन मैं उनके व्यक्तित्व के उस पहलू के बारे में बात करना चाहती हूं, जो शायद पर्दे के पीछे नजर आता है। गीतू सिर्फ कलाकारों से उनका काम नहीं करवातीं, बल्कि उनकी भावनाओं को समझती हैं और मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी भी रहती हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों को कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। किसी के लिए दिन अच्छा रहा तो किसी को मुश्किल सीन का सामना करना पड़ा। ऐसे समय में गीतू ने निर्देशक होने के साथ-साथ एक मजबूत सहारे की भूमिका भी निभाई। वह हर स्थिति में उनके साथ मौजूद रहीं। यही चीज गीतू को एक अलग तरह की निर्देशक बनाती है। वह अपने कलाकारों को केवल फिल्म का हिस्सा नहीं मानतीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी बनाती हैं।''

इस दौरान नयनतारा ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक भावुक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया, ''एक बार शूटिंग के दौरान गीतू एक कलाकार को लेकर काफी भावुक हो गई थीं। वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं। इसके बाद वह उस कलाकार के साथ कुछ देर तक रही, ताकि उसे अकेला न महसूस हो।'' उन्होंने आगे बताया कि जब गीतू से वापस आईं, तो हमने उनसे पूछा कि आखिर वहां क्या हुआ था। मुझे लगा कि शायद गीतू ने भावनाओं में आकर कुछ ऐसा कह दिया होगा, जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। मैंने उनसे पूछा, 'क्या हुआ? क्या आपने अपना आपा खो दिया? क्या आपने कुछ ऐसा कह दिया जो आपको नहीं कहना चाहिए था?' लेकिन गीतू ने बेहद सहजता से कहा, 'नहीं, मैंने बस प्यार दिया।'' नयनतारा ने कहा कि गीतू जिस भी कलाकार के साथ काम करती हैं, उसके साथ एक खास रिश्ता बना लेती हैं। बता दें कि 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और इसकी कहानी यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कन्नड़ और अंग्रेजी में की गई है और इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम समेत कई भाषाओं में डब किया गया है। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल संग अफेयर की खबरों पर भड़कीं मृणाल

इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में सेलिब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें फैलना अब एक आम बात हो गई है। लेकिन बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन झूठी खबरों को चुपचाप सहने के मूड में बिल्कुल नहीं हैं। हाल ही में भारतीय युवा क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल के साथ अपना नाम जोड़े जाने पर मृणाल ठाकुर का गुस्सा फूट पड़ा है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। पूरा मामला मुंबई के बांद्रा वेस्ट स्थित एक कैफे का है। हाल ही में मृणाल ठाकुर और क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल को एक ही कैफे के बाहर अलग-अलग समय पर देखा गया। बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर दोनों के वीडियो को जोड़कर उनके अफेयर के कयास लगाने शुरू कर दिए। 34 साल की मृणाल ठाकुर और 24 साल के यशस्वी के बीच 10 साल के अंतर को लेकर भी इंटरनेट पर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। जब यह अफवाह हद से ज्यादा बढ़ने लगी, तो अभिनेत्री ने खुद सामने आकर इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो पर टिप्पणी करते हुए मृणाल ठाकुर ने लिखा, 'भाई थोड़ा रिलैक्स करो... मुझे दिखाओ कि हम एक साथ कहां हैं? आप जैसे पढ़े-लिखे लोग इन अफवाहों को सच कैसे मान सकते हैं? देश में क्या कुछ नहीं हो रहा है। जेन-जी से कुछ सीखिए और सही मुद्दों पर वीडियो बनाइए, ताकि आपको ज्यादा व्यूज मिल सकें।' हालांकि, कुछ समय बाद यह कमेंट वीडियो के नीचे से हटा दिया गया, लेकिन तब तक मृणाल के इस रिएक्शन का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो चुका था। प्रशंसकों ने मृणाल के इस बेबाक अंदाज़ की काफी सराहना की है।

आत्मविश्वास को लेकर बोलीं ईशा कोप्पिकर

स्टाइलिश दिखने का उम्र से लेना-देना नहीं

बढ़ती उम्र को लेकर अब लोगों की सोच बदल रही है। खासकर अभिनेत्रियां अपने अनुभवों के साथ यह बताती नजर आती हैं कि उम्र किसी की खूबसूरती, आत्मविश्वास या पहचान तय नहीं करती। अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर भी इसी सोच को लेकर अपनी बात सामने रखती रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहतरीन तस्वीरों के साथ एक कैप्शन लिखा है।

पहले से ज्यादा बेबाक हुई

अभिनेत्री ने जो तस्वीरें शेयर कीं हैं। उस पर अलग-अलग कैप्शन लिखा है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा 'अब मैं पहले से थोड़ी ज्यादा आत्मविश्वासी, अपनी पसंद को लेकर ज्यादा सजग और खुद को लेकर पहले से ज्यादा बेबाक हूं। असली खूबसूरती और अंदाज उम्र में नहीं, बल्कि इस बात में है कि इंसान समय के साथ खुद को कितना बेहतर बनाता है।'

जिंदगी को बेहतर बनाने की कोशिश करती हैं

ईशा ने आगे लिखा 'मैं अब बेहतर चुनाव करती हूं, गहराई से प्यार करती हूं और जिंदगी के हर पड़ाव को खास बनाने की कोशिश करती हूं। मैं वही लड़की हूं, लेकिन अब मेरे स्टैंडर्ड पहले से बेहतर हैं।'

ईशा कोप्पिकर का वर्कफ्रंट

साल 2000 में फिल्म 'फिजा' से हिंदी में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ईशा हाल ही में फिल्म 'लव यू लोकतंत्र' में नजर आईं। अभय निहलानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कृष्णा अभिषेक, अली असगरी, सपना चौधरी, रवि किशन और मनोज जोशी थे।

पैन इंडिया फिल्म 'स्लम डॉग: 33 टेंपल रोड' में अहम किरदार में नजर आएंगी तब्बू

पुरी जगन्नाथ के निर्देशन में बन रही पैन इंडिया फिल्म 'स्लम डॉग : 33 टेंपल रोड' में अभिनेत्री तब्बू भी अहम किरदार में नजर आएंगी। फिल्म से तब्बू का लुक सामने आया है जिसे एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। इस एक पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने फैंस को अपने किरदार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म में उनके किरदार का नाम क्या होगा ? और वह कैसा होगा? 'स्लम डॉग' में तब्बू एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपने फैंस के साथ कुछ खास जानकारियां साझा कीं। फिल्म में तब्बू एक सख्त आयकर अधिकारी के रूप में नजर आएंगी। इस फिल्म में तब्बू के किरदार का नाम गौरी हेगड़े है। गौरी को एक निर्दयी, बेरहम और साहसी महिला के रूप में पेश किया गया है। एक्ट्रेस की शेयर की गई पोस्ट में वह बड़े गंभीर अंदाज में नजर आ रही हैं। फिल्म से शेयर किए एक वीडियो में वह विजय सेतुपति से पूछताछ करती नजर आ रही हैं। इस एक पोस्ट के अलावा तब्बू ने 'स्लम डॉग' की एक क्लिप भी शेयर की। इसके कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा, 'आप सभी मिलिए गौरी हेगड़े से। जो कि एक दृढ़, निडर और हमेशा अपने सिद्धांतों पर डटी रहने वाली महिला है। इस फिल्म के लिए हैदराबादी बोलने में बहुत मजा आया।' कैप्शन में तब्बू ने फिल्म के निर्देशक पुरी जगन्नाथ का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही प्रोड्यूसर चार्मी कौर का भी शुक्रिया अदा किया।

'स्लमडॉग 33' के बारे में

फिल्म का निर्देशन पुरी जगन्नाथ ने किया है। वहीं इसे पुरी के साथ मिलकर अभिनेत्री चार्मी कौर ने भी प्रोड्यूस किया है। फिल्म में विजय सेतुपति एक बहुत ताकतवर और बेबाक किरदार निभाएंगे। यह एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है जिसे पांच भाषाओं तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की कास्ट में विजय और तब्बू के अलावा संयुक्ता, दुनिया विजय, ब्रह्माजी और वीटीवी गणेश भी अहम भूमिकाओं में हैं।

यश राज फिल्म्स की हॉरर फिल्म में वरुण निभाएंगे लीड रोल

यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) पहली बार हॉरर जॉनर में कदम रखने जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि निर्देशन और पटकथा की जिम्मेदारी 'रॉकेट बॉयज़' से चर्चित अभय पन्नू संभालेंगे। फिल्म की शूटिंग इस वर्ष के अंत में शुरू होने की योजना है और इसे वर्ष 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जाएगा। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, वाईआरएफ की पहली हॉरर फिल्म के लिए वरुण धवन को मुख्य अभिनेता के रूप में चुना गया है। सूत्रों का कहना है कि यश राज फिल्म्स ने अब तक लगभग हर प्रमुख जॉनर में फिल्में बनाई हैं, लेकिन हॉरर ऐसा जॉनर था, जिसमें स्टूडियो ने अब तक कदम नहीं रखा था। यह फिल्म उसी दिशा में ड्ढक्रस्न की पहली पेशकश होगी।

सूत्रों के अनुसार, अभय पन्नू के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म को अक्षय विधानी रणनीतिक रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। 'रॉकेट बॉयज़' की सफलता के बाद यह अभय पन्नू की पहली थिएटरिकल फिल्म होगी। इसके साथ ही यह परियोजना नई पीढ़ी के फिल्मकारों को अवसर देने की वाईआरएफ की रणनीति को भी आगे बढ़ाती है। 'सैयारा' की सफलता के बाद आदित्य चोपड़ा के मार्गदर्शन में स्टूडियो मोहित सूरी, समीर सक्सेना और अब अभय पन्नू जैसे निर्देशकों के साथ काम कर रहा है। 'सुई धागा' के बाद यह वरुण धवन की यश राज फिल्म्स के साथ दूसरी फिल्म होगी। इस बार वह स्टूडियो की पहली थिएटरिकल हॉरर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।

ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक रसेल क्रो के साथ नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा जोनस और ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक रसेल क्रो एक साथ फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में नजर आएंगे। यह एक साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। इस फिल्म को हॉलीवुड की चर्चित फिल्म 'प्रिडेटर्स' डायरेक्टर निम्रोद एंटल निर्देशित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'ब्लूफ्लाई' इस फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में की जाएगी। 'डेडलाइन' के मुताबिक इस फिल्म से लिया बुमन, गाइ डेविस, रूथएन फ्रिगेरियो, ब्रायन कवानाघ जोंस, जेसन क्रिंगस्टीन, केटी लीरी, स्कॉट लेवेंसन और जेम्स नॉरबरी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं। फिल्म की कहानी कांगो में रहने वाली एक यूएन ट्रांसलेटर की है। वह एक क्रैश प्लेन को खोजने के सीक्रेट मिशन पर है। इस मिशन में उसे कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आखिर में जब फिल्म की लीड कैरेक्टर विमान के करीब पहुंचती है तो उसे अहसास होता है कि इस प्लेन को कभी वापस नहीं लाना चाहिए था।

इन फिल्मों में नजर आएंगी

प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड के अलावा भारतीय फिल्में भी कर रही हैं। वह आठ साल बाद एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। फिल्म में पौराणिक कहानियों और साइंस फिक्शन का मिश्रण देखने को मिलेगा। इसके अलावा प्रियंका का नाम बॉन्ड गर्ल के तौर पर चुने जाने के लिए भी सामने आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

यूएस में बारिश से हाहाकार: इंडियाना की व्हाइट नदी में बाढ़, 113 साल पुराना कौन सा रिकॉर्ड टूटा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इंडियाना में भारी बारिश ने बाढ़ का ऐसा संकट खड़ा कर दिया है, जिसने 113 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। व्हाइट नदी का जलस्तर 24.9 फीट से ऊपर पहुंच गया और कई इलाकों में घर, सड़कें और रेलवे ट्रैक पानी में डूब गए। मंगलवार से इंडियानापोलिस के पूर्वी हिस्से में 11 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। हालात को देखते हुए इंडियाना के गवर्नर माइक ब्रॉन ने आपात स्थिति घोषित कर नेशनल गार्ड को राहत और बचाव कार्य में लगाया है। व्हाइट नदी का पानी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। नदी का जलस्तर 24.9 फीट से ज्यादा दर्ज किया गया, जो 1913 में दर्ज किए गए पुराने रिकॉर्ड से एक फीट से भी अधिक ऊपर है। इस बढ़ते जलस्तर ने नदी के आसपास के कई इलाकों को डुबो दिया। प्रशासन के अनुसार, नदी का पानी रविवार तक अपने किनारों से बाहर निकलता रह सकता है। इससे आने वाले समय में बाढ़ और गंभीर होने की आशंका बनी हुई है।कितनी बारिश हुई और कितने इलाके पानी में डूबे इंडियानापोलिस के पूर्व में मंगलवार से अब तक 11 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। एंडरसन शहर में कई फीट पानी सड़कों पर भर गया और घर पानी से घिर गए। लोगों को इलाके से बाहर निकलने का आदेश दिया गया। फ्रैंकलिन काउंटी में भी पानी ने रेलवे पटरियों और सड़कों को ढक दिया। कैंब्रिज सिटी में लगातार दूसरे दिन कई घर कई फीट पानी से घिरे रहे। यॉर्कटाउन से सामने आए वीडियो में भी बाढ़ से बड़े पैमाने पर नुकसान दिखाई दिया। बाढ़ के बीच राहत और बचाव दल ने पूरे क्षेत्र में दर्जनों लोगों को सुरक्षित निकाला। इंडियानापोलिस में शनिवार दोपहर तक करीब 70 लोगों के बचाए जाने की जानकारी सामने आई। कई लोगों के साथ उनके पालतू जानवरों को भी सुरक्षित निकाला गया। वहीं डेलावेयर काउंटी में शुक्रवार को शेरिफ के जवानों को 58 वर्षीय महिला का शव मिला। अधिकारियों को आशंका है कि महिला की मौत बाढ़ के पानी से होकर गाड़ी चलाने की कोशिश के दौरान हुई। फिलहाल तक इस बाढ़ से पांच लोगों की मौत हुई है। इंडियाना के गवर्नर माइक ब्रॉन ने गुरुवार को राज्य में आपात स्थिति घोषित की और नेशनल गार्ड को राहत कार्यों के लिए लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य की पूरी मशीनरी को सक्रिय कर दिया गया है और जरूरत के हिसाब से संसाधन प्रभावित इलाकों में भेजे जा रहे हैं। गवर्नर ने राष्ट्रपति से संघीय आपात घोषणा करने का अनुरोध भी किया है, ताकि राहत और बचाव के लिए अतिरिक्त संसाधन मिल सकें। इंडियानापोलिस के मेयर जो हॉगसेट ने भी नदी के आसपास रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

155 साल में सबसे भीषण तूफान का खतरा, हवाई के बिग आईलैंड की ओर बढ़ा तूफान; क्या मचेगी तबाही

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हवाई द्वीप समूह में तूफान लाला ने खतरे की घंटी बजा दी है। यह तूफान शनिवार को एक बड़े द्वीप यानी बिग आइलैंड की ओर बढ़ रहा था और इसके द्वीप के दक्षिणी हिस्से के पास पहुंचने का अनुमान है। अगर लाला सीधे द्वीप से टकराता है तो यह 155 साल में पहली बार होगा। तूफान की अधिकतम लगातार हवा की रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा पहुंच गई है। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी है और कई इलाकों में आश्रय केंद्र खोल दिए गए हैं। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, तूफान लाला बिग आइलैंड के दक्षिणी सिरे के बहुत करीब से गुजर सकता है। इससे पहले 1871 में श्रेणी-3 का तूफान बिग आइलैंड के उत्तर-पूर्वी हिस्से से टकराया था। इसके बाद ऐसा कोई तूफान नहीं आया, जिसने द्वीप पर सीधे दस्तक दी हो। लाला का रास्ता दक्षिणी हिस्से की ओर बताया गया है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा है कि तूफान के सीधे जमीन से टकराए बिना भी भारी नुकसान हो सकता है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, लाला की अधिकतम लगातार हवा की रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा हो गई है और इसे श्रेणी-1 का तूफान घोषित किया गया है। इसके कारण बिग आइलैंड के दक्षिणी हिस्से में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि समुद्र तल से हजारों फीट ऊपर स्थित ज्वालामुखीय ढलानों पर तूफान का असर ज्यादा गंभीर हो सकता है। ऊंचाई वाले इलाकों में 63.5 सेंटीमीटर तक बारिश का अनुमान है।

पांच घायल; पुलिस से बचने के लिए अलमारी में छिपा 19 वर्षीय आरोपी

वर्जीनिया यूनिवर्सिटी में गोलीबारी से हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार तड़के हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने 19 वर्षीय कैमरन हैरिस को कैंपस की एक डॉरमिटरी की अलमारी से गिरफ्तार किया है। घटना में पांच लोग घायल हुए, जिनमें एक की हालत गंभीर थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आठ गंभीर अपराधों के वारंट हासिल किए हैं। घटना के बाद लगाए गए कैंपस लॉकडाउन को हटा दिया गया है और जांच में कई कानून प्रवर्तन एजेंसियां सहयोग कर रही हैं। गोलीबारी के पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है। चेस्टरफील्ड काउंटी पुलिस ने एक बयान में बताया कि हेनरिको, वर्जीनिया निवासी कैमरन हैरिस कैंपस का छात्र नहीं है। गोलीबारी में घायल हुए चार लोग भी यूनिवर्सिटी के छात्र नहीं थे। घायलों की उम्र 17 से 23 वर्ष के बीच है। अधिकारियों के मुताबिक, घायलों में शामिल 20 वर्षीय एक छात्र को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने अभी तक किसी भी पीड़ित का नाम सार्वजनिक नहीं किया है।

अधिकारियों ने घटना के संभावित मकसद को लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने हेनरिको के खिलाफ आठ गंभीर अपराधों यानी फेलनी के वारंट हासिल किए हैं। इनमें जान-बूझकर किसी व्यक्ति को घायल करना और गंभीर अपराध के दौरान बंदूक का इस्तेमाल करना जैसी धाराएं शामिल हैं। यह भी तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका कि आरोपी की ओर से पैरवी करने के लिए कोई वकील मौजूद है या नहीं।

यूनिवर्सिटी ने इससे पहले जारी बयान में कहा था कि अधिकारी कई संदिग्धों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, शनिवार शाम तक पुलिस ने तलाशी अभियान को लेकर कोई अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की। यूनिवर्सिटी अधिकारियों ने दिन में पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कैंपस समुदाय के लिए अब किसी तत्काल खतरे की आशंका नहीं है। इसके बाद कैंपस में लगाया गया लॉकडाउन हटा दिया गया।

शनिवार तड़के करीब 1:30 बजे के बाद हुई गोलीबारी के चलते पूरे कैंपस में लॉकडाउन लागू करना पड़ा। यह घटना ऐसे समय हुई, जब छात्र नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के लिए कैंपस लौट रहे थे और तैयारियों में जुटे थे।

गोलीबारी की घटना यूनिवर्सिटी के क्वाड एनेक्सेस के पास हुई। सूचना मिलते ही कैंपस पुलिस और चेस्टरफील्ड काउंटी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्हें कैंपस डॉरमिटरी के बाहर गोली लगने से घायल पांच लोग मिले।

यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के मुताबिक, छात्रों के लिए रेजिडेंस हॉल एक सप्ताह पहले ही खोल दिए गए थे, जबकि कक्षाएं सोमवार से शुरू होनी हैं। कई छात्र नए विद्यार्थियों के स्वागत और उनके कैंपस जीवन की शुरुआत से जुड़े यूनिवर्सिटी के न्यू ट्रोजन एक्सपीरियंस कार्यक्रम में भी हाल ही में शामिल हुए थे। यूनिवर्सिटी ने अपने बयान में कहा,हम समझते हैं कि इस घटना ने हमारे छात्रों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों, दोस्तों और व्यापक ट्रूस समुदाय के बीच चिंता पैदा की है। हमारे छात्रों की सुरक्षा और भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शनिवार सुबह कैंपस में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। यूनिवर्सिटी ने छात्रों को सलाह दी कि वे अतिरिक्त सुरक्षा उपायों और उपलब्ध सहायता सेवाओं से जुड़ी जानकारी के लिए अपने ईमेल नियमित रूप से चेक करते रहें। काउंटी पुलिस के अनुसार, ब्यूरो ऑफ अल्कोहल, टोबैको, फायरआर्म्स एंड एक्सप्लोसिव्स और हनोवर काउंटी शेरिफ ऑफिस भी जांच में सहायता कर रहे हैं। वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी वर्जीनिया के एट्रिक में स्थित एक ऐतिहासिक रूप से अश्वेत यूनिवर्सिटी है। यह राज्य की राजधानी रिचमंड से करीब 39 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। इस सार्वजनिक विश्वविद्यालय में लगभग 5,700 छात्र पढ़ते हैं।

तीन पायलट, दो एसयू-24 और हिरासत का दावा: ईरान के दावे को दोहा ने किया खारिज- अब आमने-सामने दोहा और तेहरान

तेहरान, एजेंसी। कतर ने तीन ईरानी पायलटों को छह महीने से हिरासत में रखने के ईरानी मीडिया के दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है। कतर का कहना है कि उसने कथित हवाई क्षेत्र उल्लंघन के दौरान नियमों के तहत कार्रवाई की और बाद में खोज एवं बचाव अभियान भी चलाया। वहीं, ईरान ने तीन पायलटों के कतरी हिरासत में होने का दावा करते हुए उनसे मुलाकात की अनुमति देने की मांग की है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजेद मोहम्मद अल-अंसारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कतरी हवाई क्षेत्र के कथित उल्लंघन के मामले में ईरानी पायलटों से संपर्क किया गया था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने उनके विमान की दिशा और टारगेट की ओर बढ़ने वाले प्रक्षेप पथ की भी पुष्टि की थी। प्रवक्ता ने कहा, हम ईरानी पायलटों की हिरासत के बारे में फैलाए जा रहे दावों का सख्ती से खंडन करते हैं और इस खास समय पर ऐसे गुमराह करने वाले बयानों से हमें हैरानी है।

अल-अंसारी ने बताया कि कतरी अधिकारियों ने पायलटों से संपर्क करने की कोशिश की थी। जब उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला, तो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कतरी क्षेत्र की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने से पहले निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया गया। उन्होंने कहा कि कतर ने उस समय आधिकारिक माध्यमों के जरिए पूरे मामले को स्पष्ट कर दिया था। खोज और बचाव अभियान का जिक्र करते हुए कतर ने कहा कि उसकी टीमों ने पायलटों के अवशेषों की तलाश की थी। बाद में ईरान के साथ समन्वय करते हुए एक पायलट के मिले अवशेष सौंपे गए। प्रवक्ता ने कहा, कतर की खोज और बचाव टीमों ने, जिनके पास वैश्विक स्तर की दक्षता और विशेषज्ञता है, पायलटों के अवशेषों की तलाश में अपना कर्तव्य पूरी तरह से निभाया। कतर ने यह भी कहा कि उसने पिछले अप्रैल में एक ईरानी टीम को खोज और बचाव अभियान से जुड़े विवरण की समीक्षा करने और पूरी जानकारी हासिल करने के लिए आमंत्रित किया था। हालांकि, कतर के मुताबिक ईरानी पक्ष ने अब तक इस निमंत्रण का कोई जवाब नहीं दिया है। अल-अंसारी ने कहा,इसके अलावा, पिछले अप्रैल में एक टीम को खोज और बचाव अभियान के विवरण के बारे में जानने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसका ईरानी पक्ष ने आज तक कोई जवाब नहीं दिया है।

हम मुसलमान हैं, हम सहन करते हैं, पाक के हिंदुओं को लेकर आसिफ जरदारी ने क्या कहा अखंड भारत का भी जिक्र किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के लिए दुनियाभर में बदनाम है। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लोगों के गंभीर उत्पीड़न, जबरन धर्म परिवर्तन के मामले आए दिन सामने आते हैं और उनकी आबादी में भी भारी गिरावट आई है। हालांकि, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसके विपरीत दावा किया है। जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू भी उतने ही आजाद हैं, जितने किसी और जगह पर हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान के हिंदू भारत में रहने के बजाय पाकिस्तान में रहना पसंद करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में ऐसे मुसलमान हैं, जिनकी सोच है कि वे हिंदुओं को बर्दाश्त करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जरदारी ने 14 अगस्त को इस्लामाबाद में यादगार-ए-फतह विजय स्मारक समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। यह समारोह पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित किया गया था। पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने ये बातें भारत और पाकिस्तान की सोच में अंतर बताते हुए कहीं। जरदारी ने भारत के अखंड भारत में विश्वास का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके बीच बहुत कुछ ऐसा है, जिसे भारतीय भूल गए हैं। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान की पहचान एक इस्लामी देश के रूप में बताई। पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं के प्रति अपने देश के रवैये पर बात करते हुए जरदारी ने कहा, हम मुसलमान हैं और हमारी सोच है कि हम बर्दाश्त करते हैं। उन्होंने आगे दावा किया, पाकिस्तान में तीन से चार प्रतिशत हिंदू आबादी है और वे उतने ही आजाद हैं, उतने ही अच्छे हाल में हैं, जितने वे कहीं और थे।

ट्रंप ने साझा की किम संग तस्वीर: चेहरे पर नहीं दिखी मुस्कान; फिर क्यों बोले- हम बहुत अच्छे से मिलते हैं

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की। इन तस्वीरों में दोनों के चेहरे गंभीर नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को लेकर ट्रंप ने मजाक किया। उन्होंने कहा कि किम जोंग उन और उनके बीच अच्छे संबंध हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, इस खास तस्वीर में भले ही हमारे चेहरे दोस्ताना नहीं दिख रहे हैं। लेकिन ऐसी कई तस्वीरें हैं, जिनमें हम मुस्कुरा रहे हैं। किम जोंग उन और मैं बहुत अच्छे से मिलते हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने एआई से बनाई हुई तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वह अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन के साथ नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में दोनों के हाथों में कलम दिख रही है। वहीं, दूसरी तस्वीर में दोनों घोड़े पर नजर आ रहे हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया, जब उत्तर कोरिया अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले आगामी सैन्य अभ्यासों की आलोचना कर रहा है। उत्तर कोरिया का कहना है कि इन सैन्य अभ्यासों से कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव और बढ़ेगा। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास उलची फ्रीडम शील्ड 17 अगस्त से शुरू होने वाला है। यह अभ्यास 27 अगस्त तक चलेगा। इन सैन्य अभ्यासों में ड्रोन से निपटने, जीपीएस में रुकावट पैदा होने की स्थिति से निपटने और साइबर हमलों का सामना करने का प्रशिक्षण शामिल होगा। अमेरिका और उसके सहयोगी देश इन अभ्यासों के जरिये उत्तर कोरिया की बदलती सैन्य क्षमताओं के अनुसार अपनी तैयारी बेहतर करना चाहते हैं। उत्तर कोरिया लगातार अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों की आलोचना करता रहा है। वह इन अभ्यासों को उकसावे वाली कार्रवाई बताता है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा, अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के बीच सैन्य सहयोग धीरे-धीरे एक परमाणु गठबंधन में बदल रहा है। प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया का सैन्य सहयोग एक परमाणु गठबंधन में बदल रहा है और उत्तर कोरिया खतरे के नए स्तर का जवाब रोकने की क्षमता के नए स्तर से देगा।

अमेरिका में दो गोलीकांड: वर्जीनिया यूनिवर्सिटी में चली गोलियां, मिशिगन में छह की मौत; कब थमेगा मौत का सिलसिला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं ने एक बार फिर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार तड़के हुई गोलीबारी में पांच लोग घायल हो गए, जिनमें कम से कम एक छात्र शामिल है। इसी दौरान मिशिगन में शुक्रवार को हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में एक 16 वर्षीय किशोर समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पुलिस ने संदिग्ध हमलावर को भी मृत पाया। दोनों घटनाओं की जांच जारी है और इनके पीछे की वजह अभी साफ नहीं हुई है।

वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के क्वाड एनेक्सेस के पास शनिवार सुबह गोलीबारी हुई। कैंपस पुलिस और चेस्टरफील्ड काउंटी के अधिकारियों को छात्रावासों के बाहर पांच लोग गोली लगने से घायल मिले। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। शुरुआत में एक घायल की हालत जानलेवा बताई गई थी, लेकिन बाद में उसकी हालत गंभीर बताई गई। बाकी घायलों को जानलेवा चोटें नहीं आईं। विश्वविद्यालय ने पुष्टि की कि घायलों में कम से कम एक छात्र था और उसे अस्पताल से छुट्टी भी मिल गई। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में 19 साल के एक युवक को गिरफ्तार किया है।

घटना के बाद विश्वविद्यालय में लॉकडाउन लगा दिया गया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। विश्वविद्यालय ने बताया कि गोलीबारी में कई संदिग्ध शामिल हो सकते हैं। बाद में कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने कहा कि कैंपस समुदाय के लिए तत्काल खतरा नहीं माना जा रहा है और लॉकडाउन हटा दिया गया। छात्रों को ईमेल देखते रहने और आगे की सुरक्षा संबंधी जानकारी पर नजर रखने को कहा गया। घटना ऐसे समय हुई, जब नए शैक्षणिक सत्र के लिए छात्र परिसर में लौट रहे थे और सोमवार से कक्षाएं शुरू होनी थीं।

मिशिगन के मिसॉकी काउंटी में शुक्रवार को गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं ने पूरे इलाके को हिला दिया। पुलिस को एक घर से 16 वर्षीय लड़के, 45 वर्षीय पुरुष और 40 वर्षीय महिला के शव मिले। वहां 13 वर्षीय लड़की भी गंभीर हालत में मिली, लेकिन वह बच गई। इसके बाद पुलिस को दूसरी जगह 53 वर्षीय पुरुष का शव मिला। बाद में जंगल में 29 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध हमलावर चाड हिकमैन के शव के साथ मिला। पुलिस के अनुसार सभी मृतकों की मौत गोली लगने से हुई।

मिशिगन की घटना में पुलिस ने बताया कि पहली गोलीबारी के बाद संदिग्ध हमलावर वहां से भाग गया था। इसके बाद इलाके में बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों की जांच करते हुए आखिरकार जंगल में संदिग्ध हिकमैन और एक महिला का शव बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि जांच अभी जारी है। पुलिस ने मृतकों की उम्र और लिंग की जानकारी दी है, लेकिन यह साफ नहीं किया है कि मृतक आपस में या संदिग्ध हमलावर से किस रिश्ते में थे। हिकमैन को 2024 में बच्चों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराया गया था और उसे एक साल की जेल की सजा मिली थी।

वर्जीनिया की घटना का समय खास तौर पर चिंताजनक माना जा रहा है, क्योंकि विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत होने वाली थी। विश्वविद्यालय में करीब 5,700 छात्र पढ़ते हैं और यह ऐतिहासिक रूप से अश्वेत अमेरिकी छात्रों के लिए स्थापित विश्वविद्यालयों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। गोलीबारी के बाद परिसर में पुलिस की भारी मौजूदगी रही। मिशिगन की घटना ने भी स्थानीय समुदाय को झकझोर दिया है। दोनों घटनाओं में पुलिस और प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक गोलीबारी के पीछे का कारण सामने नहीं आया है।

वर्जीनिया में घायल छात्र को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और बाकी घायलों में किसी की चोट को तत्काल जानलेवा नहीं बताया गया है। विश्वविद्यालय ने छात्रों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों और पूरे समुदाय की चिंता को समझने की बात कही है और सुरक्षा तथा छात्रों की भलाई को प्राथमिकता बताया है। मिशिगन में 13 वर्षीय लड़की के बचने की जानकारी सामने आई है, जबकि छह लोगों की जान जा चुकी है। वर्जीनिया की गवर्नर और एक सीनेटर ने घटना पर दुख जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

इंडोनेशिया में फिर कांपी धरती: पिछले भूकंप के केंद्र से कितनी दूर गल्फ ऑफ टॉमिनी, नुकसान पर सरकार क्या बोली

नुसंतारा, एजेंसी। इंडोनेशिया में शनिवार को कुछ ही घंटों के भीतर तीसरे भूकंप ने चिंता बढ़ा दी है। रात में गल्फ ऑफ टॉमिनी में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। इससे पहले इसी दिन 6.5 तीव्रता का भूकंप और सुबह 7.7 तीव्रता का बेहद शक्तिशाली भूकंप आया था। सुबह के भूकंप में कम से कम 38 लोगों की मौत हुई, कई लोग घायल हुए और बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। लगातार भूकंप के झटकों से राहत और बचाव अभियान भी प्रभावित हो रहा है। गल्फ ऑफ टॉमिनी में भूकंप कितनी तीव्रता का था राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, शनिवार रात गल्फ ऑफ टॉमिनी में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप भारतीय समयानुसार रात 9 बजकर 55 मिनट पर आया। इसकी गहराई जमीन के अंदर 68 किलोमीटर थी। भूकंप का केंद्र गल्फ ऑफ टॉमिनी में दर्ज किया गया। यह झटका उस समय आया जब इंडोनेशिया पहले से ही दिन में आए दो बड़े भूकंपों के असर से जूझ रहा था। सुबह आया 7.7 तीव्रता का भूकंप इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में आया था। उसका केंद्र पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत के एंडे शहर से करीब 68 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम में था। वहीं रात का 6.0 तीव्रता वाला भूकंप गल्फ ऑफ टॉमिनी में 0.174 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 120.312 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। उपलब्ध जानकारी में दोनों भूकंपों के केंद्रों के बीच सीधी दूरी नहीं बताई गई है। इसलिए दिए गए आंकड़ों के आधार पर उनकी सटीक दूरी तय करना संभव नहीं है। भूकंप ने इंडोनेशिया के कई इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया। सरकारी आपदा एजेंसी के प्रमुख सुहारयांतो के अनुसार, 38 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए और 11 लोगों को मामूली चोटें आईं। करीब 2,000 लोग अपने स्तर पर घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए। भूकंप के बाद कई जगहों पर भूस्खलन भी हुआ, जिससे बचाव दल के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई।

लेबनान में इस्राइली हमले में 11 की मौत

तेहरान, एजेंसी। ईरान और इस्राइल से जुड़े संघर्ष के बीच पश्चिम एशिया में तनाव लगातार गंभीर होता जा रहा है। शनिवार को एक साथ कई घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी। ईरान ने कतर पर उसके तीन पायलटों को पकड़े रखने का आरोप लगाया, जिसे कतर ने तुरंत खारिज कर दिया। वहीं संयुक्त अरब अमीरात ने होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके एक तेल टैंकर पर फिर हमला होने की बात कही। दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई है। यमन में हूतियों ने लाल सागर के एक बंदरगाह पर भी हमला किया। ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ की लापता लोगों से जुड़ी समिति ने दावा किया कि मार्च में विमान गिराए जाने के बाद लापता हुए उसके तीन पायलट कतर की सेना के कब्जे में हैं। ईरान का कहना है कि कतर ने इन पायलटों को उनके परिवार और मामले से जुड़े ईरानी अधिकारियों से मिलने या संपर्क करने की अनुमति नहीं दी। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति के अध्यक्ष से मामले में मदद मांगी है। ईरान ने यह भी कहा कि चौथा पायलट कतर में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने के अभियान के दौरान मारा गया था। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने ईरान के दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कतर की खोज और बचाव टीमों ने गिराए गए विमानों में से एक के अवशेष बरामद किए थे। उनके अनुसार, ईरान को अप्रैल में घटनास्थल पर आने और खोज अभियान की जानकारी लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन ईरान की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। ईरान का यह दावा इसलिए भी अहम है क्योंकि अब तक उसने लापता पायलटों के बारे में कोई जानकारी नहीं होने की बात कही थी। संयुक्त अरब अमीरात की सरकारी तेल और गैस कंपनी एडीएनओसी के एक टैंकर पर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय हमला हुआ। घटना शुक्रवार शाम की बताई गई है और इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यूएई के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में एडीएनओसी से जुड़े जहाज पर यह तीसरा हमला है। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने भी बताया कि शुक्रवार को एक मालवाहक जहाज के ढांचे पर अज्ञात वस्तु से हमला हुआ। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाओं में वही जहाज शामिल था या नहीं। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी के मुहाने पर स्थित बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के व्यापार में आने वाले करीब पांचवें हिस्से के तेल और प्राकृतिक गैस की आवाजाही इसी रास्ते से होती थी। युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने इस जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण जताया है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत रुक गई है, जबकि ईरान ओमान के साथ इस रास्ते को संभालने के तरीके पर बातचीत कर रहा है। ऐसे में यहां किसी भी हमले से तेल और गैस की आपूर्ति पर असर पड़ने की चिंता बढ़ सकती है। दक्षिणी लेबनान में शनिवार को इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय और सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, अंसार गांव के किनारे एक घर को निशाना बनाया गया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.